■ सरकार ने अदला-बदली नीलामी में वापस खरीदे 6,309 करोड़ बॉन्ड - 10

■ अमेरिका ने किया था अनुरोध-रूसी तेल खरीद रिफाइनरियों में भेजे भारत - 10

■ नेपाल : सबसे युवा और पहले मधेसी पीएम होंगे बालेंद्र - 11

■ बारबाडोस से अहमदाबाद तक : क्रिकेट में भारत के दबदबे की अभूतपूर्व दास्तान - 12

आज का मौसम
33.0⁰ अधिकतम तापमान
19.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.28
सूर्यास्त 06.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष सप्तमी 01:54 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 10 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 32, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ईरान जंग पर सदन में हंगामा, बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर नहीं हो पाई चर्चा

● सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में सोमवार को विपक्षी दलों के सदस्यों ने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के इस रुख पर अड़े रहने के कारण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के विपक्ष के नोटिस पर चर्चा और मतदान की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी।

सदन की बैठक दो बार स्थगित होने के बाद अपराह्न तीन बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद को लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अपना संकल्प रखने को कहा। इस दौरान कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्य पश्चिम एशिया के हालात पर सदन में चर्चा कराने की मांग करते हुए आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस के सदस्य नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने की इजाजत भी आसन से मांग रहे थे। पीठासीन सभापति पाल ने मोहम्मद जावेद से कहा, आप केवल अपना संकल्प रख सकते हैं। आपको और कोई प्रस्ताव रखने का अधिकार नहीं है। आप आसन से यह नहीं कह सकते कि राहुल (गांधी) को बोलने दें, केसी वेणुगोपाल को बोलने दें। यह कौन सा नियम है। उन्होंने कहा, संसद की कार्यवाही में प्रति मिनट ढाई लाख रुपये खर्च होते हैं। एक दिन में नौ करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। जनता के पैसे का इस तरह आप नुकसान कर रहे हैं। आप संसद को बंधक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष ने इतने दिन पहले से लोस अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है, लेकिन इस विषय पर चर्चा कराने की जगह अब दूसरा विषय उठाया जा रहा है।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में चर्चा में शामिल विदेश मंत्री एस जयशंकर।

अपने नागरिकों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हित प्राथमिकता : जयशंकर

● कहा- संघर्ष क्षेत्र में फंसे 67,000 भारतीयों को वापस लाया जा चुका

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की जरूरत पर जोर देते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि उस क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तथा अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संसद के दोनों सदनों में पश्चिम एशिया संघर्ष पर दिए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार पश्चिम एशियाई क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के पक्ष में है। उन्होंने एक ईरानी जहाज को भारतीय बंदरगाह पर खड़ा करने की अनुमति देने को मानवीय आधार पर लिया गया सही निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस क्षेत्र के हालात पर नजर रख रही है और संघर्ष क्षेत्र में फंसे 67,000 भारतीय नागरिकों को पहले ही वापस लाया जा चुका है। जयशंकर ने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापार जैसे राष्ट्रीय हित सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा में दिए वक्तव्य में कहा, भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत और कूटनीति का मार्ग अपनाने का आग्रह करता है। दोनों सदनों में, जब जयशंकर वक्तव्य देने के लिए उठे तो विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की और मांग की कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर उनके वक्तव्य से पहले चर्चा होनी चाहिए।

लोस अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे सकते हैं शाह

नई दिल्ली। विपक्षी द्वारा लोकसभा अध्यक्ष बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को जवाब दे सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सदन में होने वाली चर्चा के दौरान अन्य वक्ताओं के अलावा सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू भी हिस्सा ले सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

पूर्व आईएएस अधिकारी की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने असम के पूर्व आबकारी सचिव और आईएएस अधिकारी इंद्रेश्वर कलिता के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों की तुलना में अधिक संपत्ति के मामले में धन शोधन की जांच के तहत पांच करोड़ रुपये से अधिक की अचल संपत्ति कुर्क की है। मामला मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ (सीएमएसवीसी) द्वारा कलिता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। ईडी ने एक बयान में कहा कि सीएमएसवीसी के आरोप पत्र में कहा गया है कि एक मार्च 2000 से 31 दिसंबर 2018 की जांच अवधि के दौरान, कलिता के पास कुल मिलाकर 5.64 करोड़ रुपये की संपत्ति थी, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों की तुलना में 131.12 प्रतिशत अधिक थी।

इटावा : शेरनी ने चार शावकों को दिया जन्म

इटावा। एशियाई शेरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्थापित लॉयन सफारी पार्क में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई, जब यहां शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया। चारों शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं, और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। तीसरी बार मां बनी शेरनी नीरजा ने पहले प्रसव में दो, दूसरी बार में तीन और अब चार शावकों को जन्म दिया है, इस तरह सफारी में अब उसके कुल नौ शावक पल रहे हैं। लॉयन सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पटेल ने बताया कि शेरनी नीरजा ने रविवार रात पहला शावक 8.25 बजे, दूसरा 9.07 बजे, तीसरा 9.43 बजे और चौथा शावक 9.59 बजे पर जन्मा।

मुजतबा खामेनेई नए सुप्रीम लीडर अमेरिका-इजराइल के हमले तेज

सऊदी ने ईरान को चेताया, हमले बंद करो नहीं तो देंगे करारा जवाब

दुबई, एजेंसी

ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मुजतबा खामेनेई को सोमवार को देश का अगला शासक नामित किया गया। देश की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने उनका चुनाव किया है। मुजतबा (56) के देश के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड से करीबी संबंध हैं। सुप्रीम लीडर चुने जाने से भड़के अमेरिका-इजराइल ने तेहरान पर हमले तेज कर दिए हैं।

रिवॉल्यूशनरी गार्ड युद्ध की शुरुआत के दौरान 28 फरवरी को अयातुल्ला अली खामेनेई (86) की मौत के बाद से इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले कर रहा है। मुजतबा को उनके पिता से भी ज्यादा कट्टर विचारों वाला माना जा रहा है। वह युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। ईरान के राजनीतिक जानकारों ने वंशानुगत तरीके से मुजतबा को सर्वोच्च नेता चुने जाने की आलोचना की है। इजराइल पहले ही कह चुका है कि मुजतबा उनके निशाने पर हैं जबकि ट्रंप ने उन्हें अस्वीकार्य बताया है। ईरान समर्थित लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला ने मुजतबा के समर्थन में बयान जारी किए।

वहीं, सऊदी अरब ने सोमवार को ईरान को आगाह किया कि अगर वह अरब देशों पर हमले करता रहा तो उसे अब तक का सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। सऊदी का यह बयान उस ड्रोन हमले के बाद आया, जिसमें जाहिर तौर पर उसके बड़े शायबा तेल क्षेत्र को निशाना बनाया गया।

तेहरान में मुजतबा खामेनेई के समर्थन में एकत्रित भीड़।

भारत ने बहरीन में अपने नागरिकों से सतर्क रहने का किया आग्रह

दुबई। भारत ने बहरीन में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए सोमवार को एक परामर्श जारी कर क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए सतर्क रहने, उचित सावधानी बरतने और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। बहरीन स्थित भारतीय दूतावास के परामर्श में कहा गया है कि बहरीन स्थित भारतीय दूतावास सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। फंसे भारतीय नागरिकों, विशेषकर पर्यटक या अल्पकालिक वीजा धारकों को प्राथमिकता दी जा रही है।

युद्ध जीतने के लिए ब्रिटेन की मदद की जरूरत नहीं, ट्रंप ने की आलोचना

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने मौजूदा हालात पर राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की। उधर, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, ब्रिटेन, जो कभी हमारा महान सहयोगी रहा है, अब पश्चिम एशिया में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है। कोई बात नहीं, प्रधानमंत्री स्टॉर्मर, हमें अब उनकी जरूरत नहीं है हम इसे याद रखेंगे। हमें ऐसे लोगों की जरूरत नहीं है जो युद्ध जीतने के बाद उसमें शामिल हों।

पुतिन ने मुजतबा को दी बधाई अटूट समर्थन देने की बात कही

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ईरान के नये सर्वोच्च नेता चुने गए अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को सोमवार को बधाई दी और तेहरान को मॉस्को के अटूट समर्थन और एकजुटता की पुष्टि की। कहा कि मुझे विश्वास है कि आप अपने पिता के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

कच्चे तेल में तेजी से शेयर बाजार में कोहराम, प्रमुख सूचकांक 3% तक टूटे

● 2494.35 अंक तक फिसलने के बाद सेंसेक्स 1,353 अंक की गिरावट पर बंद
● निफ्टी 752.65 तक टूटने के बाद 422 अंक की गिरावट पर हुआ बंद

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच कच्चे तेल के भाव में तेजी से सोमवार को भारतीय बाजार में कोहराम मच गया और शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक तीन प्रतिशत तक टूट गए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई और यह 1,352.74 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,566.16 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान, यह 2,494.35 अंक यानी 3.16 प्रतिशत का गोता लगाकर 76,424.55 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 422.40 अंक यानी 1.73 प्रतिशत टूटकर 24,028.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 752.65 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,697.80 अंक पर आ गया था। सेंसेक्स की सभी कंपनियां लाल निशान में हैं।

सबसे ज्यादा गिरावट वाली 10 कंपनियां क्रमशः इंडिगो, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक रहे। वहीं, इस अवधि में निवेशकों की कुल संपत्ति में लगभग 22.40 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 22,40,408.82 करोड़ रुपये की भारी गिरावट के साथ 4,41,10,262.45 करोड़ रुपये (4,780 अरब डॉलर) रह गया।

एमसीएक्स में क्रूड के भाव 26% ऊपर खुलकर 10,549 रुपये प्रति बैरल पहुंचे, देर शाम तक फिसले

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच सोमवार को वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें 26 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ 10,549 रुपये प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मार्च डिलिवरी वाला कच्चा तेल 2,186 रुपये यानी 26.13% बढ़कर 10,549 रुपये प्रति बैरल के अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में इसका बंद भाव 8,363 रुपये प्रति बैरल था। कच्चे तेल का अप्रैल डिलिवरी वाला अनुबंध भी 2,158 रुपये यानी 26.91% बढ़कर 10,177 रुपये प्रति बैरल के नए शिखर पर पहुंच गया। इससे पिछले सत्र में इसका भाव 8,019 रुपये प्रति बैरल था। वायदा कारोबार के दौरान दोनों आपूर्ति अनुबंध अपने-अपने ऊपरी सर्किट स्तर तक पहुंच गए। चॉइस ब्रोकिंग के जिंस एवं मुद्रा विश्लेषक आमिर मकडा ने कहा कि एमसीएक्स पर कच्चे तेल का मार्च अनुबंध पहले ही ऊपरी सर्किट स्तर को छू चुका है और आने वाले सत्रों में इसकी कीमतें 11,300 रुपये प्रति बैरल तक भी जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतें वर्ष 2022 के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं। डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल अप्रैल डिलिवरी के लिए 28.58 डॉलर यानी 31.44% बढ़कर 119.48 डॉलर प्रति बैरल हो गया। देरशाम भाव फिसल कर नीचे आ गए।

यौन हिंसा पीड़ितों के मामलों में संवेदनशीलता के नए दिशा-निर्देश जारी

● इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्रदेश सरकार ने जारी किया शासनादेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यौन हिंसा और दुष्कर्म के मामलों में गर्भवती लड़कियों व महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रदेश सरकार ने सोमवार को सभी चिकित्सा संस्थानों व प्रशासनिक अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब गर्भसमापन, मेडिकल जांच और पीड़ित सहायता के लिए मानक प्रक्रिया का पालन अनिवार्य होगा। यह आदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका संख्या-2751/2025 में 6 फरवरी 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में जारी किया गया है।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं और लड़कियों के मामलों में गर्भसमापन, चिकित्सा सहायता, जांच और परामर्श से संबंधित सभी प्रक्रियाओं में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पहले से जारी एसओपी और नए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। शासनादेश सभी चिकित्सा अधीक्षकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भेजा गया है। साथ ही पुलिस महानिदेशक, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने स्तर से इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं। पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

24 सप्ताह तक गर्भ समापन की व्यवस्था

दिशा-निर्देशों के अनुसार यौन हिंसा से गर्भवती हुई महिला या लड़की का गर्भसमापन एमटीपी अधिनियम के तहत 24 सप्ताह तक कराया जा सकता है। 20 सप्ताह तक के मामलों में जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज के स्त्री रोग विशेषज्ञ की निगरानी में प्रक्रिया पूरी की जाएगी और एफआईआर या पुलिस रिपोर्ट का इंतजार किए बिना उपचार में देरी नहीं की जाएगी। जांच से पहले लिखित सहमति अनिवार्य होगी। नाबालिग या मानसिक रूप से अक्षम पीड़िता के मामलों में अभिभावक की सहमति ली जाएगी। जांच के दौरान डीएनए साक्ष्य, नमूने और अन्य फॉरेंसिक साक्ष्य सुरक्षित तरीके से एकत्र कर 96 घंटे के भीतर जांच एजेंसी को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

शरद पवार, आठवले सहित 26 उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए

शरद पवार

आठवले

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शपा) प्रमुख शरद पवार और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले सहित 26 उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद, उच्च सदन की 11 सीटों के लिए चुनाव 16 मार्च को होंगे। बिहार में पांच, ओडिशा में चार और हरियाणा में दो सीटों के लिए चुनाव कराए जाएंगे। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए चुने जाने की संभावना है। दस राज्यों में 37 सीटों के लिए 40 उम्मीदवारों ने अपना पर्चा दाखिल किया था।

पेपर लीक करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 को निष्पक्ष व पारदर्शी कराने के लिए तैयार है। भर्ती बोर्ड ने परीक्षा में नकल कराने, पेपर लीक, पेपर की खरीद-फरोख्त, साल्वर गिरोह व अन्य संदिग्ध गतिविधियों की सूचना के लिए व्हाट्सएप नंबर व ईमेल आईडी जारी किया है। जिस पर सूचना दी जा सकती है। सूचना देने वालों के नाम व पते गोपनीय रखे जाएंगे। भर्ती बोर्ड के अधिकारी के मुताबिक ईमेल- satarkta.policeboard@gmail.com और व्हाट्सएप नंबर- 9454457951 पर सूचना दी जा सकती है।

सिसेंडी में डबल मर्डर: मां व नेत्रहीन बेटे की हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : मोहनलालगंज क्षेत्र के सिसेंडी में देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मां-बेटे की हत्या से पूरे इलाके में दहशत और सनसनी फैल गई है। रेशमा (46) का शव कमरे में पड़ा मिला। तो वहीं शादाब (18) का शव पानी के टब में मिला। परिजनों के अनुसार रेशमा के पति इकबाल की कोविड काल में मौत हो गई थी, जिसके बाद से मां-बेटा ही घर में रह रहे थे। एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय के मुताबिक शुरूआती जांच में सामने आया कि दोनों की हत्या किसी रस्सी से गला कसकर की गई थी।

– संबंधित खबर पेज 3 पर पढ़े

केजरीवाल, सिसोदिया को शराब नीति मामले में हाईकोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को अधीनस्थ अदालत द्वारा आरोप मुक्त किये जाने के विरूद्ध सीबीआई की याचिका पर आरोपियों से उनका पक्ष बताने को कहा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 16 मार्च तय की। हाईकोर्ट ने कहा कि वह निचली कोर्ट को ईडी द्वारा धनशोधन मामले की जांच पर कार्यवाही को बाद की तारीख तक स्थगित करने का आदेश देगी। हाईकोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि वह सीबीआई पर अधीनस्थ कोर्ट द्वारा की गई पूर्वग्रहपूर्ण टिप्पणियों के अमल पर रोक लगाएगी।

जनता दर्शन | उद्यमियों की भी आने लगी शिकायतें, जिला प्रशासन को समयबद्ध शिकायतों के निस्तारण का निर्देश

निवेश और उद्योग विकास में देरी और लापरवाही अक्षम्य : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान दो उद्यमियों ने मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि निवेश और उद्योग विकास से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों के प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) और जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर इकोसिस्टम तैयार किया गया है। सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं, इसलिए उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री स्वयं पीड़ितों के पास जाकर उनका प्रार्थना पत्र लेते रहे और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से कहा कि निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जिलों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

अवैध कब्जे के खिलाफ दिए सख्त निर्देश

कासगंज से आए एक पीड़ित ने पुलिस से जुड़ी शिकायत मुख्यमंत्री के सामने रखी और कार्रवाई में देरी की बात कही। इस पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षक को तत्काल संज्ञान लेकर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एक अन्य प्रकरण पारिवारिक विवाद से जुड़ा था, जबकि अवैध कब्जे की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे मामलों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पीड़ित को भरोसा दिलाया कि नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी। जनता दर्शन में कुछ अभिभावक अपने बच्चों के साथ भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में बातचीत की। एक बच्चे से मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ने की आदत डालो और सोशल मीडिया का प्रयोग केवल आवश्यकता के अनुसार ही करो। उन्होंने मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने की सलाह भी दी।

न्यूज ब्रीफ

प्रेरणा कैंटीन से जुड़कर 10 हजार से अधिक महिलाएं बनीं लखपति

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में शुरू की गई प्रेरणा कैंटीन योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से संचालित इस पहल के माध्यम से अब तक 10 हजार से अधिक महिलाएं लखपति बन चुकी हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित इन कैंटीनों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का सशक्त माध्यम प्रदान किया है। प्रदेश में वर्तमान में 2100 से अधिक प्रेरणा कैंटीन संचालित हो रही हैं। इनका संचालन स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं कर रही हैं, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ स्थायी आय का स्रोत मिला है। इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक भागीदारी में भी वृद्धि हुई है। प्रेरणा कैंटीन का संचालन जिलाधिकारी कार्यालय, मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय और विकासखंड कार्यालयों के साथ-साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में किया जा रहा है। इन कैंटीनों में सरकारी कर्मचारियों, मरीजों और उनके परिजनों को स्वच्छ और किफायती भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इससे लोगों को बेहतर सुविधा मिल रही है और महिलाओं की आय भी निरंतर बढ़ रही है।

बीसी सखी कार्यक्रम में यूपी देश में अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित बीसी सखी (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी) कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं तेजी से पहुंच रही हैं। इस पहल के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ग्रामीणों को गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यक्रम के संचालन में उत्तर प्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षित कर बीसी सखी बनाया गया है। वर्तमान में प्रदेश में करीब 40 हजार बीसी सखियां सक्रिय हैं, जो गांवों में लोगों को नकद जमा-निकासी, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) से लेन-देन, बैलेंस जांच और सरकारी योजनाओं में नामांकन जैसी सेवाएं दे रही हैं। मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन दीपा रंजन ने बताया कि बीसी सखियों के माध्यम से 40 हजार सखियों में अब तक 43,144 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय लेन-देन हो चुका है।

महिलाओं के साहस और संघर्ष को सलाम

अमृत विचार, लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किसान ट्रस्ट की ओर से 'अपराजिता सम्मान समारोह 2026' में ट्रस्टी चारू चौधरी ने कहा कि यह समारोह उन महिलाओं के साहस और संघर्ष को सम्मान देने का प्रयास है जो चुनौतियों के बावजूद समाज में नई राह बना रही हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के साहस, संघर्ष और उपलब्धियों को सम्मानित करना तथा महिला सशक्तिकरण पर सार्थक संवाद को आगे बढ़ाना रहा। रालोद संस्थापक चौधरी चरण सिंह द्वारा स्थापित किसान ट्रस्ट की ट्रस्टी एवं कार्यक्रम आयोजक, दिल्ली में आयोजित अपराजिता सम्मान समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि बोल रही थी, समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत रत्न चौधरी चरण सिंह द्वारा स्थापित किसान ट्रस्ट समाज के विभिन्न वर्गों, खासकर एसिड अटैक सर्वाइवर महिलाओं को सहयोग देकर प्रेरणादायक कार्य कर रहा है। इस अवसर पर "रोजगार के माध्यम से सशक्तिकरण" विषय पर पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें एना रॉय, कांता सिंह, शिंजिनी कुमार और वरिष्ठ पत्रकार सलमा सुल्तान ने विचार साझा किए।

विश्वविद्यालयों-महाविद्यालयों ने अधिक शुल्क लिया तो होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय के तेवर दिखे सख्त

अमृत विचार : परीक्षा शुल्क केवल शासनादेश में निर्धारित दरों के अनुसार ही लिया जाए। यदि किसी विश्वविद्यालय या संबद्ध कॉलेज की ओर से तय शुल्क से अधिक राशि वसूली जाती है तो उसका ऑडिट कराकर कार्रवाई की जाएगी। ये निर्देश सोमवार को राज्य विश्वविद्यालयों को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने दिए।

मंत्री उपाध्याय ने सोमवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने विश्वविद्यालयों की शुल्क संरचना, परीक्षा शुल्क और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा शासनादेश के विपरीत फीस लेने की शिकायतों पर भी विचार किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा को सुलभ, सस्ता और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। फीस में अनावश्यक बढ़ोतरी से गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, इसलिए विश्वविद्यालयों को छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लेने चाहिए।

उच्च शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालयों को शासनादेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने संसाधनों को मजबूत करने, नए पाठ्यक्रम शुरू करने और वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने के प्रयास भी करने चाहिए, ताकि संस्थान आत्मनिर्भर बन सकें।बैठक में विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति, परीक्षा संचालन से जुड़ी चुनौतियों और संभावित समाधान पर भी चर्चा हुई। इस दौरान विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी, अवनीश कुमार सिंह, प्रमुख सचिव एम.पी. अग्रवाल, सचिव अमृत त्रिपाठी और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्धारित परीक्षा शुल्क

- राज्य विश्वविद्यालयों में परीक्षा शुल्क की समानता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रति सेमेस्टर फीस निर्धारित की गई है। बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीसीए, बीएड, बीपीएड, बीजेएमसी, बीएफए और बीवोक पाठ्यक्रमों के लिए 800 रुपये, एलएलबी, बीएससी एग्रीकल्चर (ऑनर्स), बीटेक और बायोटेक जैसे पाठ्यक्रमों के लिए 1000 रुपये तथा बीडीएस, नर्सिंग, बीएएमएस और बीयूएमएस पाठ्यक्रमों के लिए 1500 रुपये प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क तय किया गया है।

योगेंद्र उपाध्याय।

शिकायतों के समाधान के लिए बिजली उपभोक्ताओं को भटकना न पड़ें

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने कहा कि आमजन को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जनमानस की प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। ऊर्जा मंत्री, सोमवार को लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर जनसुनवाई के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान बिजली कनेक्शन, बिजली बिल संशोधन, सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, जल निकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई मामले सामने आए। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ऊर्जा और नगर विकास विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

केजीबीवी वार्डनों का विशेष प्रशिक्षण शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए सुरक्षित और प्रेरक आवासीय वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वार्डनों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू हो गया। यह प्रशिक्षण प्रतापगढ़, गाजियाबाद और अयोध्या में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन और भारत सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में शिक्षा मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी रामनिवास ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

गांवों के 20 लाख घरों को मिलेगा ब्रॉडबैंड

'प्रोजेक्ट गंगा' के तहत स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन और हिंदुजा ग्रुप की कंपनी के बीच एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर, 10 हजार डिजिटल उद्यमी

अमृत विचार: 'प्रोजेक्ट गंगा' के तहत गांवों में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन (एसटीसी) और हिंदुजा ग्रुप की सहायक कंपनी वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के बीच सोमवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि तीन वर्षों में गांवों में 20 लाख से अधिक घरों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य है, जिससे करीब एक करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख से अधिक रोजगार के साथ 10 हजार डिजिटल उद्यमी भी बनेंगे।

एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि यह एमओयू प्रदेश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि 'प्रोजेक्ट गंगा' (गवर्नमेंट असिस्टेड नेटवर्क फॉर ग्रोथ एंड एडवांसमेंट) के तहत गांवों तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड पहुंचाने का लक्ष्य है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं, शिक्षा-स्वास्थ्य और ऑनलाइन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के तहत न्याय पंचायत स्तर पर 8 से 10 हजार स्थानीय युवाओं को डिजिटल सेवा प्रदाता के रूप में विकसित किया जाएगा। इन युवाओं को प्रशिक्षण देकर गांवों में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार के साथ डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी जाएगी। लगभग 50 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए सुनिश्चित करने की योजना है।

कार्यक्रम में श्रम विभाग के प्रमुख सचिव शन्मुगा सुंदरम, एसटीसी के एसीईओ अक्षत वर्मा, हिंदुजा ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. एसके चड्ढा सहित परियोजना से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से विकास की दिशा

- स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल हाईवे का महत्व कई मामलों में भौतिक एक्सप्रेसवे से भी अधिक हो गया है, क्योंकि यही विकास की नई दिशा तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल डिजिटल डिवाइड और संभावित एआई डिवाइड को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को स्मृति चिह्न देते अधिकारी। अमृत विचार

ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाएं और रोजगार: फर्नांडीज

- हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस लिमिटेड के डायरेक्टर विंसले फर्नांडीज ने कहा कि इस परियोजना के तहत प्रदेश में लगभग एक लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। वहीं वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य दूर-दराज के अंडर-सर्व्ड और अनसर्व्ड क्षेत्रों तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो सके और स्थानीय युवाओं को नए अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध होने से टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्किलिंग, ई-कॉमर्स और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। इससे ग्रामीण युवाओं को यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आय अर्जित करने के अवसर भी मिलेंगे।

डेटा इकॉनमी की नई राजधानी बन रहा प्रदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार की डेटा सेंटर पॉलिसी से डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती

अमृत विचार: प्रदेश तेजी से देश की उभरती डेटा इकॉनमी का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। योगी सरकार की डेटा सेंटर नीति और नई पहल के कारण प्रदेश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार हो रहा है।

फरवरी 2026 में विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सरकार ने राज्य में बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने और स्टेट डेटा सेंटर अथॉरिटी के गठन की घोषणा की। इसका उद्देश्य डेटा सेंटर उद्योग को संस्थागत ढांचा देना और निवेश प्रक्रिया को तेज करना है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2030 तक उत्तर प्रदेश में 5 गीगावाट क्षमता वाले 4 से 5 बड़े डेटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इससे राज्य को डेटा स्टोरेज और क्लाउड सेवाओं के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मजबूती मिलेगी। तेजी से बढ़ते डिजिटल उपयोग, क्लाउड सेवाओं की मांग और डेटा लोकलाइजेशन की नीतियों के कारण डेटा सेंटर उद्योग का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

सरकार की योजना के अनुसार करीब 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश से 8 डेटा सेंटर पार्क विकसित किए जाएंगे, जिनकी कुल क्षमता लगभग 900 मेगावाट होगी। इनमें से कई परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ चुका है। राज्य सरकार की ओर से अब तक 8 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जा चुका है, जिनमें 6 डेटा सेंटर पार्क और 2 डेटा सेंटर इकाइयां शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में 21,342 करोड़ रुपये के निवेश और 644 मेगावाट क्षमता सुनिश्चित हो चुकी है।

डेटा सेंटर सेक्टर में यूपी की बढ़ती ताकत

- वर्ष 2030 तक 5 गीगावाट क्षमता के 4–5 डेटा सेंटर क्लस्टर का लक्ष्य
- लगभग 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश से 8 डेटा सेंटर पार्क प्रस्तावित
- कुल क्षमता करीब 900 मेगावाट
- 8 परियोजनाओं को जारी हुआ लेटर ऑफ कम्फर्ट
- 21,342 करोड़ रुपये निवेश और 644 मेगावाट क्षमता सुनिश्चित
- आईटी, क्लाउड और डिजिटल सेवाओं में रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

प्रदेश को फरवरी में मिला 18,412 करोड़ राजस्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मुख्य कर व करेत्तर मदों से फरवरी 2026 में 18,412.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह फरवरी 2025 के मुकाबले 415.18 करोड़ रुपये अधिक है। यह जानकारी वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को दी।

वित्त मंत्री ने बताया कि फरवरी 2025 में इन मदों से 17,997.07 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था, जबकि इस वर्ष फरवरी में यह बढ़कर 18,412.25 करोड़ रुपये हो गया। वहीं चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में फरवरी तक कर राजस्व के रूप में कुल 1,96,653.27 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 73.2 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि जीएसटी के तहत फरवरी 2026 में 7,202.36 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जबकि फरवरी 2025 में यह 6,847.67 करोड़ रुपये था। वैट से फरवरी 2026 में 2,525.87 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जो पिछले वर्ष फरवरी में 2,530.76 करोड़ रुपये थे। इसी तरह आबकारी मद में फरवरी 2026 में 4,503.68 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि फरवरी 2025 में यह 4,928.72 करोड़ रुपये था। मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि स्टांप एवं निबंधन मद से फरवरी 2026 में 2,731.95 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष फरवरी के 2,305.25 करोड़ रुपये से अधिक है। परिवहन मद से फरवरी 2026 में 1,076.38 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जबकि फरवरी 2025 में यह 923.40 करोड़ रुपये था। करेत्तर राजस्व की प्रमुख मद भू-तत्व व खनन से फरवरी 2026 में 372.01 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

चार मेडिकल कॉलेजों को मिले 42.55 करोड़

- **अमृत विचार,लखनऊ :** राज्य सरकार ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज समेत चार मेडिकल कॉलेजों को 42 .55 करोड़ का बजट जारी किया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव आनन्द कुमार त्रिपाठी के आदेश के मुताबिक गोरखपुर मेडिकल कॉलेज एवं संबद्य चिकित्सालय को 26 करोड़ 64 लाख, कानपुर में लालालाजपत राय मेडिकल कॉलेज व गणेश शंकर विद्यार्थी चिकित्सालय को 9 करोड़ 53 लाख, बदायूं मेउकल कॉलेज के लिए 3 .81 करोड़ और सहारनपुर मेडिकल कॉलेज के लिए 2 .57 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य कुलदीप यादव के पिता रामसिंह यादव ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री शिवेन्द्र विक्रम शाही के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की।

दिव्यांगजन व पिछड़ा वर्ग के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण के विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

अमृत विचार : राज्य सरकार दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। यह बात पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने सोमवार को सचिवालय स्थित कार्यालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में कही।

मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तर पर नियमित समीक्षा कर योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए।

राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप

बैठक में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ और जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट में रिक्त शिक्षकीय पदों को शीघ्र भरने और निर्माणाधीन परियोजनाएं तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) योजना के तहत अब तक 11,98,725 दिव्यांगजन लाभान्वित हुए हैं। कुष्ठावस्था पेंशन योजना से 13,395 लोगों को लाभ मिला है। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के तहत 22,672 दिव्यांगजनों को 26,830 कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। इसके अलावा उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा की सुविधा भी दी जा रही है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि शादी अनुदान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 232 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक 94,040 लाभार्थियों को 188.08 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत कुल 25,98,344 छात्रों को 1,586.59 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है।

वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 34,892 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन के लिए सक्षम बनाना है। शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में सरकार निरंतर प्रयास कर रही

आहार -2026

दिल्ली के भारत मंडपम में कई देशों के क्रेता-विक्रेता पहुंचेंगे

अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में सजेंगे यूपी के खाद्य पदार्थ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- स्टॉलों पर लगेंगे लखनऊ के ऑर्गेनिक पदार्थ, उन्नाव के निर्जलित फल

अमृत विचार : 10 मार्च से 14 मार्च तक भारत मंडपम, प्रगति मैदान नई दिल्ली में आयोजित ''आहार 2026'' उत्तर प्रदेश के कृषि निर्यात को प्रोत्साहन एवं अंतराष्ट्रीय बाजार देगा। इस अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) व निर्यातकों द्वारा जिलों के प्रमुख उत्पाद एवं जीआई टैग आधारित खाद्य पदार्थ कई देशों के सामने प्रदर्शित कर ऑर्डर लिए जाएंगे।

स्टॉलों पर लखनऊ के ऑर्गेनिक पदार्थ, कालानमक, चावल, सोना मोती आटा, बंसी आटा, कोल्ड प्रेस्ड सरसों का तेल, मोरिंगा पाउडर, हल्दी पाउडर प्रदर्शित करके जीआई से पहचान, खासियत और फायदे आदि बताएंगे।

इसी तरह उन्नाव के निर्जलित फल, यानी सूखे फल, सब्जी, फूल, मसाला, मशरूम व जड़ी-बूटी, आगरा का प्राकृतिक शहद, अलीगढ़ से आलू का फ्लेवर पाउडर, प्रतापगढ़ का आवला, मुरब्बा और आंवला कैंडी प्रदर्शित की जाएगी। मेरठ की गुड़, गुड़ पाउडर, चावल, सरसों का तेल तो बुलंदशहर से बेबी गाजर, बेबी कट गाजर, जमी कटी हुई गाजर, सेम की फली, कटे आलू, हरी मटर, मीठा मक्का, फूलगोभी की तरह दिखने वाली रंग-बिरंगी ब्रोकली भी स्टॉलों पर सजेगी। इसी तरह नोएडा से ताजा उत्पाद, छोटी मक्का, मिर्च, लौकी, भिंडी, मिक्स सब्जियां व आम, पपीता के डाइस आदि प्रदर्शित किए जाएंगे। खाद्य पदार्थों की मार्केटिंग (विपणन) से क्रेता-विक्रेता का सीधे आपस में संपर्क बनेगा।

कृषि विदेश व्यापार निदेशालय को आठ स्टॉल आवंटित

- प्रदर्शनी के लिए कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय को ट्रेड-एक्सपो द्वारा पवेलियन में आठ स्टॉल आवंटित किए गए हैं। जहां, खाद्य पदार्थ प्रदर्शित किए जाएंगे। उद्घाटन के दौरान उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह उपस्थित रहेंगे। आयोजन से कृषि निर्यात क्षमता बढ़ाने को प्रोत्साहन मिलेगा। सोमवार देर शाम तक लखनऊ से गए अफसरों ने टीम के साथ तैयारी पूर्ण की।

10 लाख के ऋण से खड़ा किया डिजिटल लॉक का व्यवसाय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महिला उद्यमी के लिए आपदा में अवसर बनीं ओडीओपी
- कोविड काल में शुरू हुआ स्टार्टअप 20 से अधिक को रोजगार

अमृत विचार: प्रदेश सरकार की उद्योग प्रोत्साहन नीतियों और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना ने कई उद्यमियों के लिए नए अवसर खोले हैं। अलीगढ़ की महिला उद्यमी नीलम सिंह इसकी एक प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं। उन्होंने कोविड महामारी जैसे कठिन दौर में डिजिटल लॉक निर्माण की यूनिट स्थापित कर न केवल अपना व्यवसाय खड़ा किया, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित किए।

ताला नगरी के नाम से प्रसिद्ध अलीगढ़ में नीलम सिंह ने वर्ष 2019 में अपने सॉफ्टवेयर इंजीनियर पति के साथ मिलकर "ओव्लॉक्स इंडिया" नाम से डिजिटल लॉक बनाने का स्टार्टअप शुरू किया। उस समय देश कोविड महामारी की चुनौती से जूझ रहा था और आर्थिक गतिविधियां काफी प्रभावित थीं। ऐसे मुश्किल दौर में नीलम ने पारंपरिक ताला उद्योग को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का निर्णय लिया। हालांकि शुरुआत आसान नहीं थी। आर्थिक संसाधनों की कमी सबसे बड़ी चुनौती थी। इसी दौरान ओडीओपी योजना के तहत उद्योग विभाग के माध्यम से उन्हें बैंक ऑफ बड़ौदा से 10 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिसमें लगभग ढाई लाख रुपये की सब्सिडी भी शामिल थी। इस आर्थिक सहयोग ने उनके स्टार्टअप को मजबूत आधार प्रदान किया और धीरे-धीरे उनका कारोबार आगे बढ़ने लगा। आज नीलम सिंह का यह व्यवसाय 10 करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। ओडीओपी योजना से मिली नई उड़ान ओव्लॉक्स इंडिया के नाम से शुरू की डिजिटल लॉक यूनिट आज 20–25 लोगों को मिला रोजगार कारोबार 10 करोड़ रुपये के पार, उत्पाद देश-विदेश तक पहुंच रहे हैं।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी के आशीर्वाद से अभिसिचिंत एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

मां का शव निर्वस्त्र, बेटे का टब में पड़ा मिला

सिसेंडी गांव के प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच कर जुटाए साक्ष्य

संवाददाता, मोहनलालगंज

अमृत विचार: मोहनलालगंज के सिसेंडी में मां और बेटे की गला घोटकर हत्या कर दी गई। कमरे में मां का शव निर्वस्त्र और नेत्रहीन बेटे का शव पानी के टब में औंधे मुंह पड़ा था। ग्राम प्रधान की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच कर साक्ष्य जुटाए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कई बिंदुओं पर हत्या की जांच कर रही है।

सिसेंडी के एकबाल अहमद की कोविड कॉल में मौत हो गई थी। उन्होंने पहली पत्नी आसिया की मौत के बाद रेशमा से दूसरी शादी की थी। विधवा रेशमा (46) नेत्रहीन बेटे शादाब (18) के साथ सिसेंड वाले घर में रह रही थी। सोमवार देर शाम तक घर में उजाला न होने पर ग्रामीणों को संदेह हुआ। उन्होंने दरवाजे पर दस्तक दी, लेकिन जवाब नहीं मिला। दरवाजा खोलकर ग्रामीण अंदर गए। घर में रेशमा का नग्न शव पड़ा था, शादाब का शव पानी के टब में पड़ा था।

सूचना मिलने पर शादाब की बहन और बहनोई सिसेंडी पहुंचे। बहनोई ने बताया कि सोमवार शाम शादाब से उनकी बातचीत हो रही थी। तब शादाब ने बताया कि अम्मी मसाला लेने गई हैं। बातचीत करते उसने घबराकर कहा था कि किसी ने दरवाजे पर लात मारी है। इतना कहने के बाद फोन कट गया। अनहोनी की आशंका पर बहनोई ने पड़ोसी को फोन कर घर जाकर देखने को कहा। पड़ोसी जब मौके पर पहुंचे तो घर के अंदर का मंजर देखकर उनके होश उड़ गए। शव निर्वस्त्र मिलने पर दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका भी जताई गई। पुलिस इस बारे में कुछ भी बोलने से किनारा करती रही। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह साफ होगी।

एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय के मुताबिक देर रात करीब 10 बजे पुलिस को सूचना मिली। मौके पर पहुंची टीम ने जांच शुरू किया। शुरूआती जांच में सामने आया कि दोनों की हत्या किसी रस्सी से गला कसकर की गई थी। मौके पर फोरेंसिक टीम बुलाया गया है। साक्ष्य जुटाये जा रहे हैं। ग्रामीणों से परिवार के बारे में जानकारी ली जा रही है। हत्या के कारण व हत्यारों के बारे में पता लगाया जा रहा है। सुरक्षा को देखते हुए मौके पर मोहनलालगंज सर्किल के सभी थानों की टीमों को बुला लिया गया है।

सिसेंडी में शव मिलने के बाद घर में जांच करते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

जमीन का विवाद भी चल रहा था

- ग्रामीणों के अनुसार सिसेंडी में मिनी सचिवालय है। उसी के पास रेशमा की करीब 3000 वर्गफीट जमीन है। जिसे हासिल करने के लिए गांव का ही इमरान नाम का व्यक्ति काफी दिनों से लगा है। इसी को लेकर रेशमा और इमरान में काफी दिनों से विवाद चल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार मां–बेटे की हत्या की सूचना पर पूरा गांव वहां पहुंचा। पर, इमरान नहीं दिखा। ग्रामीणों ने पुलिस को इस बिंदु पर भी जांच करने की मांग की है। पुलिस के अनुसार हर पहलु की जांच की जा रही है।

रोते बिलखते मृतक के परिजन व रिश्तेदार।

किशोर ने लाठी से पीटकर कर दी पिता की हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के खुजहेटा गांव में सोमवार सुबह हुई सनसनीखेज वारदात
- खाना बनाने, रिश्तेदार के घर ले जाने और जमीन का विवाद बताया जा रहा कारण

अमृत विचार: मोहनलालगंज के खुजहेटा गांव में सोमवार सुबह कहासुनी के बाद किशोर ने लाठी से पीट-पीटकर पिता रामकरन (45) की हत्या कर दी। घर के आंगन में खून से लथपथ रामकरन का शव देख ग्रामीण भी सकते में आ गये। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, आरोपी की तलाश में तीन टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

खुजहेटा निवासी किसान रामकरन (45) के परिवार में पत्नी सावित्री व दो बेटे हैं। सोमवार सुबह 11 बजे बड़ा बेटा (नाबालिग) भैंस चराकर घर लौटा। इसके बाद उसकी पिता से रिश्तेदारी में जाने की बात पर कहासुनी होने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गुस्से में आकर बेटे ने पास में पड़ी लाठी से रामकरन सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। रामकरन खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिजन दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर किशोर भाग गया। ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की। ग्रामीणों के मुताबिक नशे का आदी रामकरन अक्सर घर में विवाद करता था। एडीसीपी दक्षिणी बसंत कुमार ने बताया कि आरोपी किशोर की उम्र साढ़े 17 वर्ष बताई जा रही है। उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर तीन टीम दबिश दे रही हैं।

मायके में रह रही पत्नी

- छोटे बेटे ने बताया कि होली से पहले पिता का मां सावित्री से विवाद हुआ था। पिता ने मां का गला दबा दिया था। इसके बाद मामा मां को अपने साथ कल्ली पश्चिम अपने घर ले गए थे। बड़ा भाई ईंट भट्टे पर मजदूरी करता है। छोटे बेटे ने बताया कि होली के दौरान पिता नानी के घर गए थे, जहां विवाद के बाद उनकी पिटाई हुई थी। इसके बाद से वह घर लौटे तो अक्सर बच्चों से झगड़ा करते थे। वह न तो उन्हें खाना बनाने देते थे और न ही खाने देते थे। बड़ा भाई बाहर से खाना खाकर आता था और उसके लिए भी लाता था। अगर घर में कोई खाना बनाने की कोशिश करता था तो पिता विवाद करने लगते थे।

पति के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता निगोहां

- निगोहां के शेखन खेड़ा गांव में कुल्हाड़ी से हमला कर की थी पत्नी की हत्या
- बेटे की तहरीर पर पुलिस ने की कार्रवाई

अमृत विचार: निगोहां के शेखन खेड़ा गांव में महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने पति के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश के लिए तीन टीमें गठित की हैं। टीमें 24 घंटे से दबिश दे रही है।

रविवार रात घरेलू विवाद के दौरान राजेश रावत ने पत्नी राजेश्वरी (46 पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की थी। सोमवार को बेटे गुलशन ने पुलिस को बताया कि उसके पिता राजेश शराब पीने के आदी थे। अक्सर नशे में घर में झगड़ा करते थे। इसी वजह से उसकी मां ने करीब दो साल पहले पैतृक जमीन बिकवाकर शेखन खेड़ा में घर बनवाया था, लेकिन यहां आने के बाद भी पिता की आदत नहीं बदली। गुलशन ने बताया कि रविवार दोपहर भी पिता ने शराब के नशे में मां से झगड़ा किया था। बाद में वह कहीं चले गए थे और शाम को घर लौटे। उसी दौरान वह और उसके चारों भाई पड़ोस में बलराम के बेटे के समारोह में चले गए थे। इसी बीच घर में विवाद हुआ और पिता ने कुल्हाड़ी से हमला कर मां की हत्या कर दी।

एसओ निगोहां अनुज तिवारी ने बताया की आरोपी मोबाइल फोन नही रखता है। पुलिस की गठित टीमों आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी है। पड़ोस के गांव आंकता खेड़ा में रहने वाली आरोपी की बहन सरिता और बहनोई रामलखन से भी पूछताछ की जा रही है। बेटे गुलशन ने पुलिस को बताया कि पिता अपनी बहन की बात ज्यादा मानते थे और उन्हीं पर अधिक खर्च भी करते थे।

न्यूज ब्रीफ

प्राचीन शिव मंदिर से लाखों का सामान चोरी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा के हरौनी में रविवार रात चोरों ने प्राचीन शिव मंदिर के अंदर टंगा पीतल का एक घंटा और सात – आठ घंटियां चोरी कर ली। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों का सुराग लगा रही है। बंथरा के हरौनी निवासी जितेंद्र गुप्ता के मुताबिक उनके घर के सामने पूर्वजों द्वारा स्थापित प्राचीन शिव मंदिर है। जितेंद्र के मुताबिक मंदिर के अंदर पीतल के कई घंटे और घंटियां टंगी हैं। जिसमें से रविवार रात अज्ञात चोरों ने पीतल का एक बड़ा घंटा और सात – आठ घंटियां चोरी कर ली। सोमवार सुबह जानकारी होने पर जितेंद्र ने इसकी सूचना बंथरा पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस जितेंद्र की तहरीर पर सीसीटीवी फुटेज के सहारे चोरों का सुराग लगा रही है।

फंदे से लटका मिला किसान का शव

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा के भदोई गांव में रहने वाले जोगेंद्र रावत (45) अपनी पत्नी सुदेवी, बेटी पूनम (24), सौम्या (13) और बेटे आदित्य (15) के साथ रहकर खेती किसानी करते थे।जोगेंद्र की बड़ी बेटी रूबी की शादी हो चुकी है। रविवार रात घर के सभी लोग खाना खाकर घर के अंदर, जबकि जोगेंद्र रोज कीतरह घर के अगले वाले कमरे में सो गए। जिस कमरे में जोगेंद्र सोए थे, उस कमरे के दरवाजे में पल्ले नहीं लगे हैं। रात करीब 12 बजे बेटी पूनम की आंख खुली तो जोगेंद्र कमरे के अंदर पंखे से मफलर के सहारे लटके नजर आए। यह देखकर पूनम ने परिजनों को बताया और पूरे परिवार में चीख पुकार मच गई।आनन फानन इसकी सूचना ग्राम प्रधान कार्मेंद्र मौर्य को दी गई। बाद में ग्राम प्रधान ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने शव को नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जांच में पता चला है कि मृतक शराब पीने का आदी था।

हादसे में घायल भाजपा नेता के बेटे की मौत

अमृत विचार, मोहनलालगंज : मीनापुर गांव निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार शुक्ला के इकलौते बेटे मुकेश (25) की आठ माह पहले ही शादी हुई थी। 4 मार्च को होली के दिन मुकेश बाइक से ससुराल होली खेलने जा रहा था। जैसे ही वह हरकंशगढ़ी के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार अपाचे बाइक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल मुकेश को परिजन केजीएमयू में भर्ती कराया था। जहां सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद मुकेश का शव घर पहुंचा। पत्नी, मां और बहनों का रो–रोकर बुरा हाल था। क्षेत्रीय विधायक अमरेश कुमार रावत समेत कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग भाजपा नेता राजकुमार शुक्ला के घर पहुंचे और मृतक मुकेश को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। पिता ने बेटे का शव का देर शाम अन्तिम संस्कार किया।

मृत व्यक्ति ने कटवा डाले फलदार पेड़!

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वन विभाग के दरोगा ने अभिलेखों में दर्ज नाम के आधार पर कर दी कार्रवाई
- माल थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस सभी बिंदुओं पर पूछताछ कर रही जांच

अमृत विचार: माल इलाके में फलदार व काष्ठपरक पेड़ों की बिना अनुमति कटान में वन विभाग ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसे कटान का आरोपी बनाया है। उसकी दो वर्ष पहले मौत हो चुकी है। मामला सामने आने के बाद वन विभाग के कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस के मुताबिक हर बिंदु पर जांच की जा रही है।

वन दारोगा दिलीप सिंह चौहान ने सोमवार को माल थाने में तहरीर दी। जिसमें बताया कि क्षेत्र में भ्रमण के दौरान जानकारी मिली कि मंझी गांव के मजरा रशीद खेड़ा निवासी मुन्नीलाल ने बिना अनुमति के अपने खेत में खड़े 18 आम के फलदार पेड़ और तीन गूलर के काष्ठपरक वृक्ष बेच दिए थे। आरोप है कि अटरिया निवासी राजा ने इन पेड़ों को कटवाकर उनकी लकड़ी भी बेच दी। जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पेड़ों की लकड़ी भी वहां से गायब मिली। वन दारोगा की तहरीर पर पुलिस ने मुन्नीलाल को पेड़ बेचने और राजा को पेड़ कटवाने का आरोपी बनाते हुए रिपोर्ट दर्ज कर लिया। इंस्पेक्टर मामल नवाब अहमद के मुताबिक वन विभाग की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। हालांकि जांच के दौरान सामने आया कि मामले में मुख्य आरोपी बनाए गए मुन्नीलाल की दो वर्ष पहले ही मृत्यु हो चुकी है। इस पर जब वन दारोगा दिलीप सिंह चौहान से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि राजस्व अभिलेखों में जमीन और पेड़ों का नाम अभी भी मुन्नीलाल के नाम दर्ज है, इसलिए रिपोर्ट भी उसी के नाम पर दर्ज कराया गया है। इंस्पेक्टर माल ने बताया कि वन विभाग ने जो तहरीर दी है वह राजस्व अभिलेखों के आधार पर है। यदि आरोपी की मृत्यु हो गई है तो जांच के दौरान यह स्पष्ट किया जाएगा।

फलपट्टी में बागों के बीच हो रही प्लाटिंग

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : संरक्षित घोषित फलपट्टी में आम के बागों के बीच में प्लाटिंग की जा रही है। अस्ती रोड पर भीखापुरवा, गुमानीपुरवा, बरगदी मगठ, मामपुर बाना, मदारीपुर, राजापुर इंदौरा, शाढ़ामऊ, नन्दना, इटौंजा व महोना समेत आउटर रिंग रोड के दोनों ओर कई जगह बागों में प्लाटिंग की जा रही है। कोटवा, झलऊवा, गोहना, चंदाकोडर, अकोहरी, सरैया, दिगोई, देवरी रुखारा, मिश्रीपुर, सोनवा, बीकामऊ कला व खुर्द, कठवारा, हरधौरपुर, पर्वतपुर, के आसपास भी आवासीय गतिविधियां चल रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय अधिकारियों की मदद से पूरा खेल चल रहा है। फलपट्टी क्षेत्र की रक्षा की जिम्मेदारी उद्यान विभाग और वन विभाग की है, लेकिन दोनों विभागों के जिम्मेदार मौन हैं।

इस संबंध में वरिष्ठ उद्यान अधिकारी दिलीप वर्मा ने कहा कि बागों में प्लाटिंग या पेड़ों की कटान की शिकायत मिलती है, तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। पेड़ों की कटान के आवेदनों पर स्थलीय निरीक्षण के बाद ही अनुमति दी जाती है।

दंपति की पिटाई करने वाले आठ आरोपी गिरफ्तार

- **अमृत विचार, मोहनलालगंज :** होली के दिन मोहनलालगंज के रंजीतखेड़ा में कुछ लोगों ने दंपती की पिटाई कर दी थी। पीड़िता ने आठ लोगों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुरानी रंजिश में कनकहा में रंजीतखेड़ा निवासी सुखराम व उसकी पत्नी राधा की पड़ोसी ने पिटाई कर दी थी। मामला सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया था। इंस्पेक्टर ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया कि मारपीट के आरोपी राजाराम, धर्मपाल उर्फ करन रावत, सूरज, विशुनलाल, रामहर्ष, अरुन, शिवम व सुनील को शांति भंग की धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

- **अमृत विचार, माल :** रहीमाबाद : गहदो मार्ग पर स्थित श्री ठाकुर जी महाराज राम जानकी मंदिर में सोमवार को श्रीराम दरबार की मूर्तियों की प्राण की प्रतिष्ठा की गई। इसके पहले मंदिर के ट्रस्ट की ओर से मूर्तियों की शोभायात्रा निकाली गई। मंदिर परिसर से निकली शोभायात्रा क्षेत्र का भ्रमण कर वापस मंदिर पहुंची। मंदिर धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अक्षत तिवारी ने बताया कि मंदिर प्रांगण में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भी किया गया है।

श्रीराम दरबार की मूर्तियों को डाले में लेकर बैठे भक्त।

अपने बैंक में 10 वर्ष से अधिक समय से बिना दावे के पड़े अपने पैसे को उपयोग में लाने का समाधान पाएँ
UDGAM पर जाएँ और जानें कि बैंक से इसका दावा कैसे करें
- UDGAM पोर्टल पर पंजीकरण करें।
- खाताधारक का नाम, बैंक का नाम और जन्म तिथि, पैन कार्ड इत्यादि विवरण का उपयोग करके खोजें।

UDGAM केवल एक खोज सुविधा है। बिना दावे वाली जमाराशियों का दावा संबंधित बैंक(ओं) से करना होगा।

UDGAM पोर्टल पर बैंकों की सूची उपलब्ध है।
अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/ud पर विज़िट करें
फीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें
जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

ढिलाई

24 फरवरी को फैला था संक्रमण, अब तक ठोस पहल नहीं

संक्रमण के कारणों को जानने में स्वास्थ्य महकमा सुस्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : रहीमाबाद में हेपेटाइटिस-बी के प्रसार को लेकर स्वास्थ्य विभाग का रवैया काफी सुस्त है। 24 फरवरी को इलाके में संक्रमण का पता चला था, लेकिन संक्रमण कैसे फैला? संक्रमितों के परिवार का क्या हाल है? इस दिशा में अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। नतीजतन संक्रमण के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

रहीमाबाद के चार गांव के 19 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया था। बलरामपुर अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने रक्तदान की प्रक्रिया पूरी कराई थी। सभी ब्लड यूनिट की जांच में हेपेटाइटिस संक्रमण की पुष्टि हुई थी। ये जांचें बलरामपुर अस्पताल और लोहिया संस्थान में हुई थीं। 24 फरवरी को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था। संक्रमण की पुष्टि के बाद अधिकारी हाथ पर हाथ रखकर बैठ गए। यही वजह है कि अभी तक संक्रमण के कारणों का पता नहीं चल सका है। बीमारी अब तक कितने लोगों को अपनी गिरफ्त में ले चुकी है। इसकी भनक भी अफसरों को नहीं है।

केजीएमयू में नमूने जांच के लिए भेजे गए

- रक्तदान करने वालों की दोबारा जांच का फैसला किया। 13 लोगों के नमूने एकत्र किए गए। बाकी छह लोगों ने बाद में सैम्पल देने की बात कही। सोमवार को भी बाकी छह लोगों ने नमूने नहीं दिए। इसके लिए सभी ने अलग–अलग कारण बताएं। दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग ने केजीएमयू में नमूने जांच के लिए भेज दिए हैं। जिनकी रिपोर्ट दो से तीन दिन में आने की उम्मीद है।

संक्रमितों के परिवार में डर का माहौल

- स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का कहना है कि दोबारा की रिपोर्ट आने के बाद ही कोई कदम उठाया जाएगा। 15 दिन बाद भी सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की तरफ से संक्रमितों का हाल नहीं लिया गया। संक्रमितों के परिवार के अन्य सदस्यों में डर का माहौल है। स्वास्थ्य विभाग के रवैया से नाखुश हैं। अफसरों की सुस्त कार्यशैली पर ग्रामीणों ने सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द से जल्द जांच कराई जाए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके।

अमृत विचार लखनऊ, मंगलवार, 10 मार्च 2026 लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

गांवों में जल्द संचालित होंगी 113 लाइब्रेरी

अमृत विचार, लखनऊ : जिले की 113 ग्राम पंचायतों पर जल्द डिजिटल लाइब्रेरी बनेंगी। फर्नीचर आदि सामान खरीद का टेंडर स्वीकृत हो गया है। डिजिटल लाइब्रेरी संचालित होते ही ग्रामीण इलाकों के छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा मिलेगी। उन्हें गांव से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार गोंड ने बताया कि में 113 डिजिटल लाइब्रेरी के लिए ग्राम पंचायत चयनित की गई हैं। जहां किताबें, स्टेशनरी आदि समान की खरीद करके बाकी कार्य हो गए हैं। अब कुर्सी, मेज, बेंच, डेस्क आदि फर्नीचर लगाए जाएंगे। खरीद के लिए एक कंपनी का टेंडर स्वीकृत हो गया है। इसी माह फर्नीचर लगाकर कर लाइब्रेरी संचालित करने के निर्देश दिए हैं। किताबें व अन्य सामान पहले खरीद कर ली थी। इंटरनेट कनेक्शन भी किए जाएंगे।

कृषि योजनाओं के लिए 108.39 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत 108 .39 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। यह धनराशि वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्रीय और राज्य प्रायोजित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवंटित की गई है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि सरकार का लक्ष्य आधुनिक कृषि तकनीकों और यंत्रीकरण को बढ़ावा देकर खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक 40 .89 करोड़ रुपये नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एंड टेक्नोलॉजी (एनएमएईटी) के तहत संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन मैकेनाइजेशन के लिए स्वीकृत किए गए हैं।

पति व ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा बाजार निवासी विवाहिता प्रिया ने पति देवराज व ससुर देवानंद के अलावा सास, देवर और ननद पर दहेज के लिए प्रताड़ना और जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। प्रिया की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। मूलत: दिल्ली के सराय पीपल थला आदर्शनगर निवासी प्रिया के मुताबिक उसकी शादी 14 अगस्त 2025 को बंथरा बाजार सिकंदरपुर निवासी देवराज के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। आरोप है कि शादी से पहले ही ससुराल पक्ष ने दहेज में बाइक, सोफा, बेड, अलमारी, वॉशिंग मशीन, एसी, सोने की चेन सहित अन्य सामान की मांग की थी। पीड़िता के पिता ने कुछ सामान देने के साथ बाकी के लिए समय मांगा था। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही पति देवराज, सास, ससुर, देवर और ननद दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे।

आचरण नियमावली में निवेश और संपत्ति लेनदेन के नियम होंगे सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैबिनेट बैठक आज

- कर्मचारी आचरण नियमावली, संशोधन को मिल सकती स्वीकृति
- छह माह के मूल वेतन से अधिक निवेश की सूचना देना अनिवार्य
- दो माह के वेतन से अधिक चल संपत्ति की सूचना भी देनी होगी

अमृत विचार: प्रदेश सरकार सरकारी कर्मचारियों की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से आचरण नियमावली, 1956 में संशोधन की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित संशोधन के तहत कर्मचारियों के निवेश और संपत्ति से जुड़े नियमों को और सख्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारियों की आचरण (संशोधन) नियमावली-2026 को स्वीकृति मिलने की संभावना है।

कार्मिक विभाग द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव के अनुसार यदि कोई सरकारी कर्मचारी एक कैलेंडर वर्ष के दौरान अपने छह माह के मूल वेतन से अधिक की राशि शेयर, स्टॉक, म्यूचुअल फंड या अन्य निवेश माध्यमों में लगाता है तो उसे इसकी जानकारी अनिवार्य रूप से अपने विभाग या सक्षम प्राधिकारी को देनी होगी। मौजूदा नियमों में इस प्रकार के निवेश के संबंध में स्पष्ट प्रावधान नहीं है। प्रस्तावित संशोधन में चल संपत्ति से जुड़े लेन-देन के नियम भी बदले जा रहे हैं। यदि कोई कर्मचारी दो माह के मूल वेतन से अधिक मूल्य की चल संपत्ति—जैसे वाहन, महंगे उपकरण या अन्य मूल्यवान वस्तु—खरीदता या बेचता है, तो उसे तत्काल इसकी सूचना संबंधित प्राधिकारी को देनी होगी। वर्तमान नियम के अनुसार एक माह के मूल वेतन से अधिक मूल्य की चल संपत्ति के लेन-देन की सूचना देना अनिवार्य है।

सरकार अचल संपत्ति के मामलों में भी पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नियमों को और सख्त करने जा रही है। प्रस्ताव के अनुसार सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी अचल संपत्तियों का विवरण हर वर्ष देना अनिवार्य होगा। इसके तहत कर्मचारियों को अपनी और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर अर्जित, दान में प्राप्त, पट्टे पर ली गई या गिरवी रखी गई संपत्तियों का पूरा विवरण देना होगा।

अभी तक नियमावली के अनुसार अचल संपत्ति की घोषणा हर पांच वर्ष में करना अनिवार्य है, हालांकि सरकार प्रशासनिक स्तर पर कर्मचारियों से प्रतिवर्ष संपत्ति का विवरण लेती रही है। अब इसे नियमावली में शामिल कर औपचारिक रूप से अनिवार्य बनाने की तैयारी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार इस संशोधन का उद्देश्य कर्मचारियों की आय और संपत्ति से जुड़े मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, अवैध संपत्ति अर्जित करने पर नियंत्रण लगाना और प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत करना है। माना जा रहा है कि नए नियम लागू होने के बाद कर्मचारियों के निवेश और संपत्ति से जुड़े मामलों की निगरानी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी।

संशोधन के प्रमुख प्रस्ताव

- छह माह के मूल वेतन से अधिक निवेश की सूचना देना अनिवार्य
- दो माह के मूल वेतन से अधिक चल संपति लेन-देन की देनी होगी जानकारी
- सभी कर्मचारियों को हर वर्ष अचल संपति का विवरण देना होगा
- प्रथम नियुक्ति के समय भी संपति की अनिवार्य घोषणा

भूखंड दिलाने के नाम पर सिपाही से 10 लाख ठगे

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज इलाके में भूखंड दिलाने के नाम पर यूपी-112 में तैनात सिपाही अमर पाल सिंह से अचनतारा इंफोटेक प्रा.लि. के निदेशकों ने 10 लाख रुपये ठग लिये। पीड़ित का आरोप है कि रजिस्ट्री कराने के बाद भी भूखंड पर कब्जा नहीं दिया गया। रुपये वापस मांगने पर धमकी दी गई। पीड़ित ने एसीपी मोहनलालगंज से शिकायत की। जांच के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा या मनमानी पर होगी सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

सांसदों-विधायकों और मंडलायुक्त-डीएम के साथ योगी की वीडियो कांफ्रेंसिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश के सभी जिलों के सांसदों-विधायकों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग कर विकास कार्यों और प्रशासनिक समन्वय की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों का 'ब्रांड एंबेसडर' बताते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी विकास कार्य या सरकारी योजना के क्रियान्वयन में सभी की राय अवश्य ली जाए। यदि किसी स्तर पर जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा या अधिकारियों की मनमानी की शिकायत सामने आई तो जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री की इस वीडियो कांफ्रेंसिंग का मुख्य उद्देश्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। हाल ही में विधानमंडल की कार्यवाही के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा अधिकारियों के फोन न उठाने और उनकी अनदेखी करने का मुद्दा उठाया गया था। ऐसे में मुख्यमंत्री की यह बैठक समन्वय और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिहाज से अहम मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष जुलाई में भी मुख्यमंत्री ने मंडलवार बैठकों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को इसी प्रकार का स्पष्ट संदेश दिया था।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी 75 जिलों के जनप्रतिनिधियों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्वच्छ भारत मिशन तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन योजनाओं में किसी भी पात्र लाभार्थी का नाम छूटने न पाए। जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों में योजनाओं के लाभार्थियों की सूची की समीक्षा करें और यदि कोई पात्र व्यक्ति छूट गया हो तो उसका प्रस्ताव तुरंत शासन को भेजें।

बैठक में सड़क निर्माण परियोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्रों में सड़कों की आवश्यकताओं और भावी परियोजनाओं के प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राथमिकता दी गई सड़कों का पहले इस्टीमेट तैयार कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। ऐसी सड़कों को प्राथमिकता दी जाए जो बड़ी आबादी को लाभान्वित करती हों।

सड़क निर्माण में समय सीमा और गुणवत्ता से समझौता नहीं

- मुख्यमंत्री योगी ने सड़क निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने और गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता न करने की हिदायत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मंदिरों और धार्मिक स्थलों का विकास किया जा रहा है, उन्हें प्रमुख मार्गों से जोड़ने के लिए सड़क निर्माण कार्य प्राथमिकता से कराया जाए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे जनता के बीच रहकर विकास कार्यों की जानकारी दें और क्षेत्र की आकांक्षाओं के अनुरूप नए प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं।

युद्धकालीन हालात से संकट के माहौल में देश की प्राथमिकताएं बदलीं : अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि वर्तमान युद्धकालीन परिस्थितियों में देश की प्राथमिकताओं में बदलाव आवश्यक है। भाजपा सरकार ने देश की विदेश नीति गिरवी रख दी है। जब हमारी विदेश नीति विदेश के लोग तय कर रहे है, जबकि देश के सामने गंभीर चुनौतियां है। उन्होंने बताया कि संसद सत्र में चर्चा के दौरान संकट और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। सपा प्रमुख ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीय नागरिकों और पर्यटकों की सुरक्षा, विदेश नीति पर भारत का स्वाभिमान, तेल जैसी आपूर्ति जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साथ ही युद्ध के कारण देश लौट न पाने वाले पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को सुरक्षित लाने की जिम्मेदारी भी अहम है। कहा, विदेशी दबाव, आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति और बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करना है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर कांशीराम के 92वें जन्मदिवस पर 15 मार्च को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर "बहुजन समाज दिवस अर्थात पीडीए दिवस" मनाया जाएगा। पार्टी ने बताया कि कांशीराम ने बहुजन समाज को संगठित कर शासन में भागीदारी दिलाने के लिए जीवन समर्पित किया। उन्होंने मुलायम सिंह यादव के साथ मिलकर बहुजन समाज को मजबूत करने का अभियान तेज किया था। कार्यक्रमों में दलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यक वर्गों की एकता और भाईचारे का संदेश दिया जाएगा। सपा के राष्ट्रीय अध्यख अखिलेश यादव ने इटावा लायन सफ़ारी में एशियाई शेरों की संख्या में लगातार वृद्धि पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि शेरनी नीरजा ने अपने तीसरे प्रसव में इस बार 4 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इससे पहले उसके पहले प्रसव में 2 और दूसरी बार 3 शावक पैदा हुए थे, जिससे अब सफ़ारी में कुल 9 शावक सुरक्षित रूप से पल रहे हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि पर्यावरण और प्रकृति के चक्र में हर प्राणी का महत्व है, इसलिए सकारात्मक पहल और संवेदनशील सोच के साथ प्रकृति संरक्षण पर निरंतर कार्य करना आवश्यक है।

जलभराव के खिलाफ प्रदर्शन करते सरोजनी नगर स्थित बाग नंबर -3 के व्यापारी। अमृत विचार

जलभराव से परेशान व्यापारियों का प्रदर्शन

संवाददाता सरोजनीनगर

- एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास नगर निगम के खिलाफ की नारेबाजी

अमृत विचार: जलभराव और गंदगी से परेशान सरोजनी नगर स्थित बाग नंबर -3 के व्यापारियों ने सोमवार को नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। व्यापारियों का कहना था कि जलभराव के कारण कारोबार प्रभावित हो रहा है।

उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल एयरपोर्ट शाखा के बैनर तले व्यापारियों ने एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। व्यापारियों ने बताया कि बाग नंबर-2 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन से नादरगंज तक रोड किनारे बने नाले की लंबे समय से सफाई नहीं कराई गई है। इससे नाले का पानी दुकानों के सामने रोड पर भरा रहता है।जलभराव और दुर्गंध से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापार मंडल के एयरपोर्ट शाखा अध्यक्ष पवन तिवारी ने बताया कि समस्या के संबंध में 15 दिन पहले नगर निगम जोन-5 कार्यालय में ज्ञापन दिया गया था, लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जोनल अधिकारी बीमारी का बहाना बनाकर नाले की सफाई नहीं करा रहे हैं।उपाध्यक्ष शिवम गुप्ता ने कहा कि नाला खुला होने से कई बार लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं। जलभराव के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों ने कहा कि जल्द का समाधान नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

सर्किट हाउस की ऑनलाइन बुकिंग शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने लोक निर्माण विभाग के सर्किट हाउस और गेस्ट हाउस की बुकिंग व्यवस्था को आधुनिक और पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन बुकिंग सेवा शुरू की है। इस व्यवस्था के तहत अब प्रदेश के 21 सर्किट हाउसों और 334 गेस्ट हाउसों में कमरे ऑनलाइन बुक किए जा सकेंगे। बुकिंग प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल हो जाने से सर्किट हाउस और गेस्ट हाउस में कमरों की बुकिंग पहले की तुलना में अधिक आसान, पारदर्शी और सुव्यवस्थित हो जाएगी। योगी सरकार के पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस के विजन के तहत लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश के सभी सर्किट हाउस और गेस्ट हाउस में बुकिंग की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। इसके लिए विभाग ने एक एकीकृत वेब-आधारित सर्किट हाउस सूचना प्रणाली तैयार की है। उपयोगकर्ता को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से रियल टाइम रूम अवेलेबिलिटी डैशबोर्ड और लाइव रूम स्टेटस की जानकारी मिलेगी। जिससे यह आसानी से पता किया जा सकेगा कि किस सर्किट हाउस में कितने कमरे उपलब्ध हैं। यह प्रणाली सर्किट हाउस के कमरों, भोजन और अन्य संसाधनों के प्रबंधन को डिजिटली संचालित करती है, जो पहले ईमेल या कॉल के माध्यम से मैनुअल तरीके से की जाती थी।

दो प्रमोटरों पर 2.43 करोड़ से अधिक अर्थदंड

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रेरा ने क्यूपीआर अपलोड न करने पर की कार्रवाई
- नोटिस जारी होने के बाद भी किया नियमों का उल्लंघन

अमृत विचार : उप्र भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने लखनऊ स्थित दो प्रमोटरों पर पंजीकृत परियोजनाओं की अनिवार्य त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट (क्यूपीआर) पोर्टल पर अपलोड न करने पर 243.50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्रमोटरों ने भेजे गए कई स्मरण पत्र और नोटिसों के बावजूद भी क्यूपीआर अपलोड न करने पर यह कार्रवाई की गई है।

लखनऊ में अर्पिता इन्फिनिटी के प्रमोटर मेसर्स शुशील कुमार कटियार की परियोजना 10 जुलाई 2024 को शुरू हुई थी। इसकी निर्धारित पूर्णता तिथि 31 जनवरी 2027 है। प्राधिकरण द्वारा आधिकारिक पत्रों के माध्यम से कई नोटिस भेजने के बावजूद परियोजना की लगातार चार तिमाहियों की क्यूपीआर पोर्टल पर अपलोड नहीं की गई। प्रकरण पर विचार करने के बाद प्राधिकरण ने परियोजना की लागत 325 लाख का 5 प्रतिशत यानी 16.25 लाख का प्रमोटर पर अर्थदंड लगाया है। जो 15 दिन में जमा करना है।

इसी तरह गनपति स्मार्ट सिटी के प्रमोटर मेसर्स गणपति इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लि. को उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह परियोजना 30 सितम्बर 2024 को प्रारम्भ हुई थी और निर्धारित पूर्णता तिथि 24 अक्टूबर 2026 है। इस परियोजना की क्यूपीआर भी प्राधिकरण द्वारा भेजे गए नोटिसों के बावजूद पोर्टल पर अद्यतन नहीं की गई।

हर तीन माह में विवरण करना होता अपलोड

- क्यूपीआर भू-सम्पदा (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत रियल एस्टेट परियोजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अधिनियम की धारा 11(1) के अनुसार प्रत्येक प्रमोटर को हर तिमाही समाप्त होने के बाद परियोजना से संबंधित विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होता है। इसमें बुक की गई इकाइयों की संख्या और प्रकार, गैरेज की स्थिति, प्राप्त या लंबित अनुमोदन तथा परियोजना की समग्र प्रगति जैसी जानकारी शामिल होती है।

दक्षिण एशिया में लैंगिक अंतर घटा रोजगार में महिलाएं अब भी पीछे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि के शोध में खुलासा

- मालदीव, भूटान और श्रीलंका में सर्वाधिक लैंगिक असमानता हुई कम
- लैंगिक भेदभाव में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सबसे खराब स्थिति
- भारत में स्वास्थ्य सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं का मिला लाभ ने

अमृत विचारः दक्षिण एशियाई देशों में दो दशकों में लैंगिक असमानता में धीरे-धीरे कमी आई है, लेकिन महिलाओं की श्रम बाजार में भागीदारी अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध "साउथ एशिया' जेंडर डिवाइड: स्ट्रक्चरल एंड सोशल बैरियर्स" में कई तथ्यों का खुलासा किया गया है। विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. रोली मिश्रा और विष्णु कुमार ने अपने शोध में दावा किया है कि करीब 20 वर्षों में दक्षिण एशियाई देशों में लैंगिक भेदभाव में कमी आई है।

शोधकर्ताओं ने लैंगिक अंतर को समझने के लिए "जेंडर डिस्पैरिटी इंडेक्स (जीडीआई)" नामक एक नया सूचकांक विकसित किया है। यह सूचकांक स्वास्थ्य, शिक्षा और श्रम बाजार में भागीदारी जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच अंतर को मापता है। अध्ययन के अनुसार 2003 से 2022 के बीच बेहतर मातृ स्वास्थ्य सेवाएं, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि और बाल मृत्यु दर में कमी आई है। यह अध्ययन भारत समेत पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, भूटान, नेपाल और मालदीव में लैंगिक असमानताओं का विश्लेषण पर आधारित है। मालदीव, भूटान और श्रीलंका लैंगिक असमानता कम करने में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले देशों के रूप में सामने आए हैं। इन देशों ने स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार निवेश किया है, जिससे महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार हुआ और विकास के बेहतर परिणाम सामने आए।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान में स्थिति चिंताजनक

- शोध में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में लैंगिक असमानता अपेक्षाकृत अधिक बनी हुई है। इसके पीछे पितृसत्तात्मक सामाजिक संरचना, लड़कियों के लिए सीमित शैक्षणिक अवसर और महिलाओं की आवाजाही व रोजगार पर सामाजिक और संस्थागत बाधा प्रमुख कारण हैं। विशेष रूप से अफगानिस्तान लैंगिक असमानता के मामले में सबसे नीचे स्थान पर है।

श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी चुनौती

- अध्ययन में यह भी रेखांकित किया गया है कि स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार के बावजूद महिलाओं की लेबर मार्केट में भागीदारी अभी भी दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी चुनौती है। घरेलू काम और देखभाल की जिम्मेदारियों को महिलाओं का दायित्व मानने वाली सामाजिक धारणा, पर्याप्त चाइल्डकेयर सुविधाओं की कमी और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को सीमित करती हैं।

ग्रीन एनर्जी हब के रूप में उभर रहा प्रदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखपुर और रामपुर में खुल रहीं ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाएं
- स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन व औद्योगिक निवेश को मिलेगा बढ़ावा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्वच्छ और वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी क्रम में गोरखपुर और रामपुर में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन से जुड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं, जो स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएंगी।

यूपी नेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह के अनुसार गोरखपुर में टोरेंट पॉवर द्वारा 0.5 मेगावाट क्षमता का ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है। इस परियोजना की उत्पादन क्षमता लगभग 9 किलोग्राम प्रति घंटा होगी। रामपुर जिले में जीरो फ्रूटप्रिंट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिसकी उत्पादन क्षमता लगभग 22.5 किलोग्राम प्रति घंटा होगी। इस परियोजना से क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और औद्योगिक निवेश तथा रोजगार के अवसर भी बढ़ने की उम्मीद है। प्रदेश में शुरू हो रही ये परियोजनाएं उत्तर प्रदेश को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं।

क्या है ग्रीन हाइड्रोजन

- नवीकरणीय ऊर्जा से पानी की इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया द्वारा तैयार किया जाता है
- उत्पादन के दौरान कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य
- परिवहन, इस्पात, रिफाइनरी और ऊर्जा भंडारण में उपयोगी
- भविष्य में स्वच्छ व टिकाऊ ऊर्जा का महत्वपूर्ण विकल्प माना जा रहा है।

बढ़े कदम प्रदेश सरकार के प्रयासों और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां

स्वच्छ भारत मिशन में यूपी का बड़ा कीर्तिमान, 100 ओडीएफ प्लस राज्य बना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत बड़ा कीर्तिमान स्थापित करते हुए 100 प्रतिशत ओडीएफ प्लस राज्य का दर्जा हासिल कर लिया है। प्रदेश सरकार के प्रयासों और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गई हैं।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रथम चरण में प्रदेश को पहले ही 100 प्रतिशत ओडीएफ घोषित किया जा चुका है। इस चरण के तहत प्रदेश में 2.74 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत शौचालयों (इज्जत घर) का निर्माण कराया गया, जिससे उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक शौचालय निर्माण करने वाला राज्य बनकर उभरा है।

योजना के दूसरे चरण में ओडीएफ की स्थिति को स्थायी बनाए रखने के साथ स्वच्छता व्यवस्थाओं को और मजबूत किया गया है। वर्तमान में 95,767 गांवों में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था के साथ उन्हें ओडीएफ घोषित किया गया है, जबकि 94,723 से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस का दर्जा मिल चुका है।

प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में सरकार ग्रामीण स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। शौचालय निर्माण के साथ उनके नियमित उपयोग, ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की ग्राम पंचायतें स्वच्छता के क्षेत्र में देश के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के तहत अब तक 57,25,291 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं को मजबूत करने के लिए 59,165 सामुदायिक शौचालय भी बनाए गए हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से प्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। विभाग का लक्ष्य अब अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों को ओडीएफ प्लस श्रेणी में शामिल कर स्वच्छता को स्थायी आदत बनाना है।

'नो टोबैको प्लेज' अभियान में देश में नंबर वन यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऑनलाइन शपथ अभियान में यूपी दूसरे साल शीर्ष पर
- हरियाणा दूसरे, राजस्थान तीसरे और दिल्ली चौथे स्थान पर

अमृत विचार : तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने और युवाओं को इसके सेवन से दूर रखने के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर देश में पहला स्थान हासिल किया है।

केंद्र सरकार के टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 के तहत आयोजित ऑनलाइन 'नो टोबैको प्लेज' अभियान में वर्ष 2025-26 के दौरान उत्तर प्रदेश ने सबसे अधिक भागीदारी दर्ज कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इस अभियान में हरियाणा दूसरे, राजस्थान तीसरे और दिल्ली चौथे स्थान पर रहे। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशों में चलाए जा रहे व्यापक जनजागरूकता अभियान और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश ने इससे पहले वर्ष 2024-25 में आयोजित टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 के दौरान भी ऑनलाइन 'नो टोबैको प्लेज' में देश में पहला स्थान प्राप्त किया था। लगातार दूसरे वर्ष यह सफलता राज्य के युवाओं, स्कूलों, स्वास्थ्य विभाग और तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की टीम के संयुक्त प्रयासों से संभव हुई है। टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 की शुरुआत 9 अक्टूबर 2025 को हुई थी। यह अभियान शिक्षा मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से संचालित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना, उन्हें तंबाकू का उपयोग न करने की शपथ लेने के लिए प्रेरित करना और तंबाकू मुक्त पीढ़ी का निर्माण करना है।

मिथुन हत्याकांड के 6 आरोपियों के घरों पर चला बुलडोजर

ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से किया गया था निर्माण, एक दिन पूर्व परिजनों से मिले थे विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा

कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : दो दिन पूर्व हुए मिथुन हत्याकांड को लेकर पुलिस कार्रवाई के बीच प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। सोमवार को हत्या के छह आरोपियों के घर बुलडोजर से जमींदोज कर दिए गए। इस कार्रवाई के दौरान तहसील के प्रशासनिक अधिकारी व पीएसी पुलिस बल मौजूद रहा। यह घर ग्राम समाज की जमीन पर अवैध ढंग से बने हुए थे।

शुक्रवार की देर रात लखनऊ के महिगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीरामपुरवा मजरे सुभाषनगर के रहने वाले मिथुन रावत (22) की नृशंस हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों को दबोचा जबकि दो अन्य की तलाश जारी है।

आरोपियों का घर ध्वस्त करता बुलडोजर।

छह आरोपियों के घर ग्राम दुर्गीपुरवा में करीब आस पास ही बने हुए हैं और सभी कच्चे घर हैं। सोमवार की दोपहर गांव में पसरा सन्नाटा जेसीबी की आवाज व पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की आमद ने तोड़ा। इस बीच ग्रामीण भी एकत्र हो गए। बुलडोजर ने एक के बाद एक छह घर देखते ही देखते नेस्तनाबूद कर दिए। एसडीएम कार्तिकेय सिंह के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार अंकिता पांडेय, कानूनगो कैलाश बहादुर, लेखपाल सर्वेश कुमार, प्रिंस शर्मा, अरविंद वर्मा, क्षितिज तिवारी के अलावा कुर्सी थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णकांत सिंह, भारी पुलिस बल व पीएसी बटालियन की मौजूदगी रही। बता दें कि रविवार को मिथुन के घर कुर्सी विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया व परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया था। यही नहीं, उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी। विधायक के गांव जाने के दूसरे दिन ही बुलडोजर कार्रवाई सामने आई। चर्चा है कि गिराए गए सभी घर अवैध ढंग से ग्राम समाज की जमीन पर बने हुए थे।

10 लोगों ने मिलकर उतारा था मौत के घाट

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : एससी-एसटी एक्ट के मुकदमे में सुलह न करने की रंजिश जारी ही थी, उस पर आग में घी का काम प्रेम प्रसंग कर गया। इन्ही दो वजहों ने मिथुन हत्याकांड की नींव रख दी। पुलिस ने दो और आरोपियों को दबोचा है, इस तरह अब तक आठ लोग गिरफ्तार हो चुके व दो अन्य की तलाश जारी है। पूरे घटनाक्रम में ताबीज बनाने वाले इरफान उर्फ अघोरी बाबा का नाम भी शामिल है। बताते चलें कि लखनऊ में महिगवां थाना क्षेत्र के श्रीरामपुरवा मजरे सुभाषनगर निवासी छविनाथ रावत के पुत्र मिथुन (22) हत्याकांड मामले में मां की ओर से दी गई तहरीर पर पुलिस ने गांव के इरफान उर्फ अघोरी, रिजवान, अरबाज, जावेद, अरमान व अयान के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। इसी क्रम में पुलिस ने मुल्ला टोला मजरे कुर्सी निवासी मोहम्मद आमिर के अलावा एक नाबालिग को भी दबोचा। इस मामले में दो और की तलाश जारी है। कुल 10 लोगों ने मिलकर हत्याकांड को अंजाम दिया था। बता दें कि वर्ष 2019 में मिथुन के परिवार की ओर से आरोपी इरफान आदि के खिलाफ जमीन विवाद को लेकर एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। ● अमृत विचार

गया था। गिरफ्तारी होने के बाद आरोपी इस मुकदमे में सुलह का दबाव बना रहे थे पर सफल नहीं हुए। इस बीच मिथुन का आरोपियों में एक की पुत्री से प्रेम-प्रसंग हो गया। यही दोनों वजहें मिथुन की हत्या की वजह बनीं। बता दें कि इरफान उर्फ अघोरी ताबीज बनाने का काम भी करता है। उसी ने सबको उकसाकर हत्या के लिए तैयार किया। सीओ फतेहपुर जगतराम कनौजिया ने बताया कि आठ आरोपी जेल जा चुके हैं, दो अन्य की तलाश पुलिस कर रही है।

कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी अम्बेडकरनगर।

प्रेस विज्ञप्ति

जनपद–अम्बेडकरनगर के अहिरौली थानान्तर्गत दिनांक 20.02.2026 की ग्राम प्रहलाद पट्टी में मिले अज्ञात शिशु (बालक) को दिनांक 02.03.2026 को नियमानुसार बाल कल्याण समिति, अम्बेडकरनगर के आदेश से राजकीय बाल गृह (शिशु) प्राग नारायण रोड लखनऊ उ0प्र0 में संरक्षित किया गया है। यदि उक्त शिशु का कोई जैविक माता–पिता या विधिक संरक्षक हो तो 02 माह (60 दिवस) के अन्दर बाल कल्याण समिति अम्बेडकरनगर, कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी/ जिला बाल संरक्षण अधिकारी, अम्बेडकरनगर से संपर्क करें। तत्पश्चात अज्ञात शिशु (बालक) के दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी।

(राकेश कुमार)
जिला प्रोबेशन अधिकारी
अम्बेडकरनगर।

पत्रांक–2264–65, दिनांक –09–03–26

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैंने अपने पुत्र आकाश सिंह (राजा) के गलत चाल–चलन के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मैं व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का उसके किसी कृत्य अथवा लेन–देन के जिम्मेदार नहीं हैं। **- सुबोध कुमार पुत्र स्व0 रामलाल मौर्य निवासी मोहल्ला नगलादीना, फतेहगढ़, जिला फर्रुखाबाद।**

एएसआई की तबीयत बिगड़ी उपचार के दौरान हुई मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस लाइन स्थित वर्कशाप में तैनात सहायक उपनिरीक्षक की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वर्कशाप से उन्हे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सोमवार को पुलिस अधिकारियों ने पार्थिव शरीर को कंधा दिया। लखनऊ में तकरोही बाजार के रहने वाले सहायक उपनिरीक्षक रामनरेश रावत (48) बाराबंकी पुलिस लाइन स्थित वर्कशाप में बतौर प्रधान परिचालक यान्त्रिक तैनात थे। रविवार की रात करीब आठ बजे वर्कशाप में उनकी तबीयत बिगड़ गयी। सहयोगी उन्हे जिला अस्पताल लेकर गए। जहां हृदय गति रुकने से मौत हो गई। सोमवार को पार्थिव शरीर पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक स्थल में रखा गया।

सफाई साक्ष्य नहीं पेश करेंगे राहुल

सुलतानपुर, अमृत विचारः कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले में एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। राहुल गांधी के अधिवक्ता की ओर से सफाई साक्ष्य न देने पर कोर्ट ने बंधपत्र दाखिल करने का आदेश दिया। एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में चल रहे मामले में परिवादी पक्ष के अधिवक्ता ने बताया कि बचाव पक्ष द्वारा सफाई साक्ष्य प्रस्तुत न करने के कारण कोर्ट ने बंध पत्र दाखिल करने का आदेश देते हुए 12 मार्च की तारीख तय की है।

अमेठी में खड़े ट्रक में दो बाइकें भिड़ीं, पिता-पुत्री समेत 3 की मौत

चार घायल

फुरसतगंज(अमेठी)

अमृत विचार। बांदा-टांडा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर शाम हादसा हो गया। दो बाइक पर सवार सात लोग खड़ी ट्रक में पीछे से जा टकराए। हादसे में पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। जबकि चार घायल है। घटना के बाद परिवारजन में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार सीमेंट लादकर सड़क किनारे एक ट्रक संख्या यूपी 36 टी 1485 खड़ा हुआ था। तभी जायस की ओर से रायबरेली की तरफ 2 बाइकों पर सवार 7 लोग रायबरेली की तरफ जा रहे थे। तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार वाहन से बचने के लिए दोनों बाइक सवार सामने खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गए। जिससे दोनों बाइकों पर सवार कुल 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फुरसतगंज पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दिशा (6) पुत्री अतुल निवासी इंदु का पुरवा गांधी नगर जायस, अतुल (38) पुत्र विनोद कुमार निवासी इंदु का पुरवा गांधी नगर जायस तथासे हीरालाल (45) पुत्र सतीदीन निवासी फरीदपुर परवर थाना जायस को मृत घोषित कर दिया।

वहीं हादसे में घायल रानी (30) पत्नी अतुल निवासी इंदु का पुरवा गांधीनगर थाना जायस, शिवानी (18) पुत्री सत्यनारायण निवासी ओदारी चौराहा थाना जायस और पल्लवी (16) पुत्री हीरालाल निवासी फरीदपुर परवर थाना जायस की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रायबरेली रेफर कर दिया गया है। जबकि माही (12) पुत्री जीवन लाल निवासी संदीराम थाना मिल एरिया रायबरेली का इलाज सीएचसी फुरसतगंज में चल रहा है। तीनों मृतक और चारों घायल सभी आपस में रिश्तेदार हैं। घटना की सूचना मिलते ही मृतक एवं घायलों के परिजन मौके पर पहुंच गए। सभी परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही फुरसतगंज, जायस पुलिस मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। फुरसतगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में एक बच्ची सहित तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि चार अन्य घायल हैं। ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच के साथ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सूचना
मैने अपना नाम SALMAN KHAN से बदलकर MOHD SALMAN KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-JAMALUDDIN KHAN ADD-H.NO-747 KHAEEPAR ALIGANJ DIST - BANDA - 210001 (U.P)**

सूचना
मैने अपना नाम RAFIQ AHMAD से बदलकर RAFEEQ AHMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **FATHER NAME-ABDUL HAMID ADD-551GA/79 SARDARI KHERA ALAMBAGH DIST-LUCKNOW-226005 (U.P)**

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम AASIM था से बदलकर AASIM SIDDIQUI रख लिया है। अब मुझे AASIM SIDDIQUI के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/o RASHID KAMAL SIDDIQUI, ADD:- 94/8 A NAWAIYA GANESHGANJ, AMINABAD PARK POST- AMINABAD, DISTT- LUCKNOW- 226018**

सूचना
पहले मेरा नाम LAIS BANO था से बदलकर AYASHA BANO रख लिया है। अब मुझे AYASHA BANO के नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/o MOHAMMAD NADIM ADDRESS - BADA DARVAJA WAZIR GANJ, GONDA-271124**

सूचना
पहले मेरा नाम MOHD AMEEN था से बदलकर MOHAMMAD NADIM रख लिया है। अब मुझे MOHAMMAD NADIM के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/o Late JUMAEI, ADDRESS- BARA DARWAZA WAZIRGANJ, GONDA-271124**

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD AFJAL SIDDIQUI से बदलकर MOHD AFZAL SIDDIQUI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MO. JAKIR ADD-7, VIRDHA ASHRAM, GANNA PURWA, ADIL NAGAR, PO-VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW -226022 (U.P.)

सूचना
मैं मो0 असद पुत्र मो0 यासीन निवासी मो0 पुरानी बाजार कस्बा, परगना व तहसील महमूदाबाद जिला – सीतापुर, मेरा एक सिविल वाद न्यायालय श्रीमान अपर आयुक्त न्यायिक प्रथम– लखनऊ के न्यायालय में विचाराधीन है। यह कि उपरोक्त मुकदमे में दोनो पक्षो की हाजिरी हेतु अग्रिम तारीख 12–03–2026 नियत है जिसका उनवान मोहम्मद असद आदि बनाम अली अब्बास आदि है।

सूचना
मैंने दिनांक 29.11.2009 को नयन श्रीवास्तव से विवाहोपरांत अपना नाम पल्लवी तिवारी से बदलकर पल्लवी श्रीवास्तव रख लिया है। भविष्य में मुझे पल्लवी श्रीवास्तव के नाम से जाना व पहचाना जाए। पता– 6478/I–148, जानकीपुरम गार्डन, जानकीपुरम, लखनऊ।

सूचना
मैं **आरती सिंह पत्नी उदय प्रताप सिंह, निवासी 69A/14 योजना संख्या 40 ब्लाक** EWS **दबौली कानपुर नगर** उपरोक्त प्रापर्टी का मूल कब्जा पत्र एवं मूल डीड दिनांक 05.04.1999 का प्रथम पृष्ठ कही खो गया है जिसका प्रयोग किसी अन्य के द्वारा अवैध माना जाएगा। **मो.7408855556**

सूचना
मैं अथर्व सिंह पुत्र श्री सुजीत कुमार सिंह, निवासी 660/7/P2/29, फूल बाग कालोनी, कुर्सी रोड, लखनऊ–226026, मेरे विद्यालय ICSE के अभिलेखों में मेरा नाम अथर्व सिंह सुयश अंकित है। जबकि मेरा सही एवं वर्तमान नाम अथर्व सिंह और मेरी सही जन्मतिथि 28–11–2005 है, जैसा कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है। जबकि मेरे विद्यालय अभिलेखों में अंकित जन्मतिथि 28–11–2004 त्रुटिवश दर्ज हो गई थी। उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

सूचना
मैं **राजेश कुमार रावत पुत्र स्व0 बरातीलाल रावत निवासी म0नं0 2/138, मार्टिन पुरवा, हजरतगंज, थाना गौतम पल्ली, लखनऊ** मेरी चार संताने निम्नलिखित है मेरे दूसरे नम्बर की संतान आकाश दीप रावत व पुत्रवधू चाँदनी को उनके गलत आचरण के चलते अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति तथा अपने समस्त सरोकार से बेदखल कर दिया गया है। उक्त पुत्र अपने किये गए कृत्यों का स्वयं जिम्मेदार होगा।

नीलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पीएमश्री कम्पोजिट विद्यालय कुम्भी, विकास खण्ड शिवगढ़, जनपद रायबरेली में दिनांक 13 मार्च 2026 को प्रातः 10:30 बजे यूकेलिप्टस के 32 पेड़ों की नीलामी होनी है, इच्छुक व्यक्ति आकर बोली लगा सकते हैं।
प्रधानाध्यापक
पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय कुम्भी,
विकास खण्ड शिवगढ़
जनपद–रायबरेली

सूचना
मैं रजनीश कुमार बरनवाल पत्नी शिवांगी बरनवाल, अपनी पुत्री का नाम मेधावी (MEDHAVI) से मेधावी बरनवाल (MEDHAVI BARANWAL) रख रहा हूँ। अतः मेरी पुत्री का नाम भविष्य में मेधावी बरनवाल (MEDHAVI BARANWAL) से जाना व पहचाना जाए। D/O Rajneesh Kumar Baranwal R/O H-N- 175 G-N- Road Civil Line, Parkinsganj, Sultanpur City Thana – Kotwali Nagar Post – Sultanpur (U.P.) Pin – 228001

आत्महत्या को उकसाने पर पति को 7 साल कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : उकसाने पर पत्नी के आत्महत्या करने के प्रकरण में जिला न्यायाधीश कोर्ट ने पति को सात साल सश्रम कारावास के साथ ही 20 हजार रुपये अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई है। थाना असंद्रा के ग्राम भेड़िया में आत्महत्या के लिए उकसाने के सम्बन्ध में पंजीकृत भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त पति शिवराम पुत्र बिन्द्रा निवासी भेड़िया थाना असंद्रा को धारा 306 में न्यायालय जिला सत्र न्यायाधीश द्वारा दोषसिद्ध करार दिया गया।

नोडल अधिकारी ने पकड़ी बाहर की दवा

बाराबंकीः अमृत विचार : उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी की निदेशक एवं जनपद की नोडल अधिकारी नीना शर्मा ने सोमवार को विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। जिला अस्पताल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने लापरवाही और चिकित्सकों की मनमानी का मामला देखा।

निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने एक बीमार बच्चे के परिजनों के पास मेडिकल स्टोर से खरीदी गई दवाएं देखीं। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए दवाएं वापस करायीं। निरीक्षण के बाद नोडल अधिकारी ने राजकीय कार्यालय परिसर में बने ट्रांजिट हॉस्टल और निर्माणाधीन कल्याण मंडप का निरीक्षण किया। गांधीनगर वार्ड के निरीक्षण के बाद उन्होंने बृहद गौ संरक्षण केंद्र (निबलेट) का भी दौरा किया।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमका प्रदेश का कृषि मॉडल

कार्यक्रम में मौजूद कृषि वैज्ञानिकों की टीम। अमृत विचार

● **26 देशों के वैज्ञानिकों ने सराहा यूपी का कृषि रोडमैप, सहयोग के लिए बढ़ाए हाथ**

कानपुर, अमृत विचार। प्रदेश की योगी सरकार के कृषि विजन और अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिल रही है। हैदराबाद के अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान में आयोजित उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद की उपलब्धियों को जमकर सराहना मिली। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'सूखा क्षेत्रों में जलवायु अनुकूलन और सतत गहन कृषि के लिए पुनर्योजी कृषि' था। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने विशेषज्ञ के रूप में वैश्विक मंच पर यूपी का रोडमैप रखा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26 देशों के कृषि विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। डॉ. संजय सिंह ने कार्यक्रम में बताया कि उत्तर प्रदेश न केवल भारत का सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक राज्य है, बल्कि अब यह क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर और रिजेनरेटिव एग्रीकल्चर अपनाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश ने रासायनिक खेती के विकल्प के रूप में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया है। गंगा के दोनों किनारों पर 5-5 किमी के दायरे में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सूखा प्रभावित बुंदेलखंड में पुनर्योजी कृषि के माध्यम से जल संचयन के सफल प्रयोग किए गए हैं।

मिलेट्स में लगाई लंबी छलांग : अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के बाद से उत्तर प्रदेश ने बाजरा, ज्वार, सावां और कोदो जैसे पोषक अनाजों के उत्पादन और प्रसंस्करण में लंबी छलांग लगाई है। राज्य सरकार द्वारा मिलेट्स के लिए विशेष ''प्रोटीन हब'' विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश अब ''डिजिटल एग्रीकल्चर'' की ओर बढ़ रहा है। फसलों की बीमारियों का पूर्वानुमान लगाने और सटीक सिंचाई प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है। तकनीक को सीधे किसानों के हाथों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

टीम ने पशुओं का किया टीकाकरण व इलाज

कुशीनगर, अमृत विचार : जिले के हाटा ग्राम पंचायत भरवलिया में पशुपालन विभाग की एम वी यू 1962 के डॉक्टर अभिषेक निगम एमटीएस मिथिलेश कुमार सिंह एवं पशु मित्र अमरनाथ के नेतृत्व में गांव में पहुंचकर जानवरों की जांच और जरूरी चिकित्सा व उपचार किया गया। साथ ही जिन पशुओं को टीकाकरण नहीं हुआ था उनको खुर पका, मुंह पका और एफएमडी का टीका लगाया गया। उपमुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संतोष कुमार के अनुसार कुछ पशुओं के बीमार वा टिकाकारण की शिकायत प्राप्त हुई थी जिसके क्रम में 1962 की टीम को भेज कर उस ग्राम सभा में सोनेलाल पटेल, रामआश्रम ,रमेश पटेल, रामनाथ ,सुभाष पटेल, ईश्वर चौधरी व अन्य ग्रामीणों की जानवर का इलाज व टिकाकारण किया गया जांच में ग्रामीणों को साफ सफाई पशुओं के बचाव ,रख रखाव और हरा चारा का समुचित जानकारी दिया गया।

सार्वजनिक भर्ती परीक्षा में प्राप्त अंक गोपनीय नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थियों के अंक सार्वजनिक करने के संबंध में दिया महत्वपूर्ण आदेश

विवि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंक सार्वजनिक करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि भर्ती परीक्षाओं में प्राप्त अंक कोई गोपनीय व्यक्तिगत सूचना नहीं हैं, इसलिए यदि परीक्षा में शामिल कोई अभ्यर्थी सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत अन्य अभ्यर्थियों के अंक मांगता है तो इसके लिए तीसरे पक्ष की सहमति आवश्यक नहीं होगी। सार्वजनिक परीक्षा में प्राप्त अंक सार्वजनिक गतिविधि से जुड़े होते हैं और इन्हें निजी गोपनीय सूचना नहीं माना जा सकता। ऐसे में यदि कोई अभ्यर्थी, जिसने स्वयं भी परीक्षा में भाग लिया हो, अन्य अभ्यर्थियों के प्राप्तांक की जानकारी मांगता है तो इसे ऐसी व्यक्तिगत सूचना नहीं माना जा सकता, जिसके प्रकटीकरण के लिए तीसरे पक्ष की अनुमति की आवश्यकता हो।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने अभ्यर्थियों की अपील स्वीकार करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार रेलवे में विधि सहायक पद के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा के बाद वर्ष 2008 में एक अभ्यर्थी ने आरटीआई के तहत अपने तथा दो अन्य अभ्यर्थियों के प्राप्तांक और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं से संबंधित जानकारी मांगी थी। संबंधित विभाग ने अंक उपलब्ध नहीं कराए, हालांकि आवेदक को किसी भी दिन आकर उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन करने की अनुमति दे दी, इसके बाद अभ्यर्थियों ने इसके खिलाफ केंद्रीय सूचना आयोग में अपील दाखिल की गई। आयोग ने आदेश देते हुए आवेदक को उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस आदेश को वाराणसी स्थित डीजल लोकोमोटिव वर्क्स के महाप्रबंधक ने चुनौती देते हुए पुनर्विचार याचिका दाखिल की, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद हाई कोर्ट के समक्ष वर्तमान याचिका दाखिल की गई, जिस पर विचार करते हुए कोर्ट ने कहा कि आरटीआई कानून के तहत किसी निजी जानकारी का खुलासा नहीं किया जा सकता है, लेकिन सार्वजनिक भर्ती परीक्षा में प्राप्त अंक सार्वजनिक गतिविधि का हिस्सा होते है, इसलिए उनके प्रकटीकरण से किसी की निजता का उल्लंघन नहीं माना जा सकता है।

ड्यूटी के दौरान कर्मी की मौत पर मुआवजा देना विभाग की जिम्मेदारी

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ड्यूटी के दौरान करंट लगने से रेलवे कर्मचारी की मौत के मामले में मुआवजे के निर्धारण की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कर्मचारी मुआवजा अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत मुआवजा पुन: निर्धारित करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि बिना पीड़ित पक्ष को सुनवाई का अवसर दिए मुआवजे की राशि तय करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। इसके अलावा विभागीय लापरवाही को मुख्य कारण मानते हुए अतिरिक्त हर्जाने पर भी विचार करने का निर्देश दिया और याची को 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का आदेश दिया।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने सरिता देवी की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार याची के पति विनोद कुमार जोशी पूर्व मध्य रेलवे में सीनियर टेक्नीशियन (इलेक्ट्रिकल) के पद पर कार्यरत थे। 8 अप्रैल 2023 को रेनुकूट रेलवे कॉलोनी में बिजली आपूर्ति बाधित होने की सूचना मिलने पर उन्हें लाइन ठीक करने भेजा गया। यह बताया गया कि 11 केवी एचटी लाइन के फ्यूज में खराबी मिलने के बाद वे सुरक्षा उपकरणों के साथ पोल पर चढ़े, लेकिन कार्य के दौरान अचानक गिर पड़े। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर करंट से जले घाव और सिर में गंभीर चोट पाई गई। संयुक्त जांच में भी यह स्वीकार किया गया कि घटना ड्यूटी के दौरान कार्यस्थल पर हुई दुर्घटना थी और मृत्यु का कारण बिजली का करंट था। इसके बाद रेलवे प्रशासन ने कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923 के तहत याची को 10,16,700 रुपये का मुआवजा दिया। हालांकि याची ने इसे अपर्याप्त बताते हुए मुआवजे में वृद्धि की मांग को लेकर हाईकोर्ट के समक्ष वर्तमान याचिका दाखिल की। इस पर रेलवे की ओर से तर्क दिया गया कि मुआवजे का निर्धारण मुआवजा कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923 की धारा 4 के अनुसार निर्धारित किया गया है। मृत कर्मचारी के परिवार को 21,33,567 रुपये के सेवा संबंधी लाभ और 25 लाख रुपये की अधिकतम अनुग्रह राशि भी दी जा चुकी है। मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि मुआवजे का निर्धारण कर्मचारी मुआवजा अधिनियम की धारा 4 और 5 के अनुसार होना चाहिए और रिकॉर्ड का अवलोकन करने पर पाया कि अनुमानित मुआवजा लगभग 27,04,422 बनता है, जो कि रेलवे द्वारा दिए गए 10,16,700 से कहीं अधिक है।

अचेत पड़े मिले पीडब्ल्यूडी कर्मी की हार्टअटैक से मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की रविवार देर रात हार्टअटैक से मौत हो गई। वह शाम को घर से खेत में फसल की देखभाल की बात कहकर निकले थे। देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने तलाश की तो वह खेत में अचेत अवस्था में मिले। उन्हें तत्काल संयुक्त जिला चिकित्सालय संतकबीरनगर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सेमरा गांव निवासी सुरेश चंद्र (53) रविवार शाम गांव के सिवान स्थित खेत की ओर गए थे। देर शाम करीब 8 बजे तक घर वापस न आने पर परिजन तलाश करने लगे तो वह खेत में अचेत अवस्था में पड़े मिले। परिजन उन्हें संयुक्त जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सुरेश चंद्र गोरखपुर में लोक निर्माण विभाग में करीब 15 वर्षों से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे।

सुरक्षा प्रबंधन में नेपाल पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका की हर ओर चर्चा

बढ़नी, सिद्धार्थनगर (अजय गुप्ता)

नेपाल चुनाव 2026

दान बहादुर कार्की, प्रहरी महानिरीक्षक।

अमृत विचार। नेपाल मे 2023 की तुलना में 2026 में सम्पन्न प्रतिनिधिसभा निर्वाचन अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सुरक्षा प्रबंधन में सुधार, सुरक्षाकर्मियों की सक्रियता तथा सुरक्षा निकायों के बीच प्रभावी समन्वय के कारण चुनाव व्यवस्थित और सुरक्षित रूप से सम्पन्न होने की बात संबंधित पक्षों ने कही है।

2023 के चुनाव के दौरान देश के विभिन्न जिलों में राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच झड़प की घटनाएं हुई थीं। बाजुरा, रुकुम और कालिकोट में हुई झड़पों में आठ लोगों की मौत हुई थी, जबकि इलाम, सर्लाही, दोलखा, दाङ, नवलपरासी पश्चिम, हुम्ला, धादिङ, ललितपुर, तनहुँ, म्याग्दी, खोटाङ और भोजपुर सहित विभिन्न जिलों में 23 लोग घायल हुए थे। इसके अलावा कई स्थानों पर विस्फोटक पदार्थ रखकर चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने के प्रयास भी किए गए थे। हालांकि 2026 के चुनाव में ऐसे गंभीर घटनाक्रम नहीं देखे गए। मतदान केन्द्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, जिससे कहीं भी बड़ा झड़प या हिंसात्मक घटना नहीं हुई। कुछ स्थानों पर सामान्य तनाव उत्पन्न हुआ, जिसे सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत नियंत्रित कर लिया। चुनाव को शांतिपूर्ण बनाने में नेपाल पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण रही। हाल की कुछ घटनाओं और आंदोलनों के कारण सुरक्षा चुनौती के बावजूद पुलिस संगठन उच्च मनोबल के साथ चुनाव सुरक्षा में सक्रिय रहा। संविधानविद् एवं कानून व्यावसाय सूर्य अधिकारी ने कहा कि प्रभावी सुरक्षा प्रबंधन ही शांतिपूर्ण चुनाव का मुख्य कारण रहा। राज्य के सुरक्षा निकायों, चुनाव प्रशासन और अन्य पक्षों के बीच समन्वय से चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

सुरक्षा विश्लेषक एवं त्रिभुवन विश्वविद्यालयका सह प्राध्यापक उमेश चन्द्र रिजाल ने बताया कि पिछले अनुभवों के आधार पर सुरक्षा रणनीति में सुधार किया गया, जिससे जोखिम को कम करने में सफलता मिली। त्रिभुवन विश्वविद्यालय से जुड़े रिजाल ने सुरक्षा योजना को वैज्ञानिक और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। अधिकारकर्मी अनेत्र खड्का ने चुनाव शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न होने में सुरक्षाकर्मियों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी बड़ी दुर्घटना या हिंसक घटना को रोकने में सुरक्षा निकायों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुरक्षा प्रबंधन के संदर्भ में नेपाल प्रहरी के आइजी दान बहादुर कार्की के नेतृत्व के बाद नेपाल पुलिस की व्यावसायिक क्षमता और कार्यकुशलता में सुधार देखा गया है। विश्लेषकों के अनुसार, प्रदेश स्तर पर अतिरिक्त महानिरीक्षकों की तैनाती और समन्वित सुरक्षा निगरानी से चुनाव शांतिपूर्ण रहा।

पूर्व पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नेतृत्व परिवर्तन के बाद संगठन में व्यावसायिकता, समान व्यवहार और सेवा सुविधाओं में सुधार हुआ है। तल्लो स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों तक समान अवसर तथा आधुनिक तकनीक के उपयोग को प्राथमिकता दी गई, जिससे पुलिस संगठन धीरे-धीरे आधुनिक प्रणाली की ओर उन्मुख हो रहा है।

समग्र रूप से निर्वाचन आयोग, सुरक्षा निकाय, प्रशासन, राजनीतिक दल तथा मतदाताओं के बीच समन्वय और जिम्मेदार भूमिका के कारण 2026 का चुनाव नेपाल के लोकतांत्रिक अभ्यास में शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित चुनाव के रूप में स्थापित हुआ है।

एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता : कृष्ण गोपाल

- जिला पूर्ति अधिकारी ने लोगों को अफवाहों से बचने की दी सलाह

कुशीनगर, अमृत विचार : जिलापूर्ति अधिकारी कृष्ण गोपाल पांडेय ने कहा है कि वर्तमान में जनपद की सभी गैस एजेंसियों पर एलपीजी रिफिल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। अत: किसी भी प्रकार की अफवाह में आकर गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न बढ़ायें। उपभोक्ता अपने गैस कनेक्शन पर रिफिल प्राप्त करने के लिए संबंधित एजेंसी/कंपनी के माध्यम से गैस की बुकिंग अवश्य कराएं। बुकिंग के उपरान्त नियमानुसार गैस रिफिल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने जनपद की समस्त गैस एजेंसियों संचालकों को निर्देशित किया है कि वे अपने प्रतिष्ठान पर सभी श्रेणियों के एलपीजी रिफिल का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखें, ताकि किसी भी उपभोक्ता को गैस आपूर्ति प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी गैस एजेंसी अथवा गोदाम में अनाधिकृत अथवा अवैध भण्डारण पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
अयोध्या–अम्बेडकरनगरवृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना (स्वीकृति प्रत्याशा में)
(ई–प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांक : 1385/3काम अयो0अम्बे0/ई–टेण्डरिंग/2026 दिनॉक: 06.03.2026

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से मार्ग कार्य में लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से प्रतिशत दर के आधार पर दिनांक 10.03.2026 से दिनांक 17.03.2026 के दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड दिनांक 17.03.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार के प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति के सदस्यों द्वारा ऑनलाइन खोली जाएगी। टेक्निकल बिड में क्वालीफाईड पाए गए ठेकेदारों की फाइनेन्शियल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जाएगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश की दशा में प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं फाइनेन्शियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जाएगी। जनपद बाराबंकी के निम्न विधानसभा क्षेत्र में विकासखण्ड क्षेत्रान्तर्गत राजकीय हैलीकाप्टर के सुरक्षित लैडिंग एवं टैक आफ हेतु स्थायी हैलीपैड का निर्माण कार्य। कार्य का विवरण निम्नवत् हैः–

क्रम सं.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पात्र ठेकेदार की श्रेणी	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	बाराबंकी	जनपद बाराबंकी के विधानसभा जैदपुर के अन्तर्गत तहसील नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत राजकीय हैलीकाप्टर के सुरक्षित लैडिंग एवं टैक आफ हेतु स्थायी हैलीपैड का निर्माण कार्य।	80.00	6.000	2714.00	6माह	A, B	अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड नं0–1, लो0नि0वि0, बाराबंकी	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0–अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या
2	बाराबंकी	जनपद बाराबंकी के विधानसभा रामनगर के अन्तर्गत तहसील रामनगर के क्षेत्रान्तर्गत विकासखण्ड रामनगर में राजकीय हैलीकाप्टर के सुरक्षित लैडिंग एवं टैक आफ हेतु स्थायी हैलीपैड का निर्माण कार्य।	81.50	6.07	2714.00	6माह	A, B	–	–	–
3	बाराबंकी	जनपद बाराबंकी के विधानसभा रामनगर के तहसील सिरौलीगौसपुर में विकासखण्ड क्षेत्रान्तर्गत सिरौलीगौसपुर के अन्तर्गत राजकीय हैलीकाप्टर के सुरक्षित लैडिंग एवं टैक आफ हेतु स्थायी हैलीपैड का निर्माण कार्य।	67.00	5.35	2714.00	6माह	A, B	–	–	–
4	बाराबंकी	जनपद बाराबंकी के विधानसभ दरियाबाद के अन्तर्गत तहसील रामसनेहीघाट क्षेत्रान्तर्गत राजकीय हैलीकाप्टर के सुरक्षित लैडिंग एवं टैक आफ हेतु स्थायी हैलीपैड का निर्माण कार्य।	76.00	5.80	2714.00	6माह	A, B	–	–	–
5	बाराबंकी	जनपद बाराबंकी के विधानसभ दरियाबाद के अन्तर्गत तहसील रामसनेहीघाट के ब्लाक पुरेडलई क्षेत्रान्तर्गत राजकीय हैलीकाप्टर के सुरक्षित लैडिंग एवं टैक आफ हेतु स्थायी हैलीपैड का निर्माण कार्य।	85.80	6.29	2714.00	6माह	A, B	–	–	–

3 निविदा से सम्बन्धित समस्त अभिलेख वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 10.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे से 17.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक ऑनलाईन सबमिट (अपलोड) किया जा सकता है। आनलाईन प्राप्त समस्त निविदाएं दिनांक 17.03.2026 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी। ठेकेदारों से अपेक्षित है कि वे उक्त वेबसाईट को नियमित रूप से देखते रहें, ताकि किसी प्रकार के संशोधन/शुद्धि की स्थिति की जानकारी उनको समय से प्राप्त हो सके।
4 निविदादाताओं द्वारा आनलाईन निविदा की अपलोडिंग/डाउनलोडिंग तथा समस्त प्रपत्रों को शासनादेश सं0–3070/78–2–2018–42 आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 के अनुसार जमा किया जाएगा।
5 निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न .निविदा सूचना में उपलब्ध है।

(इं0 दीपक कुमार चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0
बाराबंकी

(इं0 ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता
अयो0/अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0 अयोध्या
For and behalf of Governor of UP

UP-247642 दिनांक 09.03.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

चार करोड़ के विकास कार्यों पर मुहर

संवाददाता, संतकबीरनगर

बैठक में मौजूद सदर विधायक अंकुर राज तिवारी, ब्लॉक प्रमुख सदर प्रमिला देवी, प्रतिनिधि नित्यानंद व अन्य जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

अमृत विचार। खलीलाबाद विकास खंड सभागार में सोमवार को क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक ब्लॉक प्रमुख प्रमिला देवी की अध्यक्षता में हुई। इसमें ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं क्षेत्र के विकास को लेकर आगामी सत्र के लिए करीब 4 करोड़ के विकास कार्यों पर मुहर लगाई गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे सदर विधायक अंकुर राज तिवारी ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा और किसी भी कार्य में बाधा नहीं आने दी जाएगी। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नित्यानंद ने बताया कि खलीलाबाद ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम सभाओं में लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में विकास कार्य अधूरे हैं या लंबित पड़े हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराया जाएगा।

नगर क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए : डीएम

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सिद्धार्थ मीटिंग हॉल में नगर निकायों के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नगर क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। नियमित रूप से कूड़ा उठान, नालियों की सफाई तथा सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नगरवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि कहीं भी कूड़े का ढेर दिखाई नहीं देना चाहिए और स्वच्छता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। जिलाधिकारी ने नगर निकायों में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुणे-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का हर दिन 22 फेरों का संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुये 01415/01416 पुणे–गोरखपुर–पुणे होली विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 10 से 31 मार्च तक तथा गोरखपुर से 11 मार्च से 01 अप्रैल तक प्रतिदिन 22 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

ट्रेनों का संचलन बदला

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर रेलवे के रायवाला–देहरादून खण्ड पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण 10 मार्च से अगस्त माह तक गाड़ियों को नियंत्रित एवं पुनर्निर्धारित कर चलाया जायेगा। 14119 काठगोदाम–देहरादून एक्सप्रेस पूर्वोत्तर रेलवे पर 30 मिनट तथा शेष उत्तर रेलवे पर नियंत्रित कर चलाई जायेगी। 15119 बनारस–देहरादून एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

होली विशेष गाड़ी का संचलन बढ़ाने का निर्णय

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा होली त्यौहार पर यात्री जनता की मांग पर पूर्व से चलाई जा रही 04014/04013 आनन्द विहार टर्मिनस-लौकहा बाजार-आनन्द विहार टर्मिनस वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन आनन्द विहार टर्मिनस से 10 से 15 मार्च तक तथा लौकहा बाजार से 11 से 16 मार्च तक 06 अतिरिक्त फेरों के लिये बढ़ाया जा रहा है। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 10, साधारण द्वितीय श्रेणी के 05 तथा एस.एल.आर.के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। इसके अलावा 05140/05139 प्रयागराज रामबाग-अयोध्या कैंट-प्रयागराज रामबाग वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन प्रयागराज रामबाग से 11 से 20 मार्च तक तथा अयोध्या कैंट से 12 से 21 मार्च तक प्रतिदिन 10 अतिरिक्त फेरों के लिये बढ़ाया जा रहा है।

05140 प्रयागराज रामबाग-अयोध्या कैंट होली विशेष गाड़ी 11 से 20 मार्च तक प्रतिदिन प्रयागराज रामबाग से 18.05 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 05, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 15 कोच लगाये जायेंगे।

01079/01080 मुम्बई छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस-गोरखपुर-मुम्बई छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस होली विशेष गाड़ी का संचलन मुम्बई छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस से 10 से 31 मार्च तक तथा गोरखपुर से 12 मार्च से 02 अप्रैल तक प्रतिदिन 22 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 09, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

युवा अपनी उड़ान को मजबूत रखें : एसडीएम

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। अपनी उड़ान को मजबूत बनाकर ही कार्य करें। चाहत के बगैर हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं। लक्ष्य बनाकर कठिन परिश्रम से ही तैयारी करना लाभदायक होगा।ज्ञान ही दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति है। उक्त जानकारी एसडीएम कुणाल ने डॉ राम मनोहर लोहिया पीजी कॉलेज इटवा पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर दिया है।

बतौर मुख्य अतिथि कहा कि जब हम समाज के करीब जाते हैं तब हमें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलता है। मूलमंत्र हमारे पीछे छूट जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना में बच्चे स्वयं के प्रेरणा से ही कार्य करते हैं। अपने अवसर का प्रयोग गैप को भरने में करें।आप मे जब तक चाहत नहीं होगा तब तकआगे नहीं बढ़ सकते हैं। हर व्यक्ति का अपना महत्व है। समाज मे हमारा जरूरत है। अपने दायित्वों का अच्छी तरह से निर्वहन करें। हमारी उड़ान बहुत मजबूत होनी चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सामाजिक चेतना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे शिविर के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा जागरूकता और सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई इकाई, महारानी अहिल्या बाई होलकर इकाई एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इकाई के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस 9 मार्च 2026 पर जनजागरण एवं स्वच्छता अभियान के साथ बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। स्वयंसेवक–स्वयंसेविकाओं ने शिविर स्थल की स्वच्छता के पश्चात ग्राम संग्रामपुर में जनसंपर्क कर स्वच्छता, सेवा भाव एवं जनसहभागिता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया।

19 को आधे घंटे तक बंद रहेगा रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन के दौरान आधे घंटे पहले राम मंदिर में आम श्रद्धालुओं का दर्शन पूजन बंद रहेगा। दोपहर 12 से एक बजे तक रोज की तरह भोग व विश्राम के लिए कपाट बंद रहने के बाद पुनः दर्शन पूजन प्रारंभ हो जाएगा। राष्ट्रपति 19 मार्च को अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे राष्ट्रपति वैदिक आचार्यों के वेद मंत्रोच्चारण के बीच श्रीराम यंत्र की स्थापना करेंगी। उनके मंदिर पहुंचने के पूर्व करीब 11:30 बजे मंदिर में आम श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया जाएगा। 11:30 से 12 बजे तक राष्ट्रपति रामलला का दर्शन-पूजन कर आरती उतारेंगी। इसके बाद राम दरबार में भी दर्शन-पूजन करेंगी। वहीं द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र स्थापना अनुष्ठान कार्यक्रम में लगभग एक घंटे मौजूद रहेंगी। जिसके बाद परिसर स्थित अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगी। इस दिन 11:30 से दोपहर एक बजे तक के समय को छोड़ अन्य समय आम श्रद्धालु दर्शन पूजन कर सकेंगे।

ईरान के तेल भंडारों पर हमलों से अमेरिका इजराइल पर नाराज

ईरान युद्ध में दोनों देशों के बीच उभरी बड़ी असहमति, अमेरिकी अधिकारियों को ऐसे हमलों से वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि होने की आशंका

वॉशिंगटन/तेल अवीव, एजेंसी

ईरान के ईंधन भंडार स्थलों पर शनिवार को किए गए इजराइली हवाई हमलों के बाद अमेरिका और इजराइल के बीच मतभेद पैदा हो गए हैं। ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को संयुक्त सैन्य अभियान शुरू होने के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली बड़ी असहमति मानी जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, इजराइल ने हमलों की योजना के बारे में अमेरिकी प्रशासन को पहले ही सूचित तो किया था, लेकिन अभियान का पैमाना अनुमान से कहीं अधिक बड़ा निकला, इससे अमेरिका नाराज है।

इजराइली वायुसेना ने शनिवार को ईरान में लगभग 30 ईंधन डिपो को निशाना बनाया, जिससे राजधानी तेहरान में बड़े पैमाने पर आग लग गई और शहर के कई हिस्सों में दूर तक धुआं दिखाई दिया। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) के अधिकारियों के अनुसार इन डिपो का उपयोग ईरान सरकार विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर सैन्य इकाइयों को ईंधन आपूर्ति के लिए कर रही थी। एक इजराइली सैन्य अधिकारी के मुताबिक इन हमलों का उद्देश्य यह संदेश देना भी था कि ईरान को इजराइल के नागरिक ढांचे पर हमले बंद करने चाहिए। उधर, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अभियान का व्यापक पैमाना उनके लिए अप्रत्याशित था।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने इन हमलों को अप्रत्याशित बताते हुए कहा कि अमेरिका इसे अच्छा कदम नहीं मानता। व्हाइट हाउस और आईडीएफ ने इस मतभेद पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। अमेरिकी अधिकारियों को चिंता है कि ईंधन भंडार स्थलों पर हमलों की तस्वीरें वैश्विक ऊर्जा बाजारों में चिंता पैदा कर सकती हैं और तेल की कीमतों में ज्यादा वृद्धि का कारण बन सकती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के एक सहयोगी ने कहा कि ऊर्जा बाजारों को प्रभावित करने वाले हमले अमेरिकी मतदाताओं को बढ़ती ईंधन कीमतों की याद दिला सकते हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार हमलों के दायरे को लेकर अमेरिका और इजराइल के बीच मतभेदों पर जल्द ही दोनों देशों के वरिष्ठ स्तर पर चर्चा होने की संभावना है।

ऊर्जा ढांचों पर हमले जारी रहे तो 200 डॉलर पार पहुंचेगी तेल की कीमतें

इस बीच, ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी रहे तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

ईरान ने दी चेतावनी

खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि ईरान अब तक क्षेत्रीय तेल और ईंधन प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने से बचता रहा है, लेकिन हमले जारी रहने पर वह अपनी नीति पर पुनर्विचार कर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान क्षेत्र की ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाता है तो वैश्विक तेल कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। ईरान के वरिष्ठ नेता मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने भी कहा कि यदि बुनियादी ढांचे पर हमले जारी रहे तो ईरान बिना देरी के जवाब देगा।

नेतन्याहू की सहमति से लूंगा ईरान में युद्ध खत्म करने का फैसला: ट्रंप

वॉशिंगटन/तेल अवीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने का कोई भी निर्णय वह और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू मिलकर करेंगे। टाइम्स ऑफ इजराइल ने ट्रंप के हवाले से कहा कि यदि वह नेतन्याहू के साथ न होते तो ईरान इजराइल को नष्ट कर देता।

- नेतन्याहू के साथ न होता तो इजराइल को खत्म कर देता ईरान

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों ने मिलकर ऐसे देश को कमजोर किया है जो इजराइल को खत्म करना चाहता था। ट्रंप ने युद्ध के समर्थन को लेकर इजराइल में दिख रहे माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि ईरान के नेतृत्व की अलोकप्रियता को देखते हुए उन्हें इस समर्थन पर आश्चर्य नहीं है। उन्होंने नेतन्याहू की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि वह न होते तो आज इजराइल का अस्तित्व नहीं होता। अमेरिका के राष्ट्रपति ने युद्ध समाप्त करने के सवाल पर कहा कि इस मामले में निर्णय आपसी विचार-विमर्श से लिया जाएगा, हालांकि अंतिम निर्णय उनका होगा। उन्होंने कहा कि दोनों नेता लगातार बातचीत कर रहे हैं और सही समय पर निर्णय लिया जाएगा। उनसे जब पूछा गया कि क्या अमेरिका के युद्धविराम के बाद भी इजराइल ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रख सकता है तो ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ऐसी स्थिति आएगी।

न्यूयॉर्क मेयर के आवास के पास फेंके गए विस्फोटकों की जांच

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर की पुलिस आयुक्त ने सोमवार को कहा कि अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या न्यूयॉर्क शहर के मेयर के आवास के बाहर हुए प्रदर्शन में विस्फोटक उपकरण लाने वाले लोग आईएसआईएस से प्रेरित थे। ये बम शनिवार को ग्रेसी मेंशन के पास 'न्यूयॉर्क शहर पर इस्लामी कब्जा रोको' नामक एक कार्यक्रम के जवाब में हुए प्रदर्शन के दौरान फेंके गए थे, हालांकि इनमें विस्फोट नहीं हुआ। यह कार्यक्रम धुर दक्षिणपंथी कार्यकर्ता जेक लैंग के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।

सऊदी अरब में किसी भारतीय की जान नहीं गई: भारतीय दूतावास

दुबई। सऊदी अरब में एक आवासीय परिसर पर हुए मिसाइल हमले में किसी भी भारतीय की मौत नहीं हुई है। रियाद में भारतीय दूतावास ने सोमवार को यह जानकारी दी। दूतावास ने कहा कि रविवार को इस घटना में घायल हुए एक भारतीय नागरिक का सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में 'सऊदी सिविल डिफेंस' ने कहा, सभी अंतिम प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद, इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया है कि दो मृतक बांग्लादेशी हैं, 11 घायल व्यक्ति बांग्लादेश से हैं और एक घायल भारतीय नागरिक है।

वर्ल्ड ब्रीफ

22 राज्यों में 62 रेस्त्रां पर छापे, 408 करोड़ छिपाने का खुलासा

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने देश के विभिन्न राज्यों में 62 रेस्त्रां पर छापेमारी की है जिसमें 408 करोड़ रुपये का राजस्व छिपाने की बात सामने आई है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 8 मार्च को 22 राज्यों के 46 शहरों में आयकर विभाग ने ये छापेमारी की थी। जांच में पाया गया कि रेस्त्रां अपनी बिक्री को कम करके दिखा रहे थे और कुछ बिल को पूरी तरह से रिकॉर्ड से हटा दिया गया था। प्राथमिक जांच में 408 करोड़ रुपये की बिक्री कम करके दिखाने की बात सामने आई है। मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि विभाग ने पिछले साल नवंबर में खान-पान सेक्टर की कर चोरी के तौर-तरीकों की जांच की थी। एआई की मदद से 1.77 लाख रेस्त्रां के लेनदेन के आंकड़ों के विस्तृत विश्लेषण में पाया गया था कि बेड़े पैमाने पर बिक्री को कम करके दिखाया जा रहा है।

इजराइली हमलों के बीच लेबनान में संसद का कार्यकाल बढ़ाया

बेरूत। लेबनान की संसद ने ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल युद्ध के कारण सोमवार को संसद का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया। इस युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और इजराइल आतंकवादी समूह हिज्बुल्ला के हमलों के जवाब में लेबनान पर हमले तेज कर रहा है। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि 76 सांसदों ने संसद का कार्यकाल बढ़ाने के पक्ष में जबकि 41 ने विरोध में वोट डाला और चार सदस्य अनुपस्थित रहे। संसद में हिज्बुल्ला के 13 सदस्यीय समूह ने कार्यकाल बढ़ाने के पक्ष में वोट डाला। पिछले साल इजराइल के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से लेबनान में पांच लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और देश के अधिकतर हिस्सों में चुनाव कराना मुश्किल हो गया है। लेबनान में मई में संसदीय चुनाव होना है।

दिल्ली में डीटीसी बस ने कई वाहनों को ठोंका, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के निहाल विहार में सोमवार को एक तेज रफ्तार डीटीसी बस ने कई वाहनों को टक्कर मार दी जिससे दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद उग्र भीड़ ने संबंधित बस में तोड़फोड़ की और एक अन्य डीटीसी बस में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि चालक को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में शामिल बस के चालक दीपक को पकड़ लिया गया है और पूछताछ जारी है। मृतकों की पहचान रविकांत (32) और कमलजीत (39) के रूप में हुई है। इस दुर्घटना में 20 वर्षीय एक महिला और 23 वर्षीय एक पुरुष घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि उन्हें निहाल विहार स्थित मानसा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि वे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं ताकि यह पुष्टि हो सके कि यह लापरवाही से वाहन चलाने या किसी तकनीकी खराबी का मामला था।

जांच रिपोर्ट में दावा... अमेरिका ने किया था ईरान के स्कूल पर हमला

यरूशलम। खोजी पत्रकारिता करने वाले नीदरलैंड स्थित समूह ''बैलिंगकैट'' का कहना है कि हाल में जारी किया गया एक वीडियो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे का खंडन करता है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की शुरुआत में एक ईरानी स्कूल में हुए विस्फोट के लिए ईरान खुद जिम्मेदार था, जिसमें 165 से अधिक बच्चियां मारी गई थीं।

यह दावा ऐसे समय किया गया है जब कई सबूत 28 फरवरी को हुए हमले में अमेरिका की संलिप्तता की ओर इशारा कर रहे हैं। हमले में ईरान के दक्षिणी प्रांत होर्मोजगान के मीनाब स्थित रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक अड्डे के पास स्कूल को निशाना बनाया गया था। विशेषज्ञों ने उपग्रह तस्वीरों के विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि स्कूल परिसर पर बम गिराए गए थे। बैलिंगकैट द्वारा साझा किया गया वीडियो, स्कूल पर हमले वाले दिन का तीन सेकंड का एक छोटा सा 'क्लिप' है, जिसे ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी ''मेहर'' ने रविवार को प्रसारित किया था। वीडियो में एक इमारत पर बम गिरते हुए दिखाया गया है, जिससे काले धुएं का गुबार छा जाता है। बैलिंगकैट के शोधकर्ता ट्रेवर बॉल ने वीडियो की भौगोलिक स्थिति का पता लगाया और पाया कि यह स्कूल के पास का है। इस गोला-बारूद की पहचान टोमाहॉक क्रूज मिसाइल के रूप में की गई, जिसके बारे में माना जाता है कि इस युद्ध में यह केवल अमेरिका के पास ही है।

- खोजी पत्रकारिता करने वाले समूह बैलिंगकैट ने लगाया पता, स्कूल पर की गई बमबारी में मारी गई थीं 165 बच्चियां

बता दें कि शनिवार को जब एक पत्रकार ने ट्रंप से पूछा कि क्या इस विस्फोट के लिए अमेरिका जिम्मेदार है, जिसमें ज्यादातर बच्चे मारे गए तो ट्रंप ने बिना कोई सबूत दिए जवाब दिया, नहीं, मेरी राय में, मैंने जो देखा है उसके आधार पर, यह ईरान द्वारा किया गया था। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका इसकी जांच कर रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि यह हमला संभवतः अमेरिका द्वारा किया गया था। बैलिंगकैट के विश्लेषण पर सोमवार को किए गए अनुरोधों का न तो अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड और न ही इजराइली सेना ने कोई जवाब दिया।

हंगरी ने की मांग, रूस के ऊर्जा आयात पर लगे प्रतिबंध हटाए यूरोपीय यूनियन

बुडापेस्ट। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्तो ने यूरोपीय संघ (ईयू) से रूस से ऊर्जा आयात पर लगाए गये प्रतिबंध को हटाने की मांग की है और चेतावनी दी है कि पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के कारण यूरोप में ऊर्जा की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं।

- चेतावनी दी, प्रतिबंध न हटाया गया तो यूरोप में तेजी से बढ़ेंगी ऊर्जा कीमतें

सिज्जार्तो ने कहा कि यूरोपीय संघ को रूसी तेल और गैस आयात पर लगे प्रतिबंध को तुरंत हटाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया में युद्ध की स्थिति बिगड़ने और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा खतरे में पड़ गया है। उन्होंने कहा कि यूरोप विशेष रूप से संवेदनशील स्थिति में है क्योंकि यूरोपीय संघ पहले ही रूसी ऊर्जा आयात पर प्रतिबंध लगा चुका है। अब पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण वैश्विक आपूर्ति और सख्त हो गई है, जिससे कीमतों में तेज वृद्धि का खतरा बढ़ गया है। श्री सिज्जार्तो ने चेतावनी दी कि यदि प्रतिबंध जारी रहते हैं तो इससे यूरोपीय नागरिकों और यूरोपीय अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता यूरोपीय लोगों के हितों की रक्षा होनी चाहिए, न कि वैचारिक नीतियों की। उन्होंने यह भी कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण यूरोप में तेल की आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

पाकिस्तान में वर्क फ्रॉम होम चार दिवसीय कार्य सप्ताह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान पर युद्ध के प्रभावों को कम करने के लिए सोमवार को कई उपायों की घोषणा की, जिसमें घर से काम करना और चार दिवसीय कार्य सप्ताह शामिल हैं। शरीफ ने सरकारी पीटीवी और अन्य निजी चैनल के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि वह देश के लोगों को ऐसे समय संबोधित कर रहे हैं जब पूरा क्षेत्र युद्ध के खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध का प्रभाव सीमाओं से परे होता और अन्य देशों पर पड़ता है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था खाड़ी से तेल आपूर्ति पर निर्भर है और तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण देश को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ईरान ने इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर किए नए हमले

तेहरान। ईरान ने सोमवार को पश्चिमी एशिया में अमेरिकी और इजराइली ठिकानों पर नए हमले किए। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' पूरी तरह सफल रहा। क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों और इजराइल कब्जे वाले उत्तरी क्षेत्रों में एक साथ हमला किया गया। इस ऑपरेशन में रणनीतिक ड्रोनों के अलावा खुर्रमशहर, फतह और खैबर मिसाइलों का उपयोग किया गया। बताया गया कि ये हमले नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के चुनाव के साथ ही किए गए। इस बीच, बहरीन के नेशनल कम्युनिकेशन सेंटर ने बताया कि ईरानी हमले के बाद मामीर गांव में बहरीन पेट्रोलियम कंपनी के एक केंद्र में आग लग गई। हालांकि, आग से कोई भौतिक नुकसान नहीं हुआ।

बेत शेमेश

यहूदी उपासना स्थल और अमेरिकी दूतावास के बाहर विस्फोटों के बाद यूरोपीय देश अलर्ट पर

ब्रुसेल्स। बेल्जियम के आंतरिक मामलों के मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन ने सोमवार को कहा कि पूर्वी शहर लीज में एक यहूदी उपासना स्थल के पास रात के समय हुआ विस्फोट एक घृणित यहूदी विरोधी कृत्य था और इसकी जांच की जा रही है। वहीं पश्चिम एशिया में युद्ध को देखते हुए यूरोप के कई देशों ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

लीज पुलिस ने बताया कि सिनेगॉग के बाहर तड़के विस्फोट हुआ। इसमें कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन एक इमारत को नुकसान पहुंचा। क्विंटिन ने कहा, इस तरह के अन्य स्थलों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। उन्होंने विस्फोट और ईरान युद्ध के बीच कोई संबंध नहीं बताया। बेल्जियम, फ्रांस और जर्मनी उन यूरोपीय देशों में शामिल हैं जिन्होंने कहा है कि वे सुरक्षा बढ़ाने का इरादा रखते हैं और इस पर भी जोर दिया कि वे संघर्ष में अमेरिका और इजराइल के साथ खड़े होकर कोई सक्रिय भूमिका नहीं निभा रहे हैं।

सऊदी अरब छोड़कर अपने देश लौटें अमेरिकी नागरिक : अमेरिकी दूतावास

रियाद। सऊदी अरब स्थित अमेरिकी दूतावास ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अमेरिकी नागरिकों से अपने देश लौटने की अपील करते हुए कहा गया है कि अगर वे उपलब्ध विकल्प का फायदा उठाना चाहते हैं तो सरकार पश्चिम एशिया छोड़ने में उनकी मदद करने के लिए तैयार है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह विकल्प उन अमेरिकियों को दिया जा रहा है जो पश्चिम एशिया छोड़ना चाहते हैं। वाणिज्यिक विमानों के अलावा सरकार उनके लिए समन्वित उड़ानों का इंतजाम कर रही है जिन्होंने संकटग्रस्त स्थिति से बचाव संबंधी फॉर्म भर दिया है। दूतावास ने कहा कि जो अमेरिकी देश नहीं छोड़ना चाहते हैं, उन्हें किसी सुरक्षित जगह पर रहने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में अधिकतम तीन चरणों में कराएं चुनाव : भाजपा

कोलकाता, एजेंसी

- निर्वाचन आयोग की राजनीतिक दलों के साथ बैठक में की मांग
- टीएमसी ने लगाया सीईसी पर बात न सुनने का आरोप

पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर जारी राजनीतिक रस्साकशी सोमवार को निर्वाचन आयोग की चुनाव पूर्व परामर्श बैठक में भी देखने को मिली, जब विभिन्न दलों ने आयोग से अलग-अलग मुलाकात की। तृणमूल कांग्रेस ने मतदाताओं को परेशान करने का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने अधिकतम तीन चरणों में चुनाव कराने पर जोर दिया।

कोलकाता के पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित न्यू टाउन के एक होटल में हुई चर्चा में, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस, विपक्षी भाजपा के अलावा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), कांग्रेस और अन्य दलों के प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की तथा अपनी चिंताओं को उनके समक्ष रखा। यह परामर्श बैठक एसआईआर को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस तथा विपक्षी भाजपा और निर्वाचन आयोग के बीच बढ़ते टकराव की पृष्ठभूमि में हुई। एसआईआर की कवायद मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर किए जाने के आरोपों और घुसपैठ तथा चुनावी निष्पक्षता के बारे में जवाबी दावों का कारण बनी है।

कोलकाता में राजनीतिक दलों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन आयुक्त।

आयोग के साथ हुई बैठक से बाहर आने के बाद, तृणमूल ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा है और दावा किया कि बातचीत के दौरान उनकी चिंताओं को पर्याप्त रूप से नहीं सुना गया। पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि उन्हें इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताते समय चिल्लाने से मना किया गया। उन्होंने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं एक महिला हूं और मुझसे कहा गया कि चिल्लाओ मत। जब हम लोगों के अधिकारों की बात कर रहे हैं तो मुझे अपनी आवाज क्यों नहीं उठानी चाहिए। भट्टाचार्य ने कहा कि जब भी पार्टी ने एसआईआर प्रक्रिया पर चिंता जताने की कोशिश की, आयोग ने जवाब में कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है जहां तृणमूल ने इस प्रक्रिया को चुनौती दी है। उन्होंने कहा, अगर ऐसा है तो उन्होंने हमें बैठक के लिए क्यों बुलाया।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के साथ अपनी अलग बैठक में सुरक्षा माहौल और चुनाव संचालन पर केंद्रित अलग-अलग मुद्दे उठाए। पार्टी ने मांग की कि विधानसभा चुनाव तीन चरणों से अधिक में न कराए जाएं, क्योंकि उनका तर्क था कि लंबे समय तक चलने वाला मतदान कार्यक्रम असामाजिक तत्वों की आवाजाही को आसान बना सकता है। माकपा ने भी आयोग से अलग मुलाकात की और मांग की कि चुनाव एक ही चरण में कराया जाए।

मेघालयः गारो हिल्स के 37 गांवों में कर्फ्यू

शिलांग। मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स प्रशासन ने स्वायत्त जिला परिषद चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया में गैर-आदिवासियों की भागीदारी पर गैर-सरकारी संगठनों के विरोध के बाद संवेदनशील 37 गांवों में सोमवार को रात का कर्फ्यू लगा दिया। नौ मार्च से 16 मार्च तक निर्धारित नामांकन अवधि के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्रों में शाम छह से सुबह छह बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा।

दुनियाभर में भारत दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक

नई दिल्ली, एजेंसी

- स्वीडन की संस्था एसआईपीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में किया खुलासा

स्वीडन के थिंक टैंक एसआईपीआरआई ने सोमवार को एक नई रिपोर्ट में कहा कि भारत 2021 से 2025 तक हथियारों और सैन्य उपकरणों का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक था और इनका एक बड़ा हिस्सा रूस से आयात हुआ। स्टॉकहॉम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट (एसआईपीआरआई) ने कहा कि 2021 से 2025 तक दुनियाभर में जितने हथियारों का निर्यात हुआ, उनमें से 9.7 प्रतिशत यूक्रेन को मिला, इस लिहाज से वह इस अवधि के दौरान शीर्ष पर रहा।

थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट 'ट्रेंड्स इन इंटरनेशनल आर्म्स ट्रांसफर्स' में बताया है कि चीन घरेलू उत्पादन में विस्तार के कारण 1991-1995 के बाद पहली बार शीर्ष 10 हथियार आयातकों की सूची से बाहर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-25 के दौरान सभी अंतरराष्ट्रीय हथियार निर्यातों में से 42 प्रतिशत की आपूर्ति अमेरिका ने की, जो 2016 से 2020 में 36 प्रतिशत थी। एशिया और ओशिनिया के चार देश- भारत, पाकिस्तान, जापान और ऑस्ट्रेलिया- 2021 से 2025 के बीच वैश्विक स्तर पर हथियारों के 10 सबसे बड़े आयातकों में शामिल थे। साल 2021 से 2025 के बीच इस क्षेत्र में मुख्य आपूर्तिकर्ता अमेरिका था, जिसकी क्षेत्रीय हथियार आयात में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। रूस की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत और चीन की 14 प्रतिशत थी।

एसआईपीआरआई ने कहा, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक था। वर्ष 2016 से 2020 और 2021 से 2025 के बीच इसके आयात में मामूली (चार प्रतिशत) कमी आई। कहा गया है, भारत के हथियार आयात का सबसे बड़ा हिस्सा रूस से आया, जो 40 प्रतिशत था। यह 2016-20 (51 प्रतिशत) की तुलना में काफी कम हिस्सा है और 2011-15 (70 प्रतिशत) की तुलना में लगभग आधा है।

सुप्रीम फैसला | केंद्र ने दी सदस्यों की नियुक्ति के लिए नया विधेयक लाने की जानकारी

न्यायाधिकरणों के सदस्यों का कार्यकाल बढ़ाने को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसमें देश के विभिन्न न्यायाधिकरणों के उन अध्यक्षों और सदस्यों का कार्यकाल आठ सितंबर तक बढ़ाने की बात कही गई है, जो जल्द सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह प्रस्ताव उस वक्त मंजूर कर लिया जब अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने अवगत कराया कि केंद्र न्यायाधिकरणों के कामकाज और उनके सदस्यों की नियुक्ति से संबंधित एक नया विधेयक लाने पर विचार कर रहा है और यह विधेयक संसद के मौजूदा बजट सत्र या मानसून सत्र में लाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर सरकार के विभिन्न स्तरों पर अभी विचार-विमर्श चल रहा है, इसलिए न्यायाधिकरणों के कामकाज में किसी तरह की परेशानी या भ्रम न हो, इस कारण जो सदस्य इस बीच सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उनके कार्यकाल को इस वर्ष आठ सितंबर तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

अटॉर्नी जनरल ने कहा कि विधेयक पर विचार के दौरान हम किसी भी प्रकार की रुकावट नहीं चाहते। न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम 2021 के तहत नियुक्त सभी सदस्य अपने पदों पर बने रहेंगे। अगले सितंबर तक, या तो इस बजट सत्र में या मानसून सत्र में, एक नया विधेयक पारित होने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि इस बीच लगभग 21 सदस्य सेवानिवृत्त होने वाले हैं। वेंकटरमणी ने कहा कि नया विधेयक पिछले वर्ष के फैसले के अनुरूप होगा और इससे विभिन्न न्यायाधिकरणों में कामकाज तथा सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया को अधिक सुचारु बनाया जा सकेगा।

मां के साथ रूस गए बच्चे को पिता से मिलाने का प्रयास करे केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र से उस बच्चे का पता लगाने और उसे उसके भारतीय पिता से वर्चुअल माध्यम से मिलाने के प्रयास करने को कहा, जिसे उसकी मां रूस ले गई है। बच्चे की अभिरक्षा को लेकर रूसी महिला और उसके भारतीय पति के बीच अदालत में मुकदमा चल रहा है, इस बीच महिला बच्चे को अपने साथ लेकर मॉस्को चली गई। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि महिला और उसके बेटे के ठिकाने को गुप्त रखा जा सकता है। कोर्ट ने रूस स्थित भारतीय दूतावास से भी अनुरोध किया कि वे सीमित उद्देश्य से महिला और बच्चे का पता लगाने के लिए वहां के अधिकारियों से इस मामले पर बात करें।

जिंदगी में दो तरह की ट्रेजेडी हैं। एक है अपने दिल की ख्वाहिश खो देना और दूसरी है उसे पा लेना।
–जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, आयरिश लेखक

क्रिकेट शिखर पर तिरंगा

भारतीय क्रिकेट ने वह कर दिखाया, जो अब तक इस क्षेत्र में असंभव माना जाता था। 2024 में बारबाडोस की जीत के बाद, 2026 में खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड करना न केवल भारतीय टीम के कौशल को दर्शाता है, बल्कि यह विश्व क्रिकेट में भारत के पूर्ण वर्चस्व की घोषणा भी है। 2007, 2024 और 2026 के तीन टी-20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने वाला पहला देश बनकर टीम इंडिया ने विश्व क्रिकेट के शिखर पर अपना तिरंगा गहराई तक गाड़ दिया है। विश्व विजेता बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बधाई मात्र शिष्टाचार नहीं, उस 'स्पोर्टिंग कल्चर' की स्वीकारोक्ति और सराहना है, जिसे देश ने हाल के वर्षों में आत्मसात किया है।

भारत का यह वर्चस्व रातों-रात नहीं आया है। इसके पीछे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की कुशल प्रबंधन रणनीति और सरकार का खेल-अनुकूल दृष्टिकोण रहा है। आज भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट ढांचा है। बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी, 40 एकड़ में फैली 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' जो दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र है, जिसमें 45 पिचें, इनडोर सुविधाएं और रिकवरी सिस्टम हैं। इसके अलावा छोटे शहरों तक फैले अत्याधुनिक स्टेडियमों, स्तरीय कोचिंग केंद्रों ने भी प्रतिभाओं को निखारने का काम किया है। आईपीएल ने भारतीय खिलाड़ियों को दबाव सोखने और अंतर्राष्ट्रीय दिग्गजों के साथ खेलने का जो अनुभव प्रदान किया, उसी का परिणाम है कि आज भारत के पास एक नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग 'ए' श्रेणी की टीमें तैयार हैं। इन्ही सब के चलते 19 बरस से कम क्रिकेटरों के भी विश्वविजेता हम ही हैं तथा महिला क्रिकेट भी बेहद तेजी से प्रगति कर रहा है। उसके पास भी विश्व खिताब है। आज आक्रामक क्रिकेट और डाटा एनालिटिक्स के इस्तेमाल ने भारत को आधुनिक क्रिकेट का अगुआ बना दिया है। यह नया खिताब इस बात की तस्दीक करता है कि भारतीय टीम अब केवल प्रतिभा पर नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था पर टिकी है, जो चैंपियंस पैदा करना जानती है। भारत अब क्रिकेट का सबसे बड़ा बाजार ही नहीं, वह विश्व क्रिकेट का 'पॉवर हाउस' है। भारत के दमदार और आकर्षित करने वाले प्रदर्शनों ने एशियाई उपमहाद्वीप में ही नहीं संसार भर में इस खेल के प्रति लोगों का आकर्षण और लोकप्रियता को बढ़ाया है। भारत की सफलता ने ओलंपिक जैसे वैश्विक मंचों पर क्रिकेट को शामिल करने की राह को और अधिक पुख्ता किया है, जिससे 2028 के ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पक्की हुई। यह कहना उचित ही है कि भारतीय क्रिकेट वित्तीय शक्ति और मैदानी वर्चस्व का दुर्लभ संगम है।

यह जीत छोटे शहरों के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और इससे निचले स्तर पर भी इस खेल में निवेश तेजी से बढ़ेगा। निःसंदेह इससे भारतीय क्रिकेट की आर्थिक स्थिति और मज़बूत होगी। उसकी ब्रांड वैल्यू भी बढ़ेगी। कुल मिलाकर 'विजेता मानसिकता' की स्थापना करने वाली यह जीत आने वाले कई दशकों तक क्रिकेट और अन्य भारतीय खेलों के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी, इसके मार्गदर्शन में ऐसी विश्वस्तरीय उपलब्धियां हासिल होती रहेंगी।

प्रसंगवश

मां न बनने का साहस व मातृत्व का नया विमर्श

जिस दिन कोई युवती यह कह देती है, 'मुझे मां नहीं बनना', उस दिन समाज की सबसे सुरक्षित मान्यता असुरक्षित हो जाती है। यह वाक्य भावनाओं से नहीं, चेतना से पैदा होता है, इसलिए डराता है। यह उस अदृश्य स्क्रिप्ट को जला देता है, जिसमें स्त्री का भविष्य जन्म के साथ ही लिख दिया गया था। लोग चौंकते इसलिए हैं कि पहली बार स्त्री अपनी देह को विरासत नहीं, निर्णय का क्षेत्र घोषित करती है। यह इंकार न तो आक्रामक है, न ही विद्रोही दिखता है, फिर भी यह सबसे गहरी बगावत है, क्योंकि यह बिना चीखे, बिना अनुमति मांगे, व्यवस्था के केंद्र में सीधा सवाल खड़ा कर देता है।

सदियों से स्त्री को यह पाठ पढ़ाया गया कि उसका अस्तित्व स्वयं के लिए नहीं, दूसरों की जरूरतों के लिए है। पहले परिवार, फिर पति और अंततः संतान के लिए। मातृत्व को इतना ऊंचा उठाया गया कि उसके भार तले स्त्री की पहचान दबकर रह गई। उसे सिखाया गया कि त्याग उसका सौंदर्य है और सहनशीलता उसका स्वभाव। आज की बेटियां इसी शिक्षा को जांच की निगाह से देख रही हैं। वे पूछ रही हैं, यदि त्याग ही स्त्री की नियति है, तो पुरुष की नियति क्या है? यह प्रश्न किसी एक भूमिका पर नहीं, बल्कि पूरी सामाजिक संरचना पर सीधा प्रहार करता है।

कृति जैन
लेखिका

शिक्षा ने इन सवालों को भाषा दी है और चेतना ने उन्हें निडरता। आज की युवा महिलाएं जीवन को केवल निभाने की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीने का अधिकार मानती हैं। वे जानती हैं कि मातृत्व भावनाओं का उत्सव भी हो सकता है, लेकिन प्रायः यह अदृश्य श्रम, लगातार थकान और स्वयं से मिटते जाने की प्रक्रिया भी बन जाता है। वे साफ देखती हैं कि बराबरी के दावे संकट के समय सबसे पहले टूटते हैं। जब मातृत्व की कीमत एकतरफा वसूली जाए, तब उससे इंकार स्वार्थ नहीं, बल्कि न्याय की मांग बन जाता है।

आर्थिक यथार्थ इस निर्णय को और ठोस बना देता है। आज का समय महंगा है, अनिश्चित है और अस्थिर है। एक बच्चे का पालन-पोषण अब केवल प्रेम का विस्तार नहीं, बल्कि वर्षों तक चलने वाला आर्थिक दबाव है। नौकरी छोड़ना, अवसर खोना और निर्भरता स्वीकार करना अब भी ज़्यादातर स्त्रियों के हिस्से आता है। युवा महिलाएं इस गणित को भावनाओं से नहीं, विवेक से हल करती हैं। वे पूछती हैं, क्या मातृत्व का अर्थ आर्थिक असुरक्षा को स्थायी बनाना होना चाहिए? यह सवाल सुंदर नहीं, लेकिन सच है।

मानसिक स्वास्थ्य वह सच है जिसे सबसे लंबे समय तक दबाया गया। मां को देवी बनाकर उसकी थकान को अदृश्य कर दिया गया। प्रसवोत्तर अवसाद, अकेलापन और हर हाल में 'अच्छी मां' बने रहने का दबाव वर्षों तक मौन में छिपा रहा। नई पीढ़ी की महिलाएं इस चुप्पी को तोड़ रही हैं। वे स्वीकार कर रही हैं कि हर स्त्री मां बनने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं होती और यह स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। वे साफ कहती हैं, यदि मातृत्व के नाम पर स्वयं को खोना पड़े, तो स्वयं को बचाना अधिक ज़रूरी है।

'बेटियां जो मां नहीं बनना चाहतीं' कोई क्षणिक फैशन नहीं, बल्कि चेतना की नई क्रांति है। यह बदलाव असहज है, क्योंकि यह उन गहरी और पक्की मान्यताओं को चुनौती देता है जिनमें समाज ने सदियों तक स्त्री को बाँध रखा था। इतिहास सिखाता है कि हर बड़ा परिवर्तन पहले बेचैनी और अव्यवस्था लाता है। आज की बेटियां केवल इतना पूछ रही हैं, क्या स्त्री का मूल्य उसकी कोख से तय होगा, या उसके विचार, उसकी चेतना और उसकी स्वतंत्रता से? इसका जवाब समय ही देगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

टीम इंडिया ने पूरे भारत को दिया जश्न का मौका

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

शाबाश! चैंपियन टीम इंडिया। एकतरफा फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 का विश्व कप लगातार दूसरी व कुल तीसरी बार जीतने वाली टीम को हार्दिक बधाई। भारत को गौरवान्वित करने वाले हमारे क्रिकेटरों को दिल से सलाम। हर तरह की पिच पर विश्व स्तरीय बॉलिंग-बैटिंग और फुर्तीली फील्डिंग कर आपने क्रेजी भारतीय दर्शकों का 'मन मयूर' कर दिया। आपने मैदान पर अपने धैर्य, आक्रमण व जुझारूपन की मिसाल पेश की। आपकी जांबाजी का लोहा क्रिकेट जगत आंख मूंद कर मानने को अब बेबस है। भारतीय टीम बेशक 'चैंपियन आफ चैंपियंस' है। टी20 विश्व कप का खिताब पुनः दिलाकर आपने भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को इतराने का सुनहरा अवसर देने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

यह खिताबी जीत भारतीय जोश व एकता की विजय का प्रतीक है, जिसने पूरे देश को गर्व तथा उन्माद से भर दिया। न्यूजीलैंड पर जीत के बाद भारत खुशी से सराबोर है। पूरे देश में जश्न मनाते क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह तो देखते ही बन रहा। टीम इंडिया के जांबाजों ने मैदान पर क्रिकेट को जीवंत तो किया ही, टी20 क्रिकेट को नई राह भी दिखा दी है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के लगातार दो मैचों में 250 रन से ऊपर का स्कोर बना। टीम इंडिया ने पूरे जहान को बता दिया कि वह इस प्रारूप को अभी और ऊपर ले जाएगी।

फटाफट क्रिकेट की धार और पैनी करेगी। क्रिकेट भले ही इंग्लैंड का राष्ट्रीय खेल है, लेकिन इसका असल जादू तो भारत में ही सिर चढ़कर बोलता है। यहां क्रिकेट की सनक वैसे ही है, जैसे लैटिन अमेरिका व यूरोप के देशों में फुटबाल। अमेरिका में बॉस्केटबाल व बेसबाल, क्यूबा में मुक्केबाजी, न्यूजीलैंड व दक्षिण अफ्रीका में रग्बी तथा कैरेबियाई देश जमैका में ट्रैक एंड फील्ड को जिस प्रकार 'अनौपचारिक धर्म' माना जाता है। उसी प्रकार क्रिकेट को भारत में धर्म सरीखा ही माना जाता है।

हमारे देश में क्रिकेट महज एक खेल ही नहीं, वरन एक सांस्कृति स्वरूप है, धर्म मानिंद है। कश्मीर से कन्याकुमारी तथा सिलचर से लेकर काठियावाड़ तक यह खेल करोड़ों भारतीयों में एका का भाव भरता है। भाषा व रहन-सहन के अंतर को मिटाकर यह खेल एकजुटता की राह दिखाता है। वर्ष 1983 में कपिलदेव की कप्तानी वाली भारतीय टीम की वेस्टइंडीज पर खिताबी जीत को भला भारत का कौन क्रिकेट प्रेमी नहीं जानता होगा? उक्त वर्ष विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने देश में क्रिकेट के प्रति दीवानगी को एक नया आयाम दिया था। विश्व स्तरीय टूर्नामेंट्स जीतने तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने इस 'अनौपचारिक धर्म' वाले खेल को भारत में घर-घर तक पहुंचा दिया है।

यह कहना समीचीन है कि क्रिकेट हमारे देश को एकजुट करने वाली शक्ति बन चुका है। यह खेल हमें अटूट बंधन में बांधता है। अपनेपन, भाईचारे व सच्चे प्रेम के भाव से ओतप्रोत करता है... और हो भी क्यों न? क्रिकेट मैच देखते समय कोई भारतीय आपसे आपके धर्म या पेशे के बारे में नहीं पूछता, क्योंकि क्रिकेट देखते समय आप में सिर्फ और सिर्फ राष्ट्र भक्ति की भावना ही रहती है। हमारे देश में क्रिकेट घावों को भरने, क्षमा करने व एकजुट करने की अद्भुत शक्ति प्रदान करता है।

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं कि टीम इंडिया आज विश्व की सफलतम टीमों में से एक है। इसने दो क्रिकेट विश्व कप, तीन टी-20 विश्व कप, तीन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर अपनी झोली भरी है। टीम इंडिया वर्ष 1984 से वर्ष 2025 तक कुल नौ बार एशिया कप भी जीत चुकी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में दो बार उपविजेता रही है। हमारे पुरुष खिलाड़ी तो कमाल के हैं ही, हमारी महिला खिलाड़ियों ने भी पिछले वर्ष महिला क्रिकेट विश्व कप जीतकर आह्लादित करने का मौका दिया है। जान लें, वर्ष 1932 में इंग्लैंड के दौरे पर टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली छठी राष्ट्रीय टीम बनी थी इंडिया। सीके नायडू की कप्तानी में भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला था।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय क्रिकेट टीम के दो यादगार पलों को याद करना यहां ठीक रहेगा। पहला, वर्ष 1952 में मद्रास में उसने इंग्लैंड को एक पारी से हराकर अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की थी। दूसरा, भारत ने वर्ष 1971 में इंग्लैंड में पहली बार टेस्ट सीरीज जीती थी। 1970 के दशक से लेकर आजतक भारतीय क्रिकेट टीम अनेकानेक दौर से गुजरी है। परंपरागत क्रिकेट का स्थान आज पेशेवर क्रिकेट ने ले लिया है। आज क्रिकेट के लिए भारतीय बाजारों ने भी अपने खजाने का मुंह खोल दिया है। कभी पैसों की राह ताकने वाला बीसीसीआई आज दुनिया की सबसे बड़ी अर्थ प्रधान खेल संस्थाओं में से एक बन चुकी है। बाजार हमारे उम्दा क्रिकेटरों को धन संपन्न बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा।

आईपीएल व आईसीसी टूर्नामेंट जैसे बड़े क्रिकेट आयोजन करोड़ों प्रशंसकों को आकर्षित करते हैं, जिससे उपभोग, मीडिया में दर्शकों की संख्या में वृद्धि होती है और निवेशकों के व्यवहार पर भी इसका असर पड़ता है। अरबों डालर के मीडिया अधिकार, विज्ञापन की होड़, उपभोक्ता खर्च में उछाल भारत में क्रिकेट की व्यावसायिकता के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। खैर, क्रिकेट पंडितों के सारे कयासों को धता बताने वाली टीम इंडिया की टी20 विश्व कप की ऐतिहासिक जीत पर ढेरों शुभकामनाएं। सूर्य कुमार यादव के कुशल नेतृत्व, संजू सैमसन समेत मध्य क्रम के बैट्समैन की धाकड़ बल्लेबाजी, जसप्रीत बुमराह की धारदार गेंदबाजी तथा टीम के अन्य खिलाड़ियों के फलदायी योगदान ने समूचे भारत का मान पुनः बढ़ाया है।

टीम इंडिया आज विश्व की सफलतम टीमों में से एक है। इसने दो क्रिकेट विश्व कप, तीन टी-20 विश्व कप, तीन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर अपनी झोली भरी है। टीम इंडिया वर्ष 1984 से वर्ष 2025 तक कुल नौ बार एशिया कप भी जीत चुकी है।

आमने सामने

मैं यह बात सभी से कह रही हूं कि जो लोग अब टीएमसी के साथ नहीं हैं, वे बंगाली नहीं हैं। उन्हें बंगाल में रहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि ममता दीदी बंगाल की जनता के लिए यह लड़ाई लड़ रही हैं।
–महुआ मोइत्रा
टीएमसी नेता
पश्चिम बंगाल

टीएमसी का मतलब तानाशाही, मानसिकता और संस्कृति है। महुआ मोइत्रा के बयान से इंदिरा गांधी की उसी तानाशाही मानसिकता की बू आती है। इंदिरा गांधी ने एक बार कहा था, भारत इंदिरा है, इंदिरा भारत है। आज महुआ मोइत्रा कह रही हैं, टीएमसी बंगाली है, बंगाली टीएमसी है।
–शहजाद पूनावाला
भाजपा प्रवक्ता

कैसे बदला बिहार की राजनीति का केंद्र

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति के कैनवास पर कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जो एक पूरे युग के अवसान की समाप्ति का संकेत बन जाती हैं। बिहार की सत्ता के शिखर पर लगभग दो दशकों तक अडिग रहने वाले नीतीश कुमार का अचानक राज्यसभा की ओर रुख करना राजनीति के उसी बदलते अध्याय का एक निर्णायक संकेत है। होली के अगले दिन सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त पोस्ट के माध्यम से उन्होंने घोषणा की कि वे राज्यसभा जा रहे हैं। उन्होंने इसे अपनी 'व्यक्तिगत अभिलाषा' बताते हुए कहा कि वे लोकसभा, विधानसभा और विधानपरिषद का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अब उच्च सदन में जाने की इच्छा रखते थे, परंतु राजनीति केवल इच्छाओं से संचालित नहीं होती। सत्ता की गलियारों में फैसले अक्सर उन समीकरणों से तय होते हैं, जिनकी परछाई जनता को बहुत देर से दिखाई देती है, इसलिए यह प्रश्न स्वाभाविक है कि महज तीन महीने पहले बहुमत के साथ दसवीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार आखिर अचानक बिहार की सत्ता क्यों छोड़ रहे हैं?

सतह पर दिखने वाली कहानी और वास्तविक राजनीतिक कथा में अक्सर गहरा अंतर होता है। यदि केवल औपचारिक बयान को सच मान लिया जाए तो एक वरिष्ठ नेता का उच्च सदन में जाना एक सामान्य राजनीतिक निर्णय लगता है, लेकिन जब घटनाक्रम की परतें खोली जाती हैं, तो एक अलग तस्वीर उभरती है। होली से दो दिन पहले तक न तो जदयू में और न ही बिहार की राजनीति में यह चर्चा थी कि नीतीश कुमार राज्यसभा जा सकते हैं। पार्टी की ओर से जिन दो नामों पर सहमति बन चुकी थी, उनमें एक रामनाथ ठाकुर का था और दूसरा नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार का। निशांत के राजनीति में प्रवेश की चर्चा पिछले एक वर्ष से चल रही थी और हाल के दिनों में जदयू के वरिष्ठ मंत्रियों ने भी सार्वजनिक रूप से संकेत दिए थे कि होली के बाद वे सक्रिय राजनीति में उतर सकते हैं।

ऐसा लग रहा था कि नीतीश अपनी राजनीतिक विरासत को धीरे-धीरे अपने पुत्र के हाथों में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन तीन मार्च की दोपहर के बाद अचानक राजनीतिक माहौल बदलने लगा। जदयू की राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची जारी होने में देरी हुई और सत्ता के गलियारों से खबर आने लगी कि भाजपा की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि अब समय आ गया है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ दें। यही वह क्षण था, जब बिहार की राजनीति की दिशा बदल गई। बताया जाता है कि इस संदेश के बाद मुख्यमंत्री आवास में गहन मंथन शुरू हुआ। सत्ता हस्तांतरण की संभावना पहले से मौजूद थी, लेकिन जिस तरह से यह अचानक हुआ, उसके लिए शायद खुद नीतीश भी तैयार नहीं थे।

इस राजनीतिक बदलाव की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद ही यह स्पष्ट हो गया था कि बिहार की राजनीति में शक्ति संतुलन बदल चुका है। उस चुनाव में जदयू को केवल 43 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा 74 सीटों के साथ बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। फिर भी भाजपा ने उस समय नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखा। यह निर्णय राजनीतिक शिष्टाचार से अधिक रणनीतिक था। भाजपा जानती थी कि बिहार में अभी भी नीतीश का सामाजिक आधार मजबूत है, विशेषकर अति पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के बीच, इसलिए सत्ता का औपचारिक नेतृत्व उन्हें सौंपकर भाजपा ने अपने राजनीतिक विस्तार की रणनीति जारी रखी, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट था कि यह व्यवस्था स्थायी नहीं है।

समय के साथ संकेत मिलने लगे कि सत्ता का वास्तविक केंद्र धीरे-धीरे बदल रहा है। गृह विभाग भाजपा के पास चला गया, राज्य सरकार में भाजपा की भूमिका बढ़ती गई और जदयू के भीतर भी नेतृत्व का संतुलन बदलने लगा। सम्राट चौधरी को उपमुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यह संकेत भी दे दिया कि भविष्य की राजनीति में उसकी भूमिका निर्णायक होगी। यही कारण है कि कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना किसी आकस्मिक निर्णय का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से तैयार हो रही राजनीतिक पटकथा का अंतिम दृश्य है।

बिहार में इस परिवर्तन ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस को जन्म दिया है। एक महत्वपूर्ण प्रश्न जदयू के भविष्य से जुड़ा है। पार्टी लंबे समय तक नीतीश कुमार के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द संगठित रही है। पार्टी के भीतर ऐसा कोई दूसरा नेता नहीं उभर पाया, जो समान प्रभाव रखता हो। यदि नीतीश सक्रिय राजनीति से धीरे-धीरे दूरी बनाते हैं, तो जदयू के सामने नेतृत्व संकट पैदा होना स्वाभाविक है। निशांत कुमार इस चुनौतीपूर्ण राजनीतिक वातावरण में कितनी दूर तक जा पाएंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है। राजनीति का एक कठोर सत्य यह है कि कोई भी दौर स्थायी नहीं होता। कभी बिहार की राजनीति लालू प्रसाद यादव के इर्द-गिर्द घूमती थी, फिर वह केंद्र नीतीश कुमार बन गए। अब एक नए दौर की शुरुआत हो रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना सत्ता संतुलन, गठबंधन की मजबूरियां और बदलती रणनीतियों के बीच बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

सोशल फोरम

बदल गए युद्ध के वार

युद्ध के हथियार नही बदले... युद्ध के वार भी बदल गए हैं।

पहला विश्वयुद्ध सीमाओ पर लड़ा गया। ट्रेंच में, बंदूकों और शेल से। दूसरा विश्वयुद्ध शहरों के अंदर आ गया। लोगों ने अपने चौक-चौराहों पर विदेशी बूट बजते देखे।

रिबोर्न मनीष
ब्लॉगर

और जब राजधानी तक पंहुचा तो युद्ध खत्म हो गया।

अब युद्ध राजधानी से ही शुरू होता है।

प्रिसिजन बॉम्बिंग, जीपीएस, और ड्रोन ने इंडिविजुअल किलिंग को महज वीडियो गेम बना दिया है।

शत्रु किसी देश की जनता नहीं होती, राजनेता होते हैं। तमाम टेक्नोलॉजी के बावजूद यह मॉरल बंधन बना हुआ था कि केवल सैनिक ठिकाने पर निशाना लगाया जाएगा। नेता बचे रहते थे। इस युद्ध ने सिविलियन और राजनीतिक ठिकानों पर भी प्रिसिजन अटैक की परिपाटी बिठाई है।

आने वाले दौर में युद्ध लड़ने वाले हर नेता पर, हत्या का खतरा बना रहेगा और सिर्फ खामनेई के लोग कंप्रोजमाइज्ड थे, बाकी के नही होंगे। ऐसा सोचना खामख्याली है।

हर देश में, हर राजधानी के, हर नेता के गिर्द कंप्रोजमाइज्ड लोग रहते है। ये उन्ही के विश्वासपात्र लोग होते हैं और जिन्हें नेता के मरने में लाभ मिलना है।

तो आने वाले दौर के हर युद्ध में राजधानी पर बम गिराकर 'सांप का फन कुचलने' का जुमला सुना दिया जाएगा। दूसरा करे, उसके पहले खुद करने की कोशिश रहेगी।

नेगोशियेशन्स का अंडर टोन कुछ यह होगा, साइन कर, वरना तुझे मरवा दूंगा। युद्ध, बहादुरी और शौर्य का मसला कम, विपक्षी नेता की हत्या का कंपटीशन बनकर रह जाना है। इसे हम सिविलाइज्ड वर्ल्ड ऑर्डर कहते रहेंगे।

गुंडे, मवाली, माफिया और व्यापारी को नेता बनाने का अंजाम यही है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ऊर्जा का महत्व, बदलती जरूरतें और मजबूरियां

हाल ही में दुनिया में एक बार फिर ऊर्जा क्षेत्र को लेकर विस्तार से चर्चा हो रही है। यह ऊर्जा क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। दुनिया के कई देश इस बात पर एक राय हो रहे हैं कि जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम की जाए और ऊर्जा के बदलते स्रोतों को अपनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जाएं। कहा जा रहा है कि साल 2035 तक कोयला आधारित बिजली उत्पादन में कटौती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सवाल यह है कि आखिर क्यों बार-बार एनर्जी सेक्टर पर इतनी गंभीरता से बातचीत की जा रही है? क्यों वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को उठाया जा रहा है? असल में दुनिया ऊर्जा के क्षेत्र में संकटों का सामना कर रही है। सभी इस बात को समझ चुके हैं कि इस क्षेत्र पर अभी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाला समय चुनौतीपूर्ण होगा। उभरते ऊर्जा संकट, घटते जीवाश्म ईंधन संसाधनों और उच्च तेल की कीमतों के साथ जलवायु परिवर्तन की चिंताओं ने बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय, वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल और कार्बन तटस्थ ईंधन के विकास की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। अधिकांश ऊर्जा संकट स्थानीय कमी, युद्ध और बाजार में हेरफेर के कारण हुए हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि कर वृद्धि, ऊर्जा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण और इस क्षेत्र के विनियमन जैसी सरकारी कार्रवाई ने इस संकट को बढ़ाया है।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

जहां तक भारत की बात है, तो इसके ऊर्जा संकट से निपटने की राह में कई चुनौतियां हैं। पहली बात तो यह है कि सभी के पास सीमित ऊर्जा संसाधन हैं। भारत के पास कोयला, तेल और गैस जैसे सीमित ऊर्जा संसाधन ही मौजूद हैं और वह अपनी बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर है। वहीं कोयला भंडार कमजोर है और उनके निष्कर्षण एवं उपयोग से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताएं जुड़ी हुई हैं। परिणामस्वरूप भारत ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रहा है, जैसे कि सौर, पवन और जल विद्युत। देश के ऊर्जा क्षेत्र में अभी अपर्याप्त निवेश है।

भारत विश्व के सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जकों में से एक है और इसका ऊर्जा क्षेत्र इन उत्सर्जनों का एक प्रमुख योगदानकर्ता है। वहीं जलवायु परिवर्तन देश की ऊर्जा अवसंरचना को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ती जा रही है। एक अध्ययन के अनुसार, देश में एलईडी बल्ब एवं ट्यूबलाइट के इस्तेमाल से उजाले के लिए खर्च होने वाली बिजली में करीब 75 फीसदी की कमी आई है। भवनों में बिजली की खपत को लेकर भी कई अध्ययन हुए हैं, जो बताते हैं कि ऊर्जा दक्ष उपकरणों के इस्तेमाल से करीब 30 फीसदी बिजली खपत कम की जा सकती है। यानी भवनों में 1.20 लाख गीगावाट बिजली बचाए जाने की संभावनाएं मौजूद हैं।

ऊर्जा दक्षता के मानकों को लागू कर घरेलू और आवासीय भवनों में बड़े पैमाने पर बिजली को बचाया जा सकता है। यदि भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानक लागू हो जाएं, तो अतिरिक्त 30 फीसदी बिजली बच सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में उद्योग जगत सबसे ज्यादा करीब 42 फीसदी बिजली खर्च करता है। दूसरे नंबर पर घरेलू क्षेत्र 24 फीसदी बिजली खर्च करता है। व्यावसायिक भवनों में बिजली की खपत आठ फीसदी है। भवन क्षेत्र की कुल खपत 32 फीसदी है, लेकिन भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानकों का क्रियान्वयन सबसे कम हुआ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

नाथ नगरी में इतिहास का पुनर्जागरण

नाथ नगरी बरेली एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। देशव्यापी यात्रा के अंतर्गत, पावन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के 1000 वर्षों तक संरक्षित रहे अवशेष, 30 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेंगे और 10 अप्रैल को बरेली में इस विराट यात्रा का समापन होगा। यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक अस्मिता और आध्यात्मिक विजय का प्रतीक माना जा रहा है।

श्वेता
वीडीएस स्टेट को-ऑर्डिनेटर
यूपी, आर्ट ऑफ लिविंग

सहस्राब्दी की गाथा (1026 से 2026)

इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि 1026 ईसवी में आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने मूल सोमनाथ मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। परंतु आस्था की लौ बुझी नहीं। मंदिर के कुछ पवित्र अंश अग्निहोत्री पुजारियों द्वारा गुप्त रूप से सुरक्षित रखे गए। पीढ़ी-दर-पीढ़ी इन अवशेषों की पूजा होती रही और उन्हें दुनिया की नजरों से दूर रखा गया। सन् 1924 में तत्कालीन कांची शंकराचार्य ने भविष्यवाणी की थी कि इन अवशेषों को एक शताब्दी तक सुरक्षित रखा जाए और समय आने पर एक योग्य आध्यात्मिक नेतृत्व को सौंपा जाए।

आध्यात्मिक सेतु: सोमनाथ और आर्ट ऑफ लिविंग

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर और आर्ट ऑफ लिविंग वर्षों से भारतीय आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का कार्य कर रहे हैं। आर्ट ऑफ लिविंग का मूल दर्शन 'तनावमुक्त मन, हिंसामुक्त समाज' केवल आधुनिक जीवनशैली तक सीमित नहीं, बल्कि प्राचीन आध्यात्मिक मूल्यों की पुनर्स्थापना से भी जुड़ा है। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के अवशेषों को देशभर के ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पर ले जाने का निर्णय इसी दृष्टि का विस्तार है। यह यात्रा किसी संस्था का आयोजन भर नहीं, बल्कि राष्ट्रव्यापी आध्यात्मिक एकता का अभियान बन चुकी है। गुरुदेव ने इसे 'आस्था की अखंड ज्योति' बताते हुए कहा कि यह भारत की आत्मा के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

2025: भविष्यवाणी की पूर्णता

जनवरी 2025 में परंपरा के अंतिम संरक्षक सीतारामन शास्त्री ने ये पवित्र अवशेष बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में गुरुदेव श्री श्री रविशंकर को सौंपे। महाशिवरात्रि 2025 के पावन अवसर पर इनका सार्वजनिक अनावरण किया गया। श्रद्धालुओं के अनुसार इन अवशेषों में विशिष्ट चुंबकीय और आध्यात्मिक ऊर्जा अनुभव की जाती है। यह क्षण केवल हस्तांतरण नहीं, बल्कि 100 वर्षों पुरानी भविष्यवाणी की पूर्ति और 1000 वर्षों की साधना का फल था।

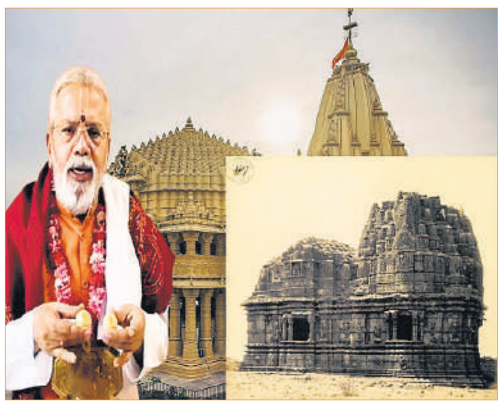

सांस्कृतिक अस्मिता की विजय

सोमनाथ की यह यात्रा केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत की आध्यात्मिक धरोहर को कोई भी शक्ति समाप्त नहीं कर सकती। 1000 वर्षों का संरक्षण, 100 वर्षों की प्रतीक्षा और आज का पुनरुत्थान यह कथा श्रद्धा, धैर्य और सांस्कृतिक चेतना की विजय है। 10 अप्रैल 2026 को बरेली में होने वाला यह आयोजन इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में दर्ज होगा। अब झुमका नहीं, सोमनाथ की ज्योति यहां दमकेगी।

बरेली क्यों बनेगा ऐतिहासिक पड़ाव?

उत्तर प्रदेश में 30 मार्च को प्रवेश के बाद यह यात्रा 10 अप्रैल 2026 को बरेली पहुंचेगी। नाथ नगरी बरेली, जो अपने सात प्राचीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। इस ऐतिहासिक अवसर की साक्षी बनेगी। वर्षों तक बरेली झुमके के लिए पहचानी जाती थी, परंतु अब यह नगरी सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पावन अवशेषों के स्वागत के लिए जानी जाएगी। यह आयोजन बरेली के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देगा।

पौराणिक कथा

निष्काम प्रेम व अटूट निष्ठा की शक्ति

एक बार वृंदावन में ऐसा समय आया जब नंदलाल अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उनकी बीमारी देखकर पूरे ब्रज में चिंता का वातावरण फैल गया। अनेक प्रकार की दवाएं और जड़ी-बूटियां आजमाई गईं, लेकिन किसी भी उपाय से कृष्ण की तबीयत में सुधार नहीं हो रहा था। सभी लोग असहाय होकर किसी चमत्कार की प्रतीक्षा कर रहे थे। तभी श्रीकृष्ण ने स्वयं एक अनोखा उपाय बताया। उन्होंने गोपियों से कहा कि यदि कोई ऐसा व्यक्ति, जो उनसे अत्यंत प्रेम करता हो और उनकी सच्ची चिंता करता हो, अपने पैरों को धोकर उस जल को उन्हें पिला दे, तो वे अवश्य स्वस्थ हो जाएंगे।

यह सुनते ही वहां उपस्थित सभी गोपियां गहरी दुविधा में पड़ गईं। वे सभी कृष्ण से अपार प्रेम करती थीं और उनकी भक्ति में पूरी तरह समर्पित थीं, लेकिन इस उपाय को अपनाने का साहस कोई नहीं जुटा पा रही थी। गोपियों के मन में एक भय था कि यदि किसी ने अपने पैरों का जल कृष्ण को पिला दिया और किसी कारणवश वे स्वस्थ न हुए, तो यह बहुत बड़ा अपराध माना जाएगा। ऐसी स्थिति में नर्क का दंड भी भोगना पड़ सकता था। वे कृष्ण के लिए चिंतित तो थीं, लेकिन संभावित परिणामों के विचार से उनके कदम ठिठक रहे थे। इसी बीच वहां राधा पहुंचीं। जैसे ही उन्होंने अपने प्रिय कृष्ण को उस अवस्था में देखा, उनका हृदय व्याकुल हो उठा। गोपियों ने उन्हें कृष्ण द्वारा बताया गया उपाय समझाया। राधा ने बिना एक पल गंवाए अपने पैरों को धोकर उसी जल से चरणामृत तैयार किया और उसे कृष्ण को पिलाने के लिए आगे बढ़ गईं। राधा को यह भली-भांति ज्ञात था कि वह क्या कर रही हैं। उनके मन में भी वही भय था, जो अन्य गोपियों के मन में था, लेकिन उनके लिए कृष्ण का जीवन और स्वास्थ्य सबसे अधिक महत्वपूर्ण था।

यदि उनके इस कार्य के कारण उन्हें नर्क भी जाना पड़े, तो भी वे इसके लिए तैयार थीं। उनके प्रेम और समर्पण के सामने अपने भविष्य की चिंता नगण्य थी। जैसे ही कृष्ण ने वह चरणामृत ग्रहण किया, उनकी अवस्था तुरंत सुधरने लगी और थोड़ी ही देर में वे पूर्णतः स्वस्थ हो गए। यह राधा के निष्काम प्रेम और अटूट निष्ठा की शक्ति थी, जिसने इस चमत्कार को संभव बना दिया। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्चा प्रेम वही है, जिसमें प्रियजन की भलाई के लिए स्वयं के सुख-दुख की चिंता भी त्याग दी जाए।

बोधकथा

कालदेव और समय का वरदान

प्राचीन काल की बात है। हिमालय की तराई में एक छोटा-सा नगर था, जहां सत्यपाल नाम का एक साधारण किंतु परिश्रमी व्यक्ति रहता था। वह अत्यंत धर्मपरायण था, पर उसके मन में एक दुर्बलता थी। वह दूसरों की उन्नति देखकर भीतर-ही-भीतर ईर्ष्या से भर उठता था। यद्यपि वह किसी का प्रत्यक्ष अहित नहीं करता था, पर उसके विचार सदैव नकारात्मक रहते थे। एक दिन सत्यपाल वन मार्ग से गुजर रहा था। मार्ग में उसने एक वृद्ध ब्राह्मण को प्यास से व्याकुल देखा। बिना कुछ पूछे उसने अपने कमंडल से जल निकालकर उसे पिला दिया। जल पीते ही उस वृद्ध का स्वरूप दिव्य हो गया। वे स्वयं कालदेव थे- समय और कर्म के अधिष्ठाता देव। कालदेव बोले, "वत्स, तुम्हारे इस निः स्वार्थ कर्म से प्रसन्न होकर मैं तुम्हें एक अद्भुत वरदान देता हूं। तुम्हें एक घंटे का ऐसा समय दिया जाता है, जिसमें तुम जो भी काम करोगे, उसका फल तुरंत मिलेगा। पर ध्यान रहे- यह समय फिर कभी लौटकर नहीं आएगा।"

यह कहकर कालदेव अंतर्धान हो गए। सत्यपाल का मन उत्साह से भर उठा। उसने सोचा- अब तो मैं अपने भाग्य को बदल दूंगा। वह नगर लौटा और सबसे पहले अपने धनी पड़ोसी के घर गया। मन में आया कि यदि उसका धन नष्ट हो जाए, तो मेरा सम्मान बढ़ेगा। जैसे ही उसने यह विचार किया, पड़ोसी का धन हानि में बदल गया। यह देखकर सत्यपाल के मन में अजीब-सी तृप्ति हुई। फिर वह अपने प्रतिद्वंद्वी के पास गया और उसके पतन की कामना की। वह भी पूरी हो गई। एक के बाद एक, वह दूसरों के अहित की योजनाएं बनाता रहा और समय बीतता गया। उसे लगा जैसे शक्ति उसके हाथ में है और वही सब कुछ है। अचानक सूर्य अस्त होने लगा। सत्यपाल चौंका। उसे याद आया कि उसने

अपने लिए कुछ भी नहीं मांगा। वह दौड़ता हुआ अपने घर पहुंचा और मन ही मन दीर्घायु, सुख और शांति की कामना करने लगा। तभी आकाश में कालदेव की वाणी गूंजी- "वत्स, समय समाप्त हो चुका है। तुमने जो शक्ति पाई थी, उसका उपयोग दूसरों को गिराने में किया, जो मनुष्य समय को द्वेष में गंवाता है, समय उसे ही लील लेता है।" क्षणभर में सत्यपाल का शरीर दुर्बल हो गया। उसे अपनी भूल का बोध हुआ, पर अब बहुत देर हो चुकी थी। यह कथा सिखाती है कि ईश्वर द्वारा दिया गया समय और सामर्थ्य अमूल्य होता है, जो उसका उपयोग दूसरों के कल्याण में करता है, वही वास्तव में धन्य होता है। द्वेष और ईर्ष्या में किया गया प्रत्येक कर्म अंततः स्वयं के पतन का कारण बनता है।

महत्वपूर्ण त्योहार

शीतला अष्टमी

तिथि : 11 मार्च, बुधवार 2026

- चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को शीतला अष्टमी के रूप में मनाया जाता है। कई स्थानों पर इस पर्व को बसोड़ा या बसोड़ा अष्टमी भी कहा जाता है। यह त्योहार विशेष रूप से उत्तर भारत के राज्यों जैसे गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि यह पर्व रोग और संक्रमण से रक्षा की कामना के साथ मनाया जाता है। इस दिन परंपरा के अनुसार अंतिम बार बासी भोजन ग्रहण किया जाता है।

- शीतला अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और पूजा की तैयारी करें। एक थाली में पुआ, दही, रोटी, बाजरा और सप्तमी के दिन गुड़ से बनाए गए मीठे चावल रख लें। दूसरी थाली में आटे से बना दीपक रखें और उसके साथ रोली, वस्त्र, अक्षत, हल्दी, मेहंदी और कुछ सिक्के रखें। दोनों थालियों के साथ ठंडे पानी से भरा एक लोटा भी रखें। इसके बाद माता शीतला की पूजा करें और उन्हें बारी-बारी सभी सामग्रियां अर्पित करें।

शक्ति उपासना का केंद्र शक्तिपीठ मां देवीपाटन मंदिर

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद के तुलसीपुर तहसील के पाटन गांव में स्थित मां देवीपाटन मंदिर हिंदू धर्म के प्रसिद्ध 51 शक्तिपीठों में से एक है, जहां माता सती के शरीर का पवित्र भाग गिरा था और यही कारण है कि यह स्थल शक्ति का धाम, आस्था का केंद्र और तीर्थस्थल के रूप में अत्यंत प्रतिष्ठित है। शक्ति पीठों का पौराणिक चरित्र देवी भागवत पुराण, स्कंद पुराण, कलिका पुराण और शिव पुराण में वर्णित है।

देवीपाटन शक्तिपीठ के संदर्भ में माना जाता है कि यहीं पर माता सती का बायां स्कंध (कंधा) वस्त्र सहित गिरा था और इसी कारण से इसे शक्तिपीठ का स्थान प्राप्त हुआ। यहां माता को "पाटेश्वरी" के नाम से पूजा जाता है अर्थात वह देवी, जिसका संबंध उस पाट वस्त्र से स्थापित है। यह स्थल केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, अपितु सांस्कृतिक आस्था, शक्ति, भक्ति और दैवीय शक्ति का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि देवी के गिरने वाले भाग के कारण यहां शक्ति की ऊर्जा सदियों से जीवित है। श्रद्धालु पवित्र सूर्यकुंड में स्नान कर मंदिर के भीतर स्नानादि अनुष्ठान के माध्यम से स्वयं को दिव्य शक्ति से जोड़ते हैं।

नमिता वैश्य
प्रधानाध्यापक

महारथी कर्ण ने यहां ली थी दिव्यास्त्रों का दीक्षा: एक लोक विश्वास के अनुसार द्वापर युग में यहां सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्यकुंड में स्नान करने के बाद परशुराम से दिव्यास्त्रों की दीक्षा प्राप्त की थी। इसी कारण से इस स्थान की महिमा और भी बढ़ जाती है। यहां पर शिव-दुर्गा की शक्ति की अनुभूति अलग-सी होती है। गर्भगृह से नीचे पाताल तक प्राचीन सुरंग की कथा कही जाती है और आज भी माना जाता है कि त्रेतायुग से जलती हुई अखंड ज्योति देवी की शक्तिमत्ता का प्रमाण है। देवीपाटन शक्ति पीठ ऐतिहासिक रूप से उत्तर भारत में शक्ति की उपासना का मुख्य केंद्र रहा है। इस पीठ की स्थापना नाथ संप्रदाय के आदिगुरु गोरखनाथ ने की थी। यहां के आसपास ऋषि-मुनियों के तप और साधना की कहानियां प्रचलित हैं, जिनमें गुरु गोरखनाथ और सिद्ध रत्ननाथ (नेपाल) जैसे संतों का नाम उल्लेखनीय है, जिन्हें यहीं सिद्धि प्राप्त हुई थी, जिससे इस स्थान की आध्यात्मिक महत्ता और भी स्पष्ट होती है।

भारत-नेपाल का सांस्कृतिक सेतु: यह शक्तिपीठ दो देशों भारत और नेपाल के सांस्कृतिक सेतु के रूप में भी प्रसिद्ध है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इसे भारत-नेपाल के बीच एक सांस्कृतिक सेतु बताया है, जो देवी के सान्निध्य में सामाजिक एवं आध्यात्मिक जुड़ाव को मजबूती प्रदान करता है। देवीपाटन मंदिर को श्रद्धालु केवल पूजा-स्थल के रूप में नहीं देखते, अपितु यह एक ऐसा स्थान है, जहां देवी की कृपा से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, ऐसी मान्यता प्रचलित है। भक्त मानते हैं कि मां पाटेश्वरी के दर्शन तथा पूजा से जीवन की इच्छाएं, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मुख्य आकर्षण: शक्ति पीठ के मुख्य आकर्षणों में सूर्यकुंड, अखंड धूनी (जहां निरंतर धूना जलाई जाती है) तथा गोपनीय पूजा-अर्चना शामिल हैं। चैत्र और शारदीय नवरात्र के समय यहां विशेष रूप से भक्तों का भारी आस्था-ज्वार उमड़ता है। नवरात्रि पर करीब 15 दिनों तक राजकीय मेला लगता है, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों समेत नेपाल के श्रद्धालु आराधना के लिए आते हैं। मंदिर परिसर में नौ दुर्गा रूपों की प्रतिमाएं, विधि-विधान से पूजा-पाठ, दीप प्रज्ज्वलन, हवन-पूजन और लाल चुनरी, सिंदूर, फूलों सहित अनेक भेंट-वस्तुओं का समर्पण इस पूजा परंपरा को और भी समृद्ध बनाते हैं। मां की पूजा अलौकिक एवं अद्वितीय है। अर्द्धरात्रि के दूसरे पहर एक से चार बजे तक पूजा का समय निश्चित है, इसका समय कभी नहीं बदलता। समय के साथ इस मंदिर की महत्ता मात्र धार्मिक ही नहीं रह गई, अपितु यह देश का एक आध्यात्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र भी बन गया है। मुख्यमंत्री का दूसरा घर कहे जाने वाले शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर को और भव्य बनाने के प्रयास प्रारंभ हो चुके हैं। अयोध्या धाम में आने वाले धार्मिक पर्यटक शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर की ओर उन्मुख हों, इसके लिए सरकार ने 42 करोड़ 50 लाख रुपये दिए हैं। बलरामपुर प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार ने मंदिर के आसपास 50 एकड़ क्षेत्र का विकास करने की योजना बनाई है, जिससे यहां धार्मिक पर्यटन को और भी बढ़ावा मिले।

इस तरह जा सकते हैं मंदिर: मंदिर तक पहुंचने के लिए सबसे सरल रेल मार्ग सेवा है। लखनऊ तथा गोरखपुर ट्रेन के द्वारा आने पर तुलसीपुर रेलवे स्टेशन पर उतरना होगा। यहां से लगभग डेढ़ किलोमीटर मंदिर तक पहुंचने के लिए रिक्शा आदि की सुविधा है। बस से भी तुलसीपुर पहुंचा जा सकता है। लखनऊ से गोरखपुर की दूरी लगभग 300 किलोमीटर है।

बिजनेस ब्रीफ

एश्योरेंस भारत में दोबारा उतारेगी एसीडेल्को की बैटरी और लुब्रिकेंट

नयी दिल्ली। वाहनों के कलपुर्जे और लुब्रिकेंट बनाने वाली कंपनी एश्योरेंस इंटरनेशनल ने जनरल मोटर्स के स्वामित्व वाले ब्रांड एसीडेल्को के उत्पादों को भारतीय बाजार में उतारने के लिए उसके साथ करार किया है। जनरल मोटर्स के साथ आधिकारिक लाइसेंसिंग और रणनीतिक साझेदारी के तहत देश में वाहनों के लिए एसीडेल्को की बैटरियों और लुब्रिकेंट के विनिर्माण, विपणन और वितरण की जिम्मेदारी एश्योरेंस इंटरनेशनल संभालेगा। दोनों कंपनियों ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा की।

रिलायंस रिटेल ने किया 'पहाड़ी लोकल' का अधिग्रहण

नयी दिल्ली। रिलायंस रिटेल लिमिटेड ने सोमवार को भारतीय सौंदर्य और सेहत से जुड़े ब्रांड पहाड़ी लोकल और उसके कारोबार का अधिग्रहण करने की घोषणा की। यह ब्रांड पहाड़ी गुडनेस प्राइवेट लिमिटेड के तहत संचालित होता था और हिमालयी प्राकृतिक सामग्री पर आधारित उत्पादों के लिए जाना जाता है। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण के जरिये रिलायंस रिटेल अपने सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों को मजबूत करेगी और ऐसे भारतीय ब्रांड को बढ़ावा देगी जिनकी पहचान पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक सामग्री और टिकाऊ उत्पादन से जुड़ी है।

रेमंड का मुंबई में 3,000 करोड़ की आवास परियोजना का करार

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी रेमंड रियल्टी लिमिटेड ने मुंबई में एक नई आवास परियोजना विकसित करने के लिए संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना से करीब 3,000 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने मुंबई के कांदिवली के एक प्रमुख स्थान में एक प्रतिष्ठित आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, रेमंड रियल्टी ने उस भूस्वामी इकाई का नाम नहीं बताया है, जिसके साथ उसने संयुक्त विकास समझौते (जेडीए) किया है।

नैसकॉम ने दी आईटी कंपनियों को साइबर सुरक्षा बढ़ाने की सलाह

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग के प्रमुख संगठन नैसकॉम ने सोमवार को प्रौद्योगिकी कंपनियों को पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक संकट को देखते हुए अपनी परिचालन तैयारियों और साइबर सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की सलाह दी है। नैसकॉम ने आगाह किया है कि अनिश्चितता के इस माहौल में कामकाज में बाधा आने और साइबर खतरों का जोखिम काफी बढ़ सकता है। अपनी सदस्य कंपनियों के लिए जारी एक नए परामर्श में नैसकॉम ने कहा कि हालांकि वर्तमान में व्यावसायिक परिचालन स्थिर है, लेकिन कंपनियां अपनी आकस्मिक योजनाओं की सक्रिय रूप से समीक्षा कर रही हैं और झटकों को झेलने या उनसे उबरने की अपनी क्षमता को और मजबूत कर रही हैं, ताकि "समय के साथ स्थिति बदलने पर" होने वाले किसी भी संभावित व्यवधान को कम किया जा सके।

अमेरिका ने किया था अनुरोध, रूसी तेल खरीद रिफाइनरियों में भेजे भारत

ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने किया खुलासा, वैश्विक स्तर पर कीमतों को नियंत्रित रखना मुख्य वजह

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने भारत से अनुरोध किया है कि वह समुद्री परिवहन में पहले से मौजूद रूसी कच्चे तेल को खरीदकर उसे भारतीय रिफाइनरियों की ओर मोड़ दे, ताकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आपूर्ति में संभावित कमी और कीमतों में उछाल की आशंकाओं को कम किया जा सके।

अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि यह कदम बाजार को स्थिर रखने के लिए एक अल्पकालिक और व्यावहारिक प्रयास है। इसके साथ ही राइट ने स्पष्ट किया कि इस पहल का मतलब रूसी तेल को लेकर अमेरिका की नीति में किसी बदलाव का संकेत नहीं है। उन्होंने रविवार को एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के साथ मिलकर भारतीय अधिकारियों से बात की थी ताकि चीनी रिफाइनरियों में उतारे जाने की प्रतीक्षा कर रहे रूसी कच्चे तेल के कार्गो को भारत खरीद सके। राइट ने कहा कि भारत इस मामले में एक अच्छा सहयोगी रहा है।

मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारतीय अधिकारियों से फोन पर बात की और कहा कि अभी बहुत सारा तेल चीन की रिफाइनरियों में उतारा जाता है। वहां तेल को उतारने के लिए छह सप्ताह तक इंतजार कराने के बजाय, इसे पहले ही भारत खरीदकर अपनी रिफाइनरियों में भेजे ताकि तेल की कमी की आशंका, कीमतों में अचानक बढ़ोतरी और बाजार में व्याप्त चिंताओं को कम किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि रूस के प्रति अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और भारत इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है। जब उनसे पूछा गया कि क्या रूसी तेल खरीद के लिए भारत को दी गई 30 दिनों की छूट से ट्रंप प्रशासन का रूस को अलग-थलग करने का लक्ष्य कमजोर होता है, उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है। यह केवल एक व्यावहारिक कदम है और इसका असर केवल अल्पकालिक है। रूस के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ। वित्त मंत्रालय की तरफ से पिछले हफ्ते दी गई छूट के तहत भारत 30 दिनों तक रूस से कच्चा तेल खरीद सकता है। इसके पहले ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने पर भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा दिया था। लेकिन पिछले महीने अंतरिम व्यापार समझौते पर बनी सहमति के तहत इस शुल्क को हटाने की बात कही गई थी। राइट ने यह भी कहा कि भारत ने रूसी तेल आयात को पूरी तरह बंद कर दिया है और अमेरिका, वेनेजुएला और अन्य देशों से अपने आयात बढ़ा रहा है।

लौटते जहाजों को उसी बंदरगाह पर लंगर की अनुमति जहां से गये थे

नयी दिल्ली, एजेंसी। सीमा शुल्क विभाग ने पश्चिम एशिया संकट के कारण समुद्री मार्गों में आए व्यवधान और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बीच भारतीय बंदरगाहों पर लौटने वाली निर्यात खेप के प्रबंधन के लिए नियम जारी किए हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा आठ मार्च को जारी किए गए और 15 दिन के लिए वैध ये नियम यह निर्धारित करते हैं कि माल के पारगमन के अलावा ऐसे सभी मामलों में जहाज को केवल उसी भारतीय बंदरगाह पर लंगर डालने की अनुमति दी जाएगी जहां से उसने प्रस्थान किया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के परिपत्र के अनुसार, बोर्ड के अधीन क्षेत्रीय कार्यालय ऐसी खेप पर दिए गए एकीकृत माल एवं सेवा करशुल्क वापसी आदि सहित सभी निर्यात प्रोत्साहनों की स्वयं वसूली करेंगे यदि उनका भुगतान पहले ही किया जा चुका है।

ईरान युद्ध में कानपुर के 6,000 करोड़ रुपये स्वाहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग से तेल की कीमतों में भारी उछाल के बीच दुनिया भर के शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेजी से सोमवार को सेंसेक्स करीब 2500 अंकों तक गिर गया था। हालांकि क्रूड ऑयल की कीमतों में नरमी की ख़बरों के बाद थोड़ी रिकवरी आई और कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1353 अंक वहीं निफ्टी 422 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। युद्ध शुरू हुए 10 दिन हो गए हैं, इस बीच 5 दिन शेयर बाजार खुला है। गुरुवार 5 मार्च को छोड़कर बाकी 4 कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में अच्छी खासी गिरावट हुई है। शेयर बाजार में हो रही भारी गिरावट से शहर के निवेशकों को जोर का झटका लगा है। सीधे तौर पर शेयरों में निवेश के साथ ही म्यूचुअल फण्ड तथा यूलिप (यूनिट लिंक्ड इन्श्योरेन्स प्लान) के पोर्टफोलियो में बाजार भाव में खासी गिरावट आई है। युद्ध के दौरान पिछले 5 कारोबारी सत्रों में शहर के निवेशकों का शेयर बाजार तथा इसपर आधारित योजनाओं में निवेशित पूंजी में करीब 6,000 करोड़ रुपये की कमी का अनुमान लगाया जा रहा है।

गिरावट के प्रमुख कारण

- वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव
- दुनिया भर के बाजारों में भारी बिकवाली
- कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल
- इंडिया वोलेटिलिटी इंडेक्स में बढ़ोतरी

लंबी अवधि के निवेशक फिलहाल धैर्य रखें

आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह का कहना है कि ब्रेंट क्रूड में तेजी के कारण बाजार और अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा है। अगर अमेरिका-ईरान संघर्ष लंबा चलता है तो भारत जैसे बड़े तेल खरीदार देशों पर असर पड़ेगा। महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि भू-राजनीतिक घटनाओं का बाजार पर असर आमतौर पर लंबे समय तक नहीं रहता है। इसलिए लंबी अवधि के निवेशकों को धैर्य रखना चाहिए। अगर बाजार की दिशा समझ में नहीं आ रही हो, या उतार-चढ़ाव से असहज महसूस हो रहा हो, तो अनुभवी एक्सपर्ट की सलाह लें। अफवाहों से दूर रहें, सोशल मीडिया की अपुष्ट खबरों पर निर्णय न लें।

हर महीने पड़ सकता है सात से आठ अरब डॉलर तक अतिरिक्त बोझ

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की कीमतों में आए उछाल से भारत को हर महीने सात-आठ अरब डॉलर का अतिरिक्त विदेशी मुद्रा नुकसान झेलना पड़ सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि इससे देश में मुद्रास्फीति और चालू खाता घाटा (कैड) बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जहां कच्चे तेल की कीमतें 66 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 120 डॉलर तक पहुंच गई हैं, वहीं तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की दरें भी दोगुनी से अधिक होकर 24-25 डॉलर प्रति ब्रिटिश थर्मल यूनिट हो गई हैं। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिससे इसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक तेल कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाती है। देश हर दिन लगभग 50 लाख बैरल तेल की खपत करता है और अपनी आधी प्राकृतिक गैस की जरूरत भी आयात से ही पूरी करता है। सेठी ने आगाह किया कि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भारत को हर महीने सात-आठ अरब डॉलर (120 डॉलर/बैरल) का अतिरिक्त विदेशी मुद्रा भुगतान करना पड़ सकता है, जिससे न केवल लॉजिस्टिक, विनिर्माण और खाद्य वस्तुओं की लागत में वृद्धि होगी बल्कि चालू खाता घाटा भी बढ़ेगा।

कच्चे तेल के दाम में तेजी से नहीं पड़ेगा खास असर: सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का महंगाई पर खास असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि देश में मुद्रास्फीति पहले से ही अपने निचले स्तर के करीब है। सीतारमण ने लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में कहा कि वैश्विक कच्चे तेल और भारतीय बास्केट (अंतराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों का भारांश औसत, जिनकी खरीद भारतीय रिफाइनरी करती हैं) दोनों की कीमतों में पिछले एक वर्ष में लगातार गिरावट का रुख था। 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से इसमें तेजी आई है।

तनाव के बाद भी भारत की बुनियाद मजबूत : पांडेय

- सेबी प्रमुख ने निवेशकों से धैर्य रखने की अपील, बोले-कठिन समय में घबराना नहीं भारत ने पहले भी कई झटके सहे हैं

मुंबई, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को निवेशकों से धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की घरेलू आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वित्तीय बाजारों में बढ़ी अस्थिरता के बीच उन्होंने यह बात कही।

पांडेय ने एनएसई में निफ्टी-50 के 30 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, इस कठिन समय में घबराना नहीं, बल्कि धैर्य बनाए रखना जरूरी है। लंबी अवधि में निफ्टी ने हमेशा भारत की वृद्धि गाथा को मजबूती को दर्शाया है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय बाजार अत्यधिक अस्थिरता का सामना कर रहे हैं, क्योंकि पश्चिम एशिया के युद्ध ने समुद्री व्यापार को प्रभावित किया है और तेल व गैस की आपूर्ति पर बुरा असर डाला है, जिससे भारतीय बाजारों में भी अत्यधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पांडेय ने कहा-दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत भी इन घटनाओं से प्रभावित हुआ है। हालांकि, सेबी चेयरमैन ने यह भी कहा कि भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद ने पहले भी कई वैश्विक झटकों का सामना किया है और आज भी घरेलू बाजारों में स्थिरता बनाए रखने में मदद कर रही है।

मुंबई में सोमवार को निफ्टी 50 इंडेक्स के 30 साल पूरे होने पर बुकलेट का विमोचन करते (दाएं से) सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे, रिजर्व बैंक इंडिपेंडेंट डायरेक्टर स्वामीनाथन गुरुमूर्ति और एनएसई के सीईओ आशीष कुमार चौहान।

ऑडिट आदेशों को सार्वजनिक करें प्राधिकरण

वित्तीय रिपोर्टिंग में भरोसा बढ़ाने के लिए केंद्रीय सूचना आयोग की सलाह

नयी दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) को लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं और मानकों को प्रभावित करने वाले आदेशों, निर्देशों, परिपत्रों और नीतिगत निर्णयों को सार्वजनिक करने की सलाह दी है। यह टिप्पणी सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दायर दूसरी अपील के निपटान के दौरान की गई। अपील में एनएफआरए द्वारा लेखापरीक्षकों या लेखापरीक्षा कंपनियों को मौखिक सुनवाई के दौरान कानूनी सलाहकारों के जरिये प्रतिनिधित्व की अनुमति देने से संबंधित दस्तावेजों की मांग की गई थी।

एनएफआरए की स्थापना सरकार ने 2018 में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत की है। यह लेखापरीक्षकों को विनियमित करता है और कंपनियों द्वारा लेखांकन और लेखापरीक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करता है। यह वित्तीय रिपोर्टिंग में विश्वसनीयता के लिए, लेखापरीक्षा सेवाओं की गुणवत्ता की भी देखरेख करता है।

सूचना आयुक्त पी आर रमेश ने आदेश में कहा-'एनएफआरए वित्तीय विवरणों की विश्वसनीयता की रक्षा करता है, जिन पर निवेशक, कर्ज देने वाले और आम जनता भरोसा करते हैं।' आयोग ने प्राधिकरण को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत उसके दायित्वों की भी याद दिलाई। आदेश में कहा गया कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सूचना के अधिकार अधिनियम की धारा 4 के प्रावधानों के तहत प्रतिवादी का यह कर्तव्य है कि वह धारा 4(1)(ख) और 4(1)(ग) में उल्लेखित जानकारी को अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे ताकि जनता को जानकारी प्राप्त करने के लिए सूचना के अधिकार अधिनियम का सहारा कम-से-कम लेना पड़े।

इसी के अनुरूप, सीआईसी ने प्राधिकरण को सलाह दी कि वह जनहित में सूचना के अधिकार अधिनियम की धारा चार के प्रावधानों के अनुसार अपने विभाग द्वारा जारी विभिन्न परिपत्रों/ नीतिगत निर्णयों/आदेशों से संबंधित जानकारी अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराएं।

बड़े निर्यात अवसर पैदा करेंगे एफटीए : गोयल

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि पिछले चार वर्षों में भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू फार्मा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के लिए बड़े व्यावसायिक अवसर प्रदान करेंगे।

भारत ने ब्रिटेन, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, चार देशों के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए), ओमान, संयुक्त अरब अमीरात और न्यूजीलैंड के साथ एफटीए को अंतिम रूप दे दिया है। जबकि मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और ईएफटीए के साथ समझौते लागू हो गए हैं, शेष जल्द ही लागू होने की संभावना है।

रसोई गैस की आपूर्ति पर सरकार ने लगायी लगाम

नई दिल्ली, एजेंसी

- कालाबाजारी रोकने के लिए उठाये कदम, अब 21 की बजाय 25 दिन के अंतराल पर बुकिंग

पश्चिम एशिया संकट के बीच सीमित आपूर्ति के मद्देनजर रसोई गैस (एलपीजी) की लंबे समय तक उपलब्धता के लिए सरकार ने सोमवार को उत्पादन बढ़ाने समेत कई उपायों की घोषणा की।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग अब 21 दिन की बजाय 25 दिन के अंतराल पर करायी जा सकेगी। उसने बताया है कि इसका उद्देश्य कालाबाजारी और जमाखोरी रोकना है। साथ ही रिफाइनरियों को एलपीजी का उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा गया है जिसका इस्तेमाल घरेलू आपूर्ति के लिए किया जायेगा। गैर-घरेलू जरूरतों के लिए आयातित एलपीजी से आपूर्ति की जायेगा।

इसमें अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी जायेगी। रेस्तरां, होटलों तथा अन्य उद्योगों को आपूर्ति पर विचार करने के लिए तेल विपणन कंपनियों के कार्यकारी निदेशकों की तीन सदस्यीय समिति बनायी गयी है।

सलाह

एसआईपी यानि सिस्टेमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान में निवेश है लाभदायक

गिरते मार्केट में एसआईपी जारी रखना क्यों है समझदारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली। दिन की शुरुआत से ही बाजार में दबाव बना रहा और निवेशकों के बीच घबराहट का माहौल दिखाई दिया। बीएसई सेंसेक्स करीब 2300 अंक तक टूट गया, वहीं एनएसई का निफ्टी-50 भी लाल निशान में कारोबार करता नजर आया। हालांकि बाद में गिरावट थोड़ी कम हुई, लेकिन बाजार की तेज कमजोरी ने निवेशकों को चिंता में डाल दिया।

ऐसे समय में म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या बाजार गिरने पर अपनी एसआईपी (सिस्टेमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान) को रोक देना चाहिए।

गिरावट में एसआईपी बंद करना सही नहीं : बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी बंद करना समझदारी नहीं है। दरअसल म्यूचुअल फंड का रिटर्न और उसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) सीधे तौर पर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। जब बाजार गिरता है तो फंड का एनएवी भी कम हो जाता है।

एनएवी कम होने का मतलब यह है कि उसी रकम में निवेशक को ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं। यानी गिरावट के समय निवेश करने से निवेशक कम कीमत पर अधिक यूनिट खरीद पाते हैं।

तेजी आने पर मिलता है ज्यादा फायदा: मान लीजिए कि बाजार में गिरावट के दौरान किसी म्यूचुअल फंड की 50 यूनिट आपने 1000 रुपये में खरीदीं। इस हिसाब से एक यूनिट की कीमत 20 रुपये हुई। बाद में जब बाजार में तेजी आती है और वही यूनिट 22 रुपये की हो जाती है, तो सिर्फ कीमत बढ़ने से ही आपकी 50 यूनिट पर 100 रुपये का फायदा हो सकता है।

यही कारण है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए एसआईपी को बेहतर विकल्प माना जाता है। यह बाजार के उतार-चढ़ाव को संतुलित करते हुए निवेशकों को औसत लागत का फायदा भी देता है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर

सीए शरद मिश्रा बताते हैं कि बाजार में गिरावट भले ही आपदा लगती हो लेकिन अवसर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर बनकर आती है। एसआईपी एक लॉन्ग टर्म इंवेस्टमेंट प्लान होती है। बाजार में गिरावट के समय किया गया निवेश अधिक यूनिट दिलवाता है। इसी तरह चढ़ता बाजार उन यूनिट्स पर अधिक लाभ दिलवाता है। नियमित निवेश जारी रखने से भविष्य में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए मार्केट में गिरावट हो या उछाल दोनों ही स्थितियों में एसआईपी को चलते रहने देना चाहिए।

उत्तर प्रदेश जल्द बन जाएगा सौर ऊर्जा निवेश का हब

कानपुर। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और फर्स्ट व्यू न्यूपेनेडा, उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम शुरू किया है। वह दिन ज्यादा दूर नहीं जब उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा का हब बन जाएगा। सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर एक अपेक्स प्री-इवेंट जागरूकता कार्यक्रम विकास भवन में हुआ। इसमें उद्योग जगत के हितधारकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना जैसे प्रयास घरों, किसानों और उद्योगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जिससे सतत विकास और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिल रही है।

सरकार ने अदला-बदली नीलामी में वापस खरीदे 6,309 करोड़ के बॉन्ड

मुंबई, एजेंसी

सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से आयोजित अदला-बदली नीलामी के तहत 6,309 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां (जी-सेक) वापस खरीद ली हैं और उनके बदले 6,431.79 करोड़ रुपये के नए बॉन्ड जारी किए हैं। सरकारी प्रतिभूति कम जोखिम वाले ऋण साधन होते हैं जिन्हें सरकार जारी करती है। सरकारी गारंटी वाली इन प्रतिभूतियों पर निश्चित प्रतिफल मिलता है।

सरकार की तरफ से दोबारा खरीदी गई प्रतिभूतियां अगले वित्त वर्ष में परिपक्व होने वाले निर्गम बॉन्ड का हिस्सा थीं। इनमें 1,684 करोड़ रुपये मूल्य के 7.33 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 1,035 करोड़ रुपये मूल्य के 5.74 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 590 करोड़ रुपये मूल्य के 8.15 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड और 3,000 करोड़ रुपये के 8.24 प्रतिशत जीएस 2027 बॉन्ड शामिल हैं।

इन बॉन्ड के बदले सरकार ने 1,719.23 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड, 986.52 करोड़ रुपये मूल्य के 7.62 प्रतिशत जीएस 2039 बॉन्ड, 605.60 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड और 3,120.42 करोड़ रुपये के 7.40 प्रतिशत जीएस 2062 के बॉन्ड जारी किए। यह फरवरी के बाद से आरबीआई द्वारा आयोजित बॉन्ड अदला-बदली की चौथी नीलामी है।

रिजर्व बैंक ने खरीदी 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सोमवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की। केंद्रीय बैंक ने पिछले सप्ताह खुले बाजार से दो किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की घोषणा की थी। पहली किस्त के तहत आज खरीद की गयी है जबकि दूसरी किस्त की खरीद 13 मार्च को की जायेगी। आज खरीदी गयी सरकारी प्रतिभूतियों में चार साल, पांच साल, सात साल, आठ साल, नौ साल, 13 साल और 27 साल की मियाद वाली प्रतिभूतियां शामिल हैं।

इस नीलामी के तहत सरकार निकट अवधि में परिपक्व होने वाले बॉन्ड की जगह लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करती है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ताइवान की आजादी की मांग करने वालों को चीन में कड़ी सजा

बीजिंग। चीन ने 2025 में ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाले कट्टर अलगाववादियों को कड़ी सजा दी है। सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी कि चीन में अलगाव रोधी कानून को सख्ती से लागू किया गया है। सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट ने उसी दिन समीक्षा के लिए जमा की गई अपनी वर्क रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए अलगाववाद को भड़काने के अपराधों के लिए अलगाववादियों को कानून के अनुसार सजा दी गई है।

बेंगलुरु के पास से अपहृत व्यक्ति का शव तमिलनाडु में मिला

बेंगलुरु। शहर के पास से अपहृत किए गए एक रियल एस्टेट कारोबारी का शव सोमवार को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में मिला जिस पर गोली के निशान थे। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 30 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी गोपाल उर्फ गोपी के रूप में हुई है, जो बेंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में आनेकल तालुक के होन्नाकलासापुरा गांव के निवासी थे। पुलिस ने मोहन बाबू नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसे मुख्य साजिशकर्ता माना जा रहा है। उसके दो साथियों को पकड़ने के प्रयास भी जारी हैं।

ओडिशा: आइसक्रीम फैक्ट्री में विस्फोट, एक की मौत, तीन घायल

ब्रह्मपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में सोमवार को आइसक्रीम बनाने वाली एक इकाई में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धाराकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत तलपटना गांव में हुई। मृतक की पहचान जगन्नाथ प्रसाद थाना अंतर्गत कुशापल्ली निवासी बिदेशी प्रधान (56) के रूप में हुई है। घायलों में इकाई का मालिक, उसका बेटा और उसकी पत्नी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि उन्हें यहां एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पाकिस्तानी निर्माता टैगोर की लघु कथा 'शास्ति' पर फिल्म बनाएंगे

- मशहूर बांग्लादेशी फिल्मकार लीसा गाजी करेंगी निर्देशन

कराची। पाकिस्तानी निर्माता आबिद मर्चेट ने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की 1893 की लघुकथा 'शास्ति' (सजा) पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म की शुरुआत करने की घोषणा की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया के फिल्म पेशेवर शामिल होंगे।

फिल्म का निर्देशन बांग्लादेशी फिल्मकार लीसा गाजी करेंगी, जिन्हें उनकी 2025 की फिल्म 'ए हाउस नेम्ड शाहाना' के लिए जाना जाता है। मर्चेट ने बताया कि वह अपनी संस्था 'सनात इनिशिएटिव' के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण करेंगे। फिल्म में बांग्लादेश की दो प्रमुख अभिनेत्रियां पोरी मोनी और चंचल चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। सहलेखिका आनन सिद्दीका और ऑस्ट्रेलियाई-बंगाली अभिनेता अर्का दास भी इसमें शामिल हैं। मर्चेट ने कहा कि यह फिल्म दो भाई और उनकी पत्नियों के इर्द-गिर्द घूमती है और इसमें हत्या और अदालत का कथानक भी है। हालांकि यह एक व्यावसायिक फिल्म है जिसे हम कई भाषाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज करना चाहते हैं।

उनसे जब फिल्म में पाकिस्तानी कलाकारों की अनुपस्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह फिल्म बांग्लादेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है, इसलिए प्रामाणिकता महत्वपूर्ण है।

इजराइल का डिफेंस सिस्टम इतना भी अभेद्य नहीं

ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से शुरू हुए ताजा युद्ध में इजराइल को भीषण जवाबी हमलों का सामना करना पड़ा है और इन हमलों ने एक बार फिर इस बहुप्रचारित दावे पर सवाल उठाए हैं कि इजराइल का एयर डिफेंस सिस्टम अभेद्य है। दरअसल, ईरानी मिसाइलों ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव के साथ मध्य इजराइल के घनी आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया है जिनकी वजह से न सिर्फ तमाम लोगों की मौत हुई है बल्कि सैकड़ों लोग घायल भी हुए हैं। ईरान के हमलों से बचने के लिए इजराइल की बड़ी आबादी को बंकरों में शरण लेनी पड़ी है। तेल अवीव समेत प्रमुख शहरों में बार-बार लोगों को अलर्ट करने के लिए सायरन बज रहे हैं, जो यह बताने के लिए काफी है कि खुद इजराइल को भी यह एहसास है कि उसका एयर डिफेंस सिस्टम शत-प्रतिशत तौर पर दुश्मन की मिसाइलों को रोकने में सक्षम नहीं है।

ईरान के हमलों के आगे यह है बड़ी चुनौती

- ईरान एक साथ बड़ी संख्या में मिसाइलें और ड्रोन दागकर इजराइल के रडार और इंटरसेप्टर की क्षमता को ओवरलोड करने की कोशिश कर रहा है।
- ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइलों का उपयोग किया है, जो अत्यधिक गति और दिशा बदलने की क्षमता के कारण डिफेंस सिस्टम को चकमा दे देती हैं।
- इजराइल के आयरन डोम की तामीर मिसाइल जैसी इंटरसेप्टर मिसाइलों की संख्या सीमित है। लगातार हमलों से इनका स्टॉक खत्म हो सकता है।
- एक आयरन डोम इंटरसेप्टर की लागत 40,000 से 50,000 डॉलर है, जबकि ईरान के ड्रोन बहुत सस्ते हैं। यह इजराइल के लिए महंगा पड़ रहा है।
- 9 मार्च को तेल अवीव में इजराइली नेताओं का अत्यंत गुप्त बंकर ईरानी मिसाइल ने तबाह कर दिया।

इजराइल पर हमलों का असर

- मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 28 फरवरी से 4 मार्च के बीच ईरान ने 90 से ज्यादा हमले किए 19 मार्च को 12 घंटे से भी कम समय में बैलिस्टिक मिसाइलों की 5 बड़ी लहरें दागीं।
- तेल अवीव और मध्य इजराइल के घनी आबादी वाले इलाकों में ईरान की मिसाइलें गिरने से अब तक 24 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसके साथ सैकड़ों घायल हुए हैं।
- रामत गन और तेल अवीव के आवासीय भवनों और नागरिक संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान ने इजराइल की हाइफा रिफाइनरी को भी निशाना बनाया गया है।
- तीन मार्च की रिपोर्टों के अनुसार ईरान की लगभग 20 मिसाइलें सीधे नागरिक क्षेत्रों में गिरीं जो साबित करता है कि कुछ मिसाइलें उसके रक्षा कवच को भेदने में सफल रही हैं।
- ईरान के मिसाइल हमले में जॉर्डन में तैनात एक अमेरिकी थाड सिस्टम का रडार (एएन/टीपीवाई-2) भी नष्ट होने की खबर है, इस रडार की कीमत लगभग 300 मिलियन डॉलर थी।

अभेद्य नहीं

- ईरान ने शक्तिशाली हमलों ने यह साबित किया है कि कोई भी सिस्टम 100 प्रतिशत अभेद्य और अचूक नहीं है। बस इतना ही कहा जा सकता है कि इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और एरो दुनिया में सबसे उन्नत है।

बंकरों के भरोसे लोग

- पूरे देश में 12,000 सार्वजनिक बंकर हैं। ये बड़े भूमिगत हॉल होते हैं जिनमें एक साथ सैकड़ों लोग शरण ले सकते हैं।
- 1992 के बाद बने हर घर या अपार्टमेंट में एक सेफ रूम होना अनिवार्य है। ये मिसाइल हमलों के प्रति सुरक्षित माने जाते हैं।
- कई शॉपिंग मॉल, अस्पताल और होटलों के नीचे गहरे बंकर बने हैं, जिनमें जिम, डाइनिंग एरिया और वाशरूम भी होते हैं।

नेपाल: सबसे युवा और पहले मधेसी पीएम होंगे बालेंद्र

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने अब तक 165 में से 124 सीटों पर हासिल की जीत, एक पर और आगे, चार सीटों की गिनती बाकी

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में हुए आम चुनाव में युवा नेता बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 165 में से 124 सीट पर जीत हासिल कर ली है और एक सीट पर आगे चल रही है। संसद की कुल 275 सीटों में से बाकी बची 110 समानुपातिक (पीआर) सीटों के लिए भी मतगणना अंतिम चरण में है। प्रारंभिक रुझानों में आरएसपी को कुल मतों का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा मिलता दिख रहा है। यदि यही रुझान अंतिम परिणामों में तब्दील होता है, तो आरएसपी अकेले 185-186 सीट तक पहुंच सकती है, जो दो-तिहाई बहुमत (184 सीट) के जादुई आंकड़े से अधिक होगा।

चुनाव आयोग ने 165 में से 162 सीट के परिणाम घोषित कर दिए हैं। नेपाली कांग्रेस 18 सीट जीतकर दूसरे स्थान पर है, जबकि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) ने आठ सीट जीती हैं और एक पर आगे चल रही है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को सात सीट हासिल हुई हैं। इन प्रमुख दलों के अलावा श्रम संस्कृति पार्टी के तीन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी का एक प्रत्याशी और एक स्वतंत्र उम्मीदवार भी इन चुनावों में सफल रहा है। इस चुनाव का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला परिणाम झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से आया है। यहां आरएसपी के प्रधानमंत्री पद के चेहरे बालेंद्र शाह ने नेपाल के कद्दावर नेता और चार बार प्रधानमंत्री रहे केपी शर्मा ओली को करीब 50,000 वोटों के भारी अंतर से शिकस्त दी है।

पुराने चेहरों के युग का अंत: ओली की हार के साथ ही नेपाल की राजनीति में दशकों से दबदबा रखने वाले पुराने चेहरों के युग का अंत माना जा रहा है। बालेंद्र शाह अब नेपाल के इतिहास के सबसे युवा और पहले 'मधेसी' प्रधानमंत्री बनने की दहलीज पर खड़े हैं।

165 सीटों में से 161 सीट के परिणाम अब तक घोषित

काठमांडू। अब तक प्रत्यक्ष मतदान के तहत 165 सीटों में से 161 सीट के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। शेष चार सीट के परिणाम दोपहर तक आने की संभावना है। आनुपातिक मतदान में आरएसपी को 40,49,604, एनसी को 13,60,281, सीपीएन-यूएमएल को 11,50,679, एनसीपी को 5,91,940, श्रम संस्कृति पार्टी को 2,91,965, जनता समाजवादी पार्टी को 1,16,463 और राष्ट्रीय परिवर्तन पार्टी को 2, 76,931 वोट मिले हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 40 लाख से अधिक वोट हासिल करने के साथ ही आरएसपी को कम से कम 40 अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं, जिससे 275-सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में उसकी कुल संख्या लगभग 164 हो जाएगी। यह बहुमत के लिए आवश्यक 138 सीट से काफी अधिक है।

नेपाल: ऊपरी सदन के नवनिर्वाचित 17 सदस्यों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

काठमांडू। नेपाल में निचले सदन प्रतिनिधि सभा के चुनाव की गहमागहमी के बीच संघीय संसद के ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों ने सोमवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। काठमांडू के सिंह दरबार में आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दहल ने 18 में से 17 सदस्यों को शपथ दिलाई। इन सदस्यों का निर्वाचन इसी वर्ष 25 जनवरी को हुआ था। नेपाल के संविधान के अनुसार, 59 सदस्यीय राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का कार्यकाल छह वर्ष का होता है। सदन की निरंतरता बनाए रखने के लिए इसके एक-तिहाई सदस्यों का कार्यकाल प्रत्येक दो वर्ष में समाप्त हो जाता है और उनकी जगह नए चुनाव कराए जाते हैं। इस बार 19 सदस्यों का कार्यकाल 4 मार्च 2026 को समाप्त हुआ था।

मोदी ने रबी लामिछाने और बालेंद्र शाह से बात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेताओं रबी लामिछाने तथा बालेंद्र शाह से बात की और उन्हें चुनाव में जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों की पारस्परिक समृद्धि, प्रगति और खुशहाली के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। नेपाल के दोनों नेताओं के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि संयुक्त प्रयासों से भारत-नेपाल संबंध आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने और आरएसपी के वरिष्ठ नेता बालेंद्र शाह के साथ फोन पर सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई।

आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाने पर कांग्रेस विधायक का निर्वाचन अमान्य

- मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उप विजेता रहे भाजपा प्रत्याशी को विजेता करार दिया

ग्वालियर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 2024 के उपचुनाव के दौरान लंबित आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाने के कारण श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव सोमवार को अमान्य घोषित कर दिया।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर पीठ के न्यायमूर्ति जी एस अहलूवालिया की एकल पीठ ने इस सीट पर हुए चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे भाजपा के उम्मीदवार रामनिवास रावत को निर्वाचित विधायक घोषित किया। अदालत के 72 पृष्ठों के आदेश में कहा गया, मल्होत्रा ने नामांकन के समय दायर शपथपत्र में अपने खिलाफ लंबित दो आपराधिक मामलों में आरोप तय होने की जानकारी जानबूझकर और सोच-समझकर छिपाई, जिससे मतदाता गुमराह हुए। अदालत ने कहा, इस तरह की जानकारी छिपाने से मतदाताओं के स्वतंत्र रूप से मताधिकार के प्रयोग में बाधा उत्पन्न हुई और उन्हें विवेकपूर्ण निर्णय लेने के अधिकार से वंचित किया गया। अदालत ने कहा कि यह कृत्य मताधिकार के स्वतंत्र प्रयोग में प्रत्यक्ष या परोक्ष हस्तक्षेप है और इसे अनुचित प्रभाव माना जाएगा। आदेश में कहा गया, यह आवश्यक नहीं है कि अदालत यह विचार करे कि प्रतिवादी नम्बर एक/मुकेश मल्होत्रा द्वारा जानकारी छिपाने से चुनाव परिणाम पर वास्तविक प्रभाव पड़ा या नहीं, क्योंकि ऐसे मामलों में इसका अनुमान लगाया जाता है।

कोलकाता में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को दिखाए काले झंडे, नारेबाजी की

- कालीघाट मंदिर पहुंचे थे ज्ञानेश कुमार, वापस जाओ के लगे नारे

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण कोलकाता के प्रतिष्ठित कालीघाट मंदिर में सोमवार सुबह दर्शन करने पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को वापस जाओ के नारों और काले झंडों के साथ विरोध का सामना करना पड़ा। यहां मौजूद पुलिसकर्मियों को स्थिति को नियंत्रित करना पड़ा, जिसके बाद ज्ञानेश कुमार मंदिर में दर्शन के लिए आगे बढ़ पाए।

रविवार रात को भी ज्ञानेश कुमार के पहुंचने पर भी हवाई अड्डे के पास इसी तरह का विरोध किया गया था। जब उनका काफिला हवाई अड्डे से बाहर निकल रहा था, तब तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एसआईआर को लेकर विरोध करते हुए वापस जाओ के नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। हवाई अड्डे के बाहर वाम दल कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले ज्ञानेश कुमार की तीन दिवसीय यात्रा के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करतीं महिलाएं।

नाम विचाराधीन श्रेणी में देख महिला ने की आत्महत्या

कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले में 50 वर्षीय रीना रानी कुंदू एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम विचाराधीन श्रेणी में देखकर इतना व्यथित हुई कि सोमवार को आत्महत्या कर ली। उसके दो बेटों के नाम भी सूची से गायब थे। पुलिस के मुताबिक घटना बदुरिया उपमंडल के पश्चिम चांदीपुर गांव में हुई। निर्वाचन आयोग ने 28 फरवरी को जारी मतदाता सूची में 60 लाख से अधिक मतदाताओं को विचाराधीन श्रेणी में रखा था। आयोग की ओर से नियुक्त न्यायिक अधिकारी वर्तमान में गणना प्रपत्रों की 'तार्किक विसंगतियों' को लेकर जांच कर रहे हैं।

अफसरों को धमका रहे सीईसी, ये दुस्साहस है: ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एक बैठक के दौरान राज्य के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर आसीन अधिकारियों का दुस्साहस दिखाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ की बैठक के बाद यह टिप्पणी की है, जिसमें राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने अप्रैल में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की। कोलकाता में एसआईआर के विरोध में धरनास्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने ये आरोप लगाए।

एसआईआर : नाम हटाने की याचिका पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन मतदाताओं की नई याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमति जताई जिनके नाम पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान निर्वाचन आयोग ने हटा दिए थे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्य बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी के तर्क पर गौर किया कि यह याचिका मतदाता सूचियों से पूर्ववर्ती मतदाताओं के नाम हटाए जाने से संबंधित है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, ये मतदाता हैं, इन्होंने पहले मतदान किया था, लेकिन अब उनके दस्तावेज स्वीकार नहीं किए गए। सीजेआई ने कहा हम न्यायिक अधिकारियों के निर्णयों के खिलाफ अपील को रोक नहीं सकते। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि अपील विचारयोग्य है। इस पर पीठ ने कहा कि याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

राजौरी में नदी पार करने के अभ्यास के दौरान सैनिक लापता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में सोमवार को नदी पार करने के अभ्यास के दौरान सेना का एक जवान लापता हो गया। जवान का पता लगाने के लिए संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि यह घटना खौर इलाके में मनावर नदी में हुई और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम जवान का पता लगाने के लिए सेना और पुलिस के साथ अभियान में शामिल है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सुंदरबनी में नदी पार करने के प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान, सिपाही अक्षित शर्मा के आज (सोमवार) दोपहर करीब 12 बजे लापता होने की सूचना मिली। सैनिक का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

हादी के हत्यारोपियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू

ढाका। बांग्लादेश ने सोमवार को कहा कि उसने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपी दो संदिग्ध हमलावरों को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले संदिग्धों को भारतीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने सोमवार को उत्तर-पश्चिमी कॉक्स बाजार में पत्रकारों से कहा, दोनों आरोपियों को प्रत्यर्पित करने की पहल की गई है। ढाका में एक अलग संवाददाता सम्मेलन में बांग्लादेश के पुलिस प्रमुख मोहम्मद अली हुसैन फाकिर ने कहा कि संदिग्धों फैसल करीम मसूद और आलमगीर हुसैन को वापस लाने के लिए राजनयिक प्रयास जारी हैं। इंकलाब मंच के प्रवक्ता और भारत के कट्टर आलोचक रहे हादी जुलाई-अगस्त 2024 के जनांदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुए थे। इन आंदोलनों के कारण शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

पूर्वी प्रशांत महासागर में नाव पर अमेरिकी हमले में छह की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने रविवार को कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित मादक पदार्थ तस्करी में शामिल एक नाव पर किए गए हमले में छह लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अमेरिकी प्रशासन के अभियान का हिस्सा बताई गई है।

रविवार के इस हमले के साथ ही सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों को निशाना बनाने के अभियान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 157 हो गई है। ट्रंप प्रशासन इन लोगों को नार्को-आतंकवादी बताता रहा है। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरेबियाई सागर में किए गए 40 से अधिक हमलों की तरह इस कार्रवाई में भी मादक पदार्थ तस्करों को उनके तस्करी मार्गों पर निशाना बनाया गया। हालांकि सेना ने यह सबूत नहीं दिया कि संबंधित नाव में मादक पदार्थ ले जाए जा रहे थे।

राष्ट्रपति प्रोटोकॉल मामले में केंद्र को भेजी रिपोर्ट

- मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति का कारण बताया, दस्तावेज भी भेजे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सिलीगुड़ी दौरे के दौरान कथित प्रोटोकॉल के उल्लंघन के संदर्भ में परिस्थितियों को स्पष्ट करते हुए सोमवार को केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपी। राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती की ओर से केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को भेजी गई रिपोर्ट में घटनाक्रम का विवरण देने के लिए सहायक दस्तावेज भी शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी देने वाली रिपोर्ट संबंधित दस्तावेजों के साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दी गई है। उन्होंने कहा, हमने हर चरण में किए गए प्रशासनिक निर्णयों को रिकॉर्ड में रखा है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कार्यक्रम में क्यों उपस्थित नहीं हुईं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को राष्ट्रपति मुर्मू के दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय आदिवासी और संथाल सम्मेलन का स्थल बदलने संबंधी निर्णय से जुड़े कारणों के बारे में जानकारी दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सात मार्च को राष्ट्रपति के राज्य दौरे के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोपों के बाद पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी थी। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में राष्ट्रपति के आगमन के दौरान राज्य मेंमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की अनुपस्थिति पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी, और इसे ब्लू बुक नियमों का गंभीर उल्लंघन बताया गया था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज मित्रों के साथ अनबन हो सकती है। व्यर्थ के खर्चों में बढ़ोतरी होगी। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं।

तुला — आज अपनी कमियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ने वाला है। किसी से अधिक अपेक्षा न रखें।

वृष — आज सफलता मिलने के योग हैं। मन में नए और रचनात्मक विचार आते रहेंगे। नए लोगों के साथ संपर्क विकसित होंगे।

वृश्चिक — आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। साझेदारी से जुड़े हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। अपने काम पर विश्वास बनाए रखें।

मिथुन — आज आप कार्यक्षेत्र में काफी मेहनत करेंगे। व्यवसाय में सुधार करने की आवश्यकता है। बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

धनु — आज आपको यात्रा करनी पड़ सकती हैं। स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। बाजार के भोजन से आपको बचना चाहिए।

कर्क — आज आप छोटी-छोटी बातों को महत्व न दें। बुरे लोगों की संगत से बचें। कमीशन संबंधी कार्यों में धन हानि हो सकती है।

मकर — आज शेयर मार्केट में धन निवेश लाभकारी होगा। परिजनों पर धन खर्च करेंगे। गैरकानूनी कार्यों में रुचि ले सकते हैं।

सिंह — आज नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। वाणी पर नियंत्रण रखें। वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए।

कुंभ — आज प्रबंधन संबंधी कार्यों के लिए दिन विशेष है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। कारोबार में योजनाएं बदलनी पड़ सकती हैं।

कन्या — आज राजनीतिक संबंधों के लिए दिन अच्छा है। आप कठिन काम को सूझबूझ से सुलझा लेंगे। व्यवसाय में बड़ी उपलब्धि मिल सकती है।

मीन — आज किसी को उधार में धन न दें। कार्यशैली में सुधार कर सकते हैं। आपको इच्छित परिणाम मिलने में कठिनाई होगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

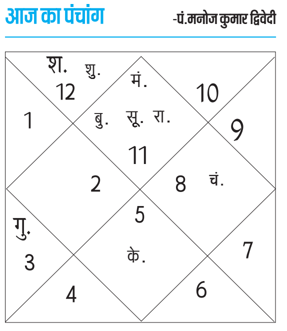

आज की ग्रह स्थिति : 10 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 11 मार्च 01.54 तक तत्पश्चात अष्टमी।

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 19.05 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

सुडोकू - 83 का हल

2	9	3	6	5	8	7	1	4
4	6	7	9	1	2	3	5	8
8	5	1	3	4	7	9	6	2
9	1	6	5	2	4	8	3	7
3	8	4	7	6	9	5	2	1
5	7	2	8	3	1	4	9	6
6	4	9	1	8	3	2	7	5
1	3	8	2	7	5	6	4	9
7	2	5	4	9	6	1	8	3

सुडोकू -84

	9		7		5			8
	8		2		1			
2				6				1
		3			2	5	4	
	2	6	1			8		
5				7				2
4			9		3		6	
				1	8		9	

तनातनी — दोनों सदनों में जानकारी दे चुके हैं जयशंकर, विपक्ष की मांग मानने के मूड में नहीं सरकार

पश्चिम एशिया पर संसद में चर्चा होने की संभावना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट पर संसद में चर्चा कराने संबंधी विपक्ष की मांग को सरकार की ओर से स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों सदनों को इस मुद्दे पर जानकारी दे चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करना चाहती है, जिस पर मंगलवार को चर्चा होने की संभावना है क्योंकि पश्चिम एशिया पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन के कारण कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में स्थिति पर संसद में कोई चर्चा नहीं होगी क्योंकि विदेश मंत्री दोनों सदनों को इस बारे में जानकारी दे चुके हैं। पश्चिम एशिया में स्थिति पर चर्चा की मांग को लेकर सोमवार को लोकसभा में हुए हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद तीसरी बार दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। सरकार ने विपक्ष पर सदन के नियमों का पालन न करने का आरोप लगाया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पश्चिम एशिया में स्थिति पर बयान देने के लिए जैसे ही खड़े हुए, विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए और पश्चिम एशिया में जारी संकट पर विस्तृत चर्चा की मांग की। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, आप लोग सदन में तख्तियां लेकर आए हैं, आप यह पहले से तय करके आएं है कि सदन नहीं चलने देना है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस पर गैरजिम्मेदार विपक्षी दल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लगता है कि विपक्ष असमंजस में है क्योंकि पहले वह खुद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अनावश्यक प्रस्ताव लेकर आया और अब दूसरा विषय लेकर आ गया। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में संघर्ष और इसकी वजह से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों पर सोमवार को उच्च सदन में संक्षिप्त चर्चा कराने की मांग की।

असलियत सामने न आ जाए इसलिए डर रहे हैं मोदी : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार संसद में पश्चिम एशिया मामले पर चर्चा नहीं करना चाहती क्योंकि यह बात सामने आएगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है और वह कम्प्रोमाइज्ड हो चुके हैं। राहुल गांधी ने यह दावा भी किया, आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से भाग गए हैं। अब वह सदन के अंदर नहीं आ पाएंगे। राहुल ने कहा, पश्चिम एशिया में आमूलचूल परिवर्तन की लड़ाई चल रही है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होने वाला है। पश्चिम एशिया एक जरूरी मुद्दा है, क्योंकि उसका असर ईंधन की कीमत और भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। वहीं, नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका से व्यापार समझौता कर लिया है और हमने स्टॉक बाजार का हाल देख लिया है।

"विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए जज्बा चाहिए और सूर्यकुमार की अगुआई वाली इस टीम ने सबसे बड़े मंच पर असली जज्बे के साथ खेला। संजू ने मौके मिलने पर फिर से दिखाया कि वह मैच विजेता क्यों हैं। अभिषेक शर्मा फाइनल में शानदार थे।
–युवराज सिंह

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 10 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

जीत की हकदार है पूरी टीम : सचिन

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत को 'पूरी तरह से जीत का हकदार' बताया जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें 'सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम' का तमगा किया। क्रिकेट जगत ने इस तरह से भारतीय टीम की ऐतिहासिक तीसरी टी20 विश्व कप खिताबी जीत को सराहा। तेंदुलकर ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की और मुंबई में अपने घर के बाहर जश्न की एक झलक साझा की। तेंदुलकर ने लिखा लगातार दो बार विश्व कप जीतना, पहली बार किसी टीम ने टी-20 प्रारूप में ऐसा किया है। ट्रॉफी के पूरी तरह से हकदार।

यह जीत हमारी ताकत दिखाती है : गांगुली

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि यह जीत हर स्तर पर भारतीय क्रिकेट की ताकत दिखाती है। गांगुली ने पोस्ट किया टी20 विश्व कप जीतने के लिए भारत को बधाई... बहुत मजबूत टीम... बड़े मुकाबलों में बेहतर हुई... भारतीय क्रिकेट शानदार जगह पर है। महिला चैंपियन, अंडर-19 चैंपियन और अब पुरुष टी20 चैंपियन।

आपकी मुस्कान अच्छी लगती है : धोनी

अहमदाबाद। भारत की इतिहास रचने वाली टी20 विश्व कप जीत ने लगभग दो साल बाद महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को सोशल मीडिया पर फिर से सक्रिय कर दिया और उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर को बताया कि उनके गंभीर चेहरे पर मुस्कान कितनी अच्छी लगती है। धोनी ने इंस्टाग्राम पर पिछला पोस्ट 2024 में किया था। उन्होंने यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल देखने के बाद पोस्ट किया अहमदाबाद में इतिहास बना, टीम और सहयोगी स्टाफ तथा दुनिया भर में भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते हुए देखकर बहुत खुशी हुई।

सूर्यकुमार का विश्व कप ट्रॉफी के साथ अडालज बावड़ी में हुआ फोटोशूट

अहमदाबाद, एजेंसी

- **ऐतिहासिक स्मारक परिसर और आसपास की सड़कों पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों की उमड़ी भीड़**
- **अष्टकोणीय आकार की इस मध्यकालीन बावड़ी को देखने आते हैं देश-विदेश के पर्यटक**

भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के सोमवार को अडालज बावड़ी में विशेष फोटोशूट के लिए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ पहुंचते ही उत्सव जैसा माहौल बन गया।

इस ऐतिहासिक स्मारक परिसर और आसपास की सड़कों पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई प्रशंसक सूर्यकुमार की एक झलक पाने के लिए आसपास की दीवारों और छतों पर भी चढ़ गए। जैसे ही कप्तान ट्रॉफी के साथ पहुंचे, प्रशंसकों ने 'इंडिया इंडिया'' के नारों से माहौल को और भी जोशीला बना दिया।

भारत ने रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप खिताब को अपने नाम किया। अधिकारियों ने बताया कि अडालत बावड़ी का यह दौरा भारतीय कप्तान और विश्व कप ट्रॉफी के साथ आयोजित एक प्रमोशनल फोटोशूट का हिस्सा था। इससे पहले भी इस ऐतिहासिक स्मारक पर इसी तरह के फोटोशूट आयोजित किए जा चुके हैं। बड़ी भीड़ को देखते हुए बावड़ी परिसर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अडालज नी वाव के नाम से प्रसिद्ध यह बावड़ी गुजरात के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों में से एक है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करती है। अहमदाबाद से लगभग 18 किलोमीटर दूर स्थित इस बावड़ी का निर्माण वर्ष 1499 में वाघेला शासक राणा वीर सिंह की पत्नी रानी रुदाबाई ने करवाया था। पांच मंजिला यह संरचना अपनी बारीक नक्काशी और विशिष्ट भारतीय-इस्लामिक वास्तुकला शैली के लिए प्रसिद्ध है। अष्टकोणीय आकार की यह बावड़ी मध्यकालीन दौर में पानी के स्रोत के साथ-साथ यात्रियों के विश्राम स्थल के रूप में भी उपयोग में लाई जाती थी। खूबसूरती से तराशी गई दीवारें गुजरात के सबसे आकर्षक विरासत में एक है।

बारबाडोस से अहमदाबाद तक : क्रिकेट में भारत के दबदबे की अभूतपूर्व दास्तान

टी-20 में भारतीय टीम को अब हरा पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज के बारबाडोस में मिली जीत ने जहां बरसों की नाकामी का कलंक मिटाया तो अहमदाबाद में नई बादशाहत कायम हुई। वाकई क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में इस भारतीय टीम को हरा पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन सा लगने लगा है। न्यूजीलैंड को फाइनल में 96 रन से हराकर भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार चैम्पियन बनने का रिकॉर्ड ही नहीं बनाया बल्कि ताबड़तोड़ क्रिकेट में भारत की बादशाहत की तस्दीक भी कर दी। मैदान पर भारत का प्रदर्शन इस कदर शानदार रहा कि टूर्नामेंट से पहले सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के बाहर होने और भारत के खिलाफ मैच को लेकर पाकिस्तान की बहिष्कार की धमकी को लोग भूल ही गए।

भारत तीन टी20 विश्व कप (2007, 2024 और 2026) जीतने और लगातार दो बार खिताब अपने नाम करने वाली पहली टीम बन गई है। क्रिकेट की आर्थिक धुरी तो बीसीसीआई पहले ही से है। भारतीय क्रिकेट की प्रतिभा ने मिलकर सत्ता और प्रतिभा का बेहतरीन कॉकटेल बना दिया है।

टी-20 विश्व कप जीतने के बाद देर रात तक जश्न मनाती रही भारतीय टीम। एजेंसी

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि दो दशक पहले शुरू हुए खेल के इस प्रारूप में मौजूदा भारतीय टीम अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम है।

भारत का वर्चस्व कुछ उसी तरह का है जैसे 70 या 80 के दशक में वेस्टइंडीज का और मिलेनियम के पहले दशक में आस्ट्रेलिया का हुआ करता था। भारत की जीत के अंदाज और अंतर ने इस प्रारूप में टीम की श्रेष्ठता तो साबित की है लेकिन जिन खिलाड़ियों को टीम में जगह बनाने का मौका नहीं मिल सका, उन पर दृष्टिपात करें तो भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा की गहराई का पता चलता है। संजू सैमसन, ईशान किशन, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे सभी ने जीत में योगदान दिया। लेकिन यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी जो बाहर रहे, वे दुनिया की किसी भी टीम में जगह पाने के हकदार थे। चौदह वर्ष के वैभव सूर्यवंशी को कैसे भुलाया जा सकता है। क्रिकेट पंडितों का मानना है कि भारत अपनी 'ए' टीम खड़ी करके भी विश्व कप जीत सकता है। भारत की सफलता के पीछे टीम प्रबंधन के साहसिक फैसले, विकेट बचाने की बजाय तेजी से खेलने की रणनीति, मैदान पर उस पर सटीक अमल शामिल है।

दूसरी तरफ एक बार फिर आईसीसी के सफेद गेंद के टूर्नामेंट के नॉकआउट में आसानी से घुटने टेककर लगता है कि न्यूजीलैंड ने 'चोकर्स' का ठप्पा दक्षिण अफ्रीका से ले लिया है। कीवी टीम 2015 से 13 आईसीसी टूर्नामेंटों में से छह के फाइनल में पहुंची लेकिन सिर्फ एक 2021 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीती।

इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान क्रिकेट का लंबे समय से चला आ रहा खराब दौर जारी रहा। बार बार कप्तान बदलना, टीम में एकता का अभाव और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम की कमी साफ नजर आई।

वहीं एसोसिएट टीमों ने अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी हालांकि उन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। अमेरिका ने भारत को कड़ी चुनौती दी जबकि इंग्लैंड टीम नेपाल के खिलाफ उलटफेर का शिकार होने से बची। कनाडा के युवराज सामरा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जमाया और जिम्बाब्वे ने आस्ट्रेलिया को ग्रुप चरण में हराकर बाहर किया।

निजी उपलब्धियों का नहीं मनाया जाएगा जश्न : गंभीर

अहमदाबाद, एजेंसी

- **आईसीसी के फाइनल में दो बार अपनी टीम के लिए शीर्ष स्कोरर रहे गौतम गंभीर का छलका दर्द**

गौतम गंभीर इस एक बात को कहते हुए कभी नहीं थकते। असल में वह इसे हर मौके पर उन लोगों के लिए दोहराते हैं जिन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है और वह यह है कि मुख्य कोच के तौर पर उनके कार्यकाल में निजी उपलब्धियों का जश्न नहीं मनाया जाएगा। इस सिद्धांत की सबसे नवीनतम झलक तब दिखी जब भारत ने रविवार को यहां फाइनल में बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर अपना तीसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता।

आईसीसी के वैश्विक फाइनल में दो बार अपनी टीम के लिए शीर्ष स्कोरर रहे गंभीर ने जोर देते हुए कहा मुझे लगता है कि सूर्या (भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव) के साथ मेरा सामान्य सा फलसफा हमेशा से यही रहा है कि उपलब्धियां मायने नहीं रखती। ट्रॉफी मायने रखती हैं। भारतीय क्रिकेट में बहुत लंबे समय से हम उपलब्धियों के बारे में बात करते आ रहे हैं। और मुझे उम्मीद है कि जब तक मैं हूं हम उपलब्धियों के बारे में बात नहीं करेंगे।

आईसीसी ने टीमों पर की धनवर्षा

आईसीसी ने टी-20 विश्व कप खेलने वाली टीमों पर धनवर्षा की है। पूरे टूर्नामेंट के लिए कुल 120 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया था। आइए जानें किस टीम को कितना लाभ होगा।

विजेता : करीब 27.48 करोड़
भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनने पर आईसीसी की तरफ से इनामी राशि के रूप में 3 मिलियन डॉलर मिले हैं. भारतीय रुपये में यह रकम करीब 27.48 करोड़ है।

उपविजेता : 14.65 करोड़ रुपये
उपविजेता न्यूजीलैंड को 1.6 मिलियन डॉलर (लगभग 14.65 करोड़ रुपये) मिले हैं।

सेमी फाइनल : 7.24 करोड़ रुपये
सेमीफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड में से प्रत्येक को 790,000 डॉलर (लगभग 7.24 करोड़ रुपये) मिले।

सुपर-8 तक पहुंचने वाली टीम को मिला 3.48 करोड़ रुपये
सुपर-8 तक पहुंची टीमों को 380,000 डॉलर (लगभग 3.48 करोड़ रुपये) मिले।

ग्रुप स्टेज से बाहर हुई टीमों को मिला 2.29 करोड़ रुपये
ग्रुप स्टेज से बाहर हुई टीमों के लिए 250,000 डॉलर (लगभग 2.29 करोड़ रुपये) की राशि सुनिश्चित की गई थी।

आईपीएल में पहली बार उतरेंगे लखनऊ के नमन व अमेठी के प्रशांत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। 28 मार्च से शुरू होने जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें संस्करण में इस बार यूपी के खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिलेगा। खास तौर पर लखनऊ के बाएं हाथ के मीडियम पेसर नमन तिवारी और अमेठी के प्रशांत वीर पर सभी की निगाहें रहेंगी।

दोनों खिलाड़ी पहली बार आईपीएल में पदार्पण कर रहे हैं और अपने प्रदर्शन से पहचान बनाने को तैयार हैं। नमन तिवारी पहले भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रह चुके हैं और उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने अपनी टीम में शामिल किया है। टीम में पहले से मौजूद मोहसिन खान के साथ नमन को भी इस सीजन में अपनी धारदार गेंदबाजी दिखाने का मौका मिल सकता है। वहीं अमेठी के प्रशांत वीर ने यूपी लीग में शानदार प्रदर्शन कर सुर्खियां बटोरी थीं। मिनी ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने उन्हें खरीदा, जिसके बाद वे पहली बार आईपीएल का हिस्सा बनेंगे। इस दौरान उन्हें टीम के कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिलेगा, जो उनके लिए बड़े अनुभव की तरह होगा।

यूपी के एक दर्जन खिलाड़ी अलग-अलग टीमों में : इस सीजन में उत्तर प्रदेश के करीब एक दर्जन खिलाड़ी विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों का हिस्सा बनकर मैदान में उतरेंगे। खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि ये खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से न सिर्फ टीमों को मजबूती देंगे बल्कि खिताब की दौड़ में भी अहम भूमिका निभाएंगे। रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु की गेंदबाजी की जिम्मेदारी मेरठ के भुवनेश्वर कुमार और प्रयागराज के यश दयाल के कंधों पर होगी। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अलीगढ़ के रिंकू सिंह और हापुड़ के कार्तिक त्यागी मैदान में उतरेंगे। दिल्ली कैपिटल्स में कानपुर के कुलदीप यादव, मेरठ के समीर रिजवी और बाराबंकी के विप्रज निगम को जगह मिली है। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ के जीशान अंसारी और नोएडा के शिवम मावी पर भरोसा जताया है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ : पूर्व भारतीय खिलाड़ी ज्ञानेंद्र पाण्डेय का कहना है कि आईपीएल ऐसा मंच है जहां दुनिया भर के खिलाड़ी एक साथ खेलते हैं। यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भारतीय टीम के दरवाजे तक पहुंच सकते हैं। इकाना स्टेडियम के सीनियर एमडी उदय सिन्हा के मुताबिक प्रदेश के खिलाड़ियों की बढ़ती मांग यूपी क्रिकेट के लिए सकारात्मक संकेत है और इससे नई प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। वहीं उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की जूनियर चयन समिति के चेयरमैन और पूर्व रणजी खिलाड़ी कमलकांत कनौजिया का कहना है कि यूपी के खिलाड़ियों की मौजूदगी से युवा क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी और भविष्य में प्रदेश से और भी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देंगे।

नमन तिवारी व प्रशांत वीर।

- **आईपीएल में यूपी का जलवा, 12 खिलाड़ी अलग-अलग टीमों में**
- **धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करेंगे प्रशांत वीर**
- **एलएसजी में नमन तिवारी को मौका मिलने की उम्मीद**

किन टीमों में यूपी के कौन-कौन खिलाड़ी

- **दिल्ली कैपिटल्स :** विप्रज निगम (बाराबंकी), कुलदीप यादव (कानपुर), समीर रिजवी (मेरठ)
- **कोलकाता नाइट राइडर्स :** रिंकू सिंह (अलीगढ़), कार्तिक त्यागी (हापुड़)
  लखनऊ सुपर जायंट्स – मोहसिन खान (संभल), नमन तिवारी (लखनऊ)
- **रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु :** भुवनेश्वर कुमार (मेरठ), यश दयाल (प्रयागराज)
  सनराइजर्स हैदराबाद – जीशान अंसारी (लखनऊ), शिवम मावी (नोएडा)
- **चेन्नई सुपर किंग्स :** प्रशांत वीर (अमेठी)

अब नजरें ओलंपिक स्वर्ण पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **14-30 जुलाई 2028 तक ग्रीष्मकालीन ओलंपिक होगा लॉस एंजिलिस में**

टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम की औसत उम्र तीस के करीब है लिहाजा आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2028 में होने वाले अगले टी20 विश्व कप में भी उनके खेलने की पूरी संभावना है। लेकिन इससे पहले खिलाड़ियों के पास लॉस एंजिलिस में ओलंपिक स्वर्ण जीतने का भी मौका होगा चूंकि क्रिकेट की 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी हो रही है।

भारत की विश्व कप विजेता इस टीम में सिर्फ कप्तान सूर्यकुमार यादव ही 35 साल के हैं लेकिन उनका इरादा 2028 में ये दोनों टूर्नामेंट खेलने का है। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में मिली जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा एक टीम के रूप में हमने जो कुछ हासिल किया है, वह काफी खास है। अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक स्वर्ण और उसी साल टी20 विश्व कप भी है। उन्होंने कहा 2024 के बाद से जिस तरह से सफर तय किया गया है, हम काफी रोमांचित हैं। हमने तीन आईसीसी ट्रॉफी (वनडे चैम्पियंस ट्रॉफी समेत) लगातार जीती। 2024 में लंबे समय बाद आईसीसी खिताब जीता। हमें पता है कि हम किस तरह से खेलना चाहते थे। 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। सूर्यकुमार ने कहा हमने 2025 में चैम्पियंस ट्रॉफी (रोहित शर्मा की कप्तानी में) जीती और बिल्कुल अलग तरह की क्रिकेट खेली।

चर्चा में आई जोड़ी

टी-20 विश्व कप का फाइनल जीतने के बाद पार्टनर माहिका शर्मा के साथ जश्न मनाते हार्दिक पंड्या। ● एजेंसी

प्रेरणा

सैमसन के रूप में नए खेल आइकन के सामने आने से केरल में खुशी की लहर

पिता ने कहा था– संजू अपनी जड़ों से कभी दूर मत जाना

बेंगलुरु, एजेंसी

एक छोटी सी कहानी है जो सैमसन विश्वनाथ के अपने बेटे संजू पर गहरे असर के बारे में बहुत कुछ बताती है। केरल का यह क्रिकेटर राजस्थान रॉयल्स के लिए अपने पहले आईपीएल सत्र के बाद एक स्टार की तरह अपने गृहनगर विझिंजम लौटा था।

कभी संजू के साथ सड़कों पर खेलने वाले गांव के युवा क्रिकेटर अब उसके पास जाने से हिचकिचा रहे थे। उनकी हिचकिचाहट को भांपते हुए दिल्ली पुलिस के पूर्व अधिकारी विश्वनाथ ने संजू को कुछ समय के लिए अपने पुराने दोस्तों के साथ खेलने के लिए कहा। उस समय संजू को अपने पिता से सलाह मिली अपनी जड़ों से कभी दूर मत जाना। ये शब्द संजू के साथ तब भी रहे जब उन्होंने खेल के उतार-चढ़ाव का सामना किया।

संजू सैमसन को शाबाशी देते मुख्य कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

हाल में संपन्न टी20 विश्व कप में सैमसन 321 रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। सैमसन के शुरुआती कोच बीजू जॉर्ज ने बताया मुझे लगता है कि उसके शुरुआती मुकाबलों की तुलना में मुख्य अंतर यह है कि उसके पैरों में स्थिरता लौट आई है, एक मजबूत आधार हमेशा से उसकी ताकत रही है। जब वह क्रीज में पीछे की ओर जाने लगा तो इससे उसका संतुलन बिगड़ गया। उन्होंने कहा लेकिन अब ऐसा लगता है कि उसने वह स्थिर आधार वापस पा लिया है और यह उसकी बल्लेबाजी में दिखता है। मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर के खिलाफ बेसिक्स पर लौटने से मिली मदद साफ नजर आ रही थी।

यह जानते हुए कि सैमसन अपने शरीर की तरफ आने वाली गेंदों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं आर्चर ने शॉर्ट गेंद फेंकी लेकिन दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने घूमकर उसे स्क्वायर लेग के पीछे छक्के के लिए पुल कर दिया। अपने अगले ओवर में आर्चर ने फिर से एक शॉर्ट पिच गेंद के खिलाफ संजू की काबिलियत को परखने की कोशिश की और इस बार इस सलामी बल्लेबाज ने गेंद को वानखेड़े स्टेडियम में मिडविकेट के पीछे दूसरे टीयर के स्टैंड पर भेजा दिया। इन दो शॉट में संजू ने आर्चर और बाउंसर के खिलाफ अपनी कमजोरी से सफलतापूर्वक निपटा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी सुपर आठ मुकाबले से पहले तक संजू का करियर खतरे में था। हालांकि उन्होंने आखिरी तीन महत्वपूर्ण मुकाबलों में नाबाद 97, 89 और 89 रन की पारियां खेलकर भारत को अपना तीसरा टी20 विश्व कप जिताने में मदद की। इसके साथ ही भारत लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी20 विश्व खिताब जीतने वाली पहली टीम बना। मुख्य कोच गौतम गंभीर भी सैमसन की कोशिश से बहुत खुश थे और उन्होंने उन्हें एक विशेष प्रतिभा कहा।

जो भी मौके मिलें उन्हें जाने मत दो

विश्वनाथ ने कहा मैंने उसे (जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद) एक मैसेज भेजा। अपने देश के लिए अच्छा करो, तुम पहले से ही 31 साल के हो और जो भी मौके तुम्हें मिलें उन्हें जाने मत दो। उन्होंने कहा मुझे पता है कि उसमें सभी तरह का कौशल है क्योंकि वह 13 साल की उम्र से गंभीर क्रिकेट खेल रहा है और यह सब उसकी सोच को सही करने के बारे में था। बल्लेबाजी क्रम या ऐसी किसी भी चीज की चिंता मत करो बस खुले दिमाग से खेलो। ऐसा लगता कि सैमसन ने इस सलाह को दिल से मान लिया और लगातार तीन अर्धशतक लगाए। विश्वनाथ ने भावनात्मक होते हुए कहा, मैं अपने पोडियन (बेटे) को जानता हूं। मैं उसे छोटी उम्र से देख रहा हूं। मुझे पता था, हम सब जानते थे कि वह वापसी करेगा।